{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
बुधवार 08 अप्रैल 2026
वैशाख कृष्ण 06 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 193
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	74,616.58
निफ्टी	-	23,123.65
सोना	-	1,49,840
चांदी	-	2,50,000
डॉलर	-	92.89

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

एयर इंडिया सीईओ विल्सन ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। एयर इंडिया के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर कैंपबेल विल्सन ने इस्तीफा दे दिया है। वहीं एयर इंडिया ने नए सीईओ की तलाश भी शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार, विल्सन सितंबर में अपना पद छोड़ सकते हैं। पिछले हफ्ते हुई कंपनी की बोर्ड बैठक में उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है। विल्सन को 2022 में एयर इंडिया का सीईओ और प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया था। उनका कॉन्ट्रैक्ट 5 सालों के लिए, जुलाई 2027 तक था। रिपोर्ट्स के अनुसार, एयरलाइन अहमदाबाद प्लेन क्रैश की फाइनल जांच रिपोर्ट आने के बाद नए सीईओ की नियुक्ति करेगी। एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो ने 12 जुलाई 2025 को हादसे की प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की थी। अंतिम रिपोर्ट जून 2026 में आ सकती है।

सालों का इंतजार खत्म! अमरावती बनी आंध्र प्रदेश की राजधानी

अमरावती। सालों के इंतजार के बाद, अमरावती को आधिकारिक तौर पर आंध्र प्रदेश की राजधानी घोषित कर दिया है। 6 अप्रैल को अधिसूचना पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे उस फैसले को कानूनी पुष्टि मिल गई जिसका इंतजार 2014 में राज्य के बंटवारे के बाद से किया जा रहा था। अधिसूचना के मुताबिक अमरावती को 2 जून, 2024 से पिछली तारीख से आधिकारिक राजधानी के रूप में मान्यता दी जाएगी। इससे शासन में निरंतरता सुनिश्चित होती है, साथ ही शहर को प्रशासन के केंद्र के रूप में चुने के फैसले को कानूनी रूप भी मिलता है। इस घोषणा के साथ ही तेलंगाना के गठन और हैदराबाद के साथ संयुक्त राजधानी की व्यवस्था के बाद से चली आ रही 12 साल की अनिश्चितता का दौर औपचारिक रूप से समाप्त हो गया है।

मणिपुर सरकार ने इंफाल घाटी के पांच जिलों में तीन दिनों के लिए इंटरनेट किया निलंबित

इंफाल । मणिपुर सरकार ने मंगलवार को इंफाल घाटी के पांच जिलों में तीन दिनों के लिए इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवाओं (ब्रॉडबैंड सहित) को निलंबित कर दिया। सरकार ने हिंसा को बढ़ने से रोकने के उद्देश्य से यह कदम उठाया है। अधिकारियों ने बताया कि सरकार का यह कदम बिष्णुपुर जिले में हुए एक जानलेवा बम हमले के कुछ घंटों बाद आया। बताया जा रहा है कि कथित तौर पर कुकी उग्रवादियों ने इस हमले को अंजाम दिया था, जिसमें दो बच्चों की जान चली गई।

कुछ ना कहना

असम, केरल और पुडुचेरी में थमा चुनाव प्रचार

9 अप्रैल को तीनों राज्यों की 296 सीटों पर होगा मतदान

नई दिल्ली। असम, केरल और पुडुचेरी में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान मंगलवार शाम 5 बजे समाप्त हो गया। इसके साथ ही चुनाव आयोग के निर्देशानुसार 'साइलेंस पीरियड' लागू हो गया है। इन तीनों राज्यों की कुल 296 सीटों (असम-126, केरल-140, पुडुचेरी-30) पर 9 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान कराया जाएगा, जबकि मतों की गिनती 4 मई को होगी।

जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126(1)(बी) के तहत मतदान से 48 घंटे पहले साइलेंस पीरियड प्रभावी हो जाता है। इस अवधि में किसी भी प्रकार के चुनाव प्रचार, टीवी-रेडियो प्रसारण, रैलियों या मतदाताओं को प्रभावित करने वाली सामग्री के प्रसार पर पूर्ण प्रतिबंध रहता है।

असम विस चुनाव

असम की 126 विधानसभा सीटों के लिए 722 उम्मीदवार मैदान में हैं। नामांकन वापसी के अंतिम दिन 67 उम्मीदवारों ने अपने नाम वापस ले लिए। इनमें केवल 59 महिला उम्मीदवार हैं, जो कुल का लगभग 8 प्रतिशत है, जबकि महिला मतदाताओं की भागीदारी करीब 50 प्रतिशत है। राज्य में कुल 2.5 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें 1.25 करोड़ पुरुष, 1.25 करोड़ महिलाएं और 343 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। 18-19 वर्ष आयु वर्ग के 5.75 लाख युवा पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। राज्य की 15वीं विधानसभा का कार्यकाल 20 मई 2026 को समाप्त हो रहा है।

केरल विस चुनाव

केरल विधानसभा की 140 सीटों के लिए 890 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। यहां प्रमुख राजनीतिक दलों के बीच मुकाबला त्रिकोणीय है, जिससे चुनावी प्रतिस्पर्धा तीव्र हो गई है। सरकार बनाने के लिए 71 सीटों का बहुमत आवश्यक है। राज्य में कुल 2.71 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें 1.32 करोड़ पुरुष, 1.39 करोड़ महिलाएं और 273 तृतीय लिंग मतदाता शामिल हैं। इसके अलावा 2.42 लाख से अधिक प्रवासी मतदाता भी मताधिकार के पात्र हैं।

पुडुचेरी विस चुनाव

पुडुचेरी में 30 सीटों पर चुनाव हो रहा है, जिनमें 5 सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं। सरकार बनाने के लिए 16 सीटों का बहुमत जरूरी है। यहां कुल 9.44 लाख मतदाता हैं, जिनमें लगभग 4.43 लाख पुरुष, 5 लाख महिलाएं और 139 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। मतदान के लिए 1,099 केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 610 शहरी और 489 ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हैं।

तमिलनाडु व पश्चिम बंगाल में भी चुनावी गतिविधियां

इस बीच तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में भी विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया तेज हो गई है। नामांकन पत्रों की जांच पूरी हो चुकी है और उम्मीदवार 9 अप्रैल तक अपने नाम वापस ले सकते हैं। तमिलनाडु की 234 सीटों और पश्चिम बंगाल के पहले चरण की 152 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होना, जबकि पश्चिम बंगाल के दूसरे चरण की 142 सीटों पर 29 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के चुनाव परिणाम 4 मई को घोषित किए जाएंगे, जो आने वाले समय में क्षेत्रीय राजनीति की दिशा तय करेंगे।

पश्चिम बंगाल चुनाव 2026

ओपिनियन पोल में टीएमसी और भाजपा के बीच कांटे की टक्कर

-टीएमसी गठबंधन को 159-169 और भाजपा गठबंधन को 120-130 सीटें मिलने की उम्मीद

पश्चिम बंगाल में 2026 के विधानसभा चुनाव के लिए मतदान में ज्यादा वक्त नहीं है लेकिन ताजा ओपिनियन पोल के नतीजों ने राज्य की सियासी सरगर्मी बढ़ा दी है। सर्वे के अनुसार, सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) भले ही फिलहाल बढ़त बनाए हुए है, लेकिन भारतीय जनता पार्टी उसे बेहद कड़ी टक्कर दे रही है और सत्ता की दहलीज पर खड़ी नजर आ रही है।

आंकड़ों के मुताबिक, टीएमसी को 43.7 प्रतिशत वोट मिलने का अनुमान है, जबकि बीजेपी 39.7 प्रतिशत वोट शेयर के साथ उसके ठीक पीछे है। सीटों के लिहाज से टीएमसी गठबंधन को 159 से 169 सीटें मिलने का अनुमान है, जो बहुमत के आंकड़े से ऊपर है। वहीं, बीजेपी गठबंधन भी 120 से 130 सीटें जीतने की उम्मीद कर रहा है। सर्वे यह भी बताता है कि यदि बीजेपी अपने वोट शेयर में सिर्फ पांच फीसदी का इजाफा कर लेती है, तो वह राज्य में सरकार बना सकती है।

मुख्यमंत्री पद के लिए ममता बनर्जी अभी भी सबसे लोकप्रिय चेहरा बनी हुई हैं, जिन्हें 44.4 प्रतिशत लोगों का समर्थन प्राप्त है। हालांकि, बीजेपी के शुभेंदु अधिकारी भी 38.3 प्रतिशत समर्थन के साथ उन्हें सीधी चुनौती दे रहे हैं। अन्य नेताओं में कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी (3.6 प्रतिशत) और सीपीएम के मोहम्मद सलीम (4.2 प्रतिशत) काफी पीछे हैं, जिससे साफ है कि मुकाबला द्विपक्षीय होने वाला है। वर्तमान सरकार के कामकाज को लेकर जनता की राय बंटी हुई है। जहां 31.1 प्रतिशत लोगों ने कामकाज को बहुत अच्छा बताया, वहीं 26.2 प्रतिशत ने इसे बहुत खराब करार दिया। राज्य में रोजगार की कमी और विकास (36.6 प्रतिशत) सबसे बड़ा मुद्दा बनकर उभरा है। इसके बाद कानून-व्यवस्था व महिला सुरक्षा (17.6 प्रतिशत) और महंगाई जैसे मुद्दे प्रभावी हैं।

असम पुलिस की कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के घर छापेमारी

हिमंत की पवन खेड़ा को चुनौती-पाताल से ढूंढ निकालेंगे, राहुल तक जाएगा केस

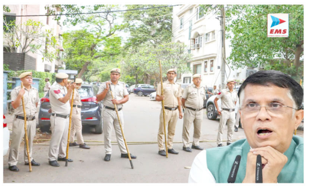

नई दिल्ली/गुवाहाटी। असम पुलिस की टीम कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के दिल्ली आवास पर पहुंची है। सीएम हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी की एफआईआर के बाद यह कार्रवाई की गई है। पवन घर पर नहीं है। असम पुलिस उनसे पूछताछ के लिए इंतजार कर रही है। दिल्ली पुलिस भी साथ में मौजूद है। दरअसल दो दिन पहले पवन ने असम सीएम हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा पर आरोप लगाया था कि उनके पास मिस्र, एंटीगा-बरबुडा और यूएई के पासपोर्ट हैं। हिमंता और उनकी पत्नी ने आरोपों को गलत बताया था।

दिल्ली में छापेमारी पर सीएम सरमा ने कहा कि वे गुवाहाटी से भाग गए। मुझे मीडिया के जरिए पता चला है कि पुलिस दिल्ली में उनके घर गई थी, लेकिन वह हैदराबाद भाग गए हैं। कानून अपना काम करेगा। हिमंता की पत्नी ने सोमवार को एफआईआर भी कराई थी। मुख्यमंत्री सरमा ने अपनी पत्नी पर लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों पर पवन खेड़ा को दो टूक चेतावनी दी है। सरमा ने कहा कि अगर खेड़ा पाताल में भी जाकर छिप जाते हैं, तो असम पुलिस उन्हें वहां से भी ढूंढ कर लाएगी।

राहुल गांधी तक पहुंचेगी जांच की आंच

मुख्यमंत्री सरमा ने केवल पवन खेड़ा पर ही निशाना नहीं साधा, बल्कि सीधे तौर पर राहुल गांधी को भी इस मामले में घसीटा है। उन्होंने दावा किया है कि इस पूरे मामले की जांच का दायरा बढ़ेगा और आने वाले समय में राहुल गांधी से भी इस संबंध में कड़ी पूछताछ की जा सकती है। असम में विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक सरगर्मी अब अपने चरम पर है। जहां एक तरफ कांग्रेस इसे सत्ता का दुरुपयोग बता रही है, वहीं मुख्यमंत्री सरमा ने इसे अपनी निजी और पारिवारिक प्रतिष्ठा से जोड़ते हुए आर-पार की लड़ाई का एलान कर दिया है।

एनसीईआरटी : शिक्षाविदों ने सुप्रीम कोर्ट में पेश किया अपना पक्ष, सामूहिक निर्णय का दिया हवाला

नई दिल्ली। एनसीईआरटी की कक्षा आठवीं की पाठ्यपुस्तक में न्यायपालिका के संबंध में आपत्तिजनक सामग्री को लेकर उपजे विवाद में नया मोड़ आ गया है। इस अध्याय का मसौदा तैयार करने वाले तीन प्रतिष्ठित शिक्षाविदों-प्रोफेसर मिशेल डैनिनो, सुपर्णा दिवाकर और आलोक प्रसन्न कुमार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर अपना पक्ष स्पष्ट किया। उन्होंने अदालत को बताया कि पाठ्यक्रम तैयार करना किसी एक व्यक्ति का एकाधिकार नहीं, बल्कि एक विस्तृत सामूहिक प्रक्रिया थी।

NCERT

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ के समक्ष वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने दलील दी कि ये विशेषज्ञ कोई अस्थायी या गैर-भरोसेमंद व्यक्ति नहीं हैं, बल्कि शिक्षा जगत में उनकी काफी विश्वसनीयता है। आलोक प्रसन्न कुमार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि न्यायालय की पिछली टिप्पणियों से इन विशेषज्ञों की प्रतिष्ठा को काफी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि लेखक खुद एक वकील रह चुके हैं और उनका उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप नई शिक्षण पद्धति को पेश करना था, न कि न्यायपालिका को निशाना बनाना। वहीं, सुपर्णा दिवाकर की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता ने पीठ को बताया कि आवेदन का मुख्य सार यह है कि यह पूरी प्रक्रिया एक टीम वर्क थी। इससे पहले, 11 मार्च को शीर्ष अदालत ने सख्त रुख अपनाते हुए केंद्र और राज्य सरकारों को इन तीनों विशेषज्ञों से सभी संबंध तोड़ने और उन्हें सार्वजनिक धन से जुड़ी किसी भी जिम्मेदारी से अलग करने का निर्देश दिया था। अदालत ने तब संदेह जताया था कि तथ्यों को गलत तरीके से पेश कर बच्चों के मन में न्यायपालिका की नकारात्मक छवि बनाने की कोशिश की गई।

ईडी की कार्रवाई - अल-फलाह चैरिटेबल ट्रस्ट और उसके मैनेजिंग ट्रस्टी की 39.45 करोड़ रुपए की चल-अचल संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत फरीदाबाद स्थित अल-फलाह चैरिटेबल ट्रस्ट और उसके मैनेजिंग ट्रस्टी जवाद अहमद सिद्दीकी की कुल 39.45 करोड़ रुपए की चल और अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क कर लिया है। इस कुर्की में शामिल संपत्तियों में जवाद अहमद सिद्दीकी का दिल्ली के जामिया नगर, ओखला इलाके में स्थित आवासीय परिसर, फरीदाबाद के धौज गांव में अल-फलाह विश्वविद्यालय के पास स्थित कृषि भूमि, साथ ही ट्रस्ट और जवाद सिद्दीकी की डीमैट अकाउंट्स, बैंक बैलेंस और फिक्स्ड डिपॉजिट शामिल हैं। ईडी की जांच दिल्ली पुलिस की तीन एफआईआर पर आधारित है। इनमें दिल्ली क्राइम ब्रांच की दो एफआईआर (संख्या 337/2025 और 338/2025, दोनों 13 नवंबर 2025 को दर्ज) और दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के पालम पुलिस स्टेशन की एफआईआर संख्या 0021/2026 (10 जनवरी 2026 को दर्ज) शामिल हैं। इन एफआईआर में धोखाधड़ी, जालसाजी, आपराधिक साजिश और भारतीय न्याय संहिता के विभिन्न प्रावधानों के तहत आरोप लगाए गए हैं, जो पीएमएलए के अंतर्गत अनुसूचित अपराध माने जाते हैं। आरोप है कि अल-फलाह विश्वविद्यालय ने अपनी समाप्त हो चुकी एनएएसी ए ग्रेड मान्यता को गलत तरीके से वैध बताकर छात्रों और अभिभावकों को धोखा दिया। साथ ही ऐसी यूजीसी धारा 12बी मान्यता का दावा किया जो कभी मिली ही नहीं थी।

केंद्र ने प्रत्येक राज्य को उपलब्ध कराए जाने वाले 5 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडरों की दैनिक मात्रा को दोगुना किया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कहा है कि प्रवासी मजदूरों को वितरित करने के लिए प्रत्येक राज्य को उपलब्ध कराए जाने वाले 5 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडरों की दैनिक मात्रा को दोगुना कर दिया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 2-3 मार्च, 2026 के दौरान प्रवासी श्रमिकों को दी जाने वाली औसत दैनिक आपूर्ति के आधार पर 5 किलोग्राम एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति दोगुनी की जा रही है। ये 5 किलोग्राम के सिलेंडर राज्य सरकार के पास उपलब्ध होंगे और सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों की सहायता से केवल अपने राज्य में प्रवासी श्रमिकों को ही इनकी आपूर्ति की जाएगी। 23 मार्च से अब तक लगभग 7.8 लाख 5-किलो के फ्री ट्रेड एलपीजी सिलेंडर बेचे जा चुके हैं। सोमवार को देशभर में 1.06 लाख से अधिक 5-किलो के सिलेंडर बिके, जबकि फरवरी महीने में प्रतिदिन औसतन 7,7000 सिलेंडर बिके थे। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने पिछले चार दिनों में 5-किलो सिलेंडरों के लिए लगभग 1,300 जागरूकता शिविर भी आयोजित किए, जिनमें 10,000 से अधिक सिलेंडर बिके।

सथानकुलम कस्टोडियल डेथ केस : पिता-पुत्र की मौत पर 9 पुलिसकर्मियों को फांसी की सजा

मदुरै। तमिलनाडु के मदुरै की अदालत ने देश को हिला देने वाले सथानकुलम कस्टोडियल डेथ केस में ऐतिहासिक फैसला सुनाकर 9 पुलिसकर्मियों को मौत की सजा दी है। यह घटना 19 जून 2020 की है, जब कोविड-19 लॉकडाउन नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में पी.जयराज को पुलिस ने हिरासत में लिया। उनके बेटे जे. बेनिक्स ने विरोध कर थाने का रुख किया। आरोप है कि इसके बाद दोनों को तमिलनाडु पुलिसकर्मियों ने पूरी रात बेरहमी से प्रताड़ित किया। भारी चोटों के बावजूद पिता-पुत्र को न्यायिक हिरासत में भेजा गया, जहाँ उनकी तबीयत बिगड़ती गई। 22 जून को बेनिक्स और 23 जून को जयराज की अस्पताल में मौत हो गई। इस घटना ने पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन को जन्म दिया और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए।

घटना की गंभीरता को देखकर मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच ने स्वत: संज्ञान लेकर जांच की निगरानी की। बाद में मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी गई। सीबीआई की चार्जशीट में खुलासा हुआ कि दोनों को बिना ठोस कारण हिरासत में लिया गया, झूठा मामला बनाकर सबूत मिटाने की कोशिश की गई। मेडिकल रिपोर्ट, गवाहों के बयान और न्यायिक मजिस्ट्रेट की रिपोर्ट ने पुलिस द्वारा यातना की पुष्टि की। इस मामले की सुनवाई कई वर्षों तक चली। गवाहों से जिरह और बार-बार दायर जमानत याचिकाओं के कारण प्रक्रिया लंबी रही। अंततः 23 मार्च 2026 को अदालत ने सभी आरोपियों को दोषी मानकर 6 अप्रैल को उन्हें मौत की सजा सुनाई। अदालत ने पीड़ित परिवार को 1.40 करोड़ रुपये मुआवजा देने का भी आदेश दिया। अदालत ने कहा कि यह 卐दुर्लभतम卐 मामलों में से एक है, जहाँ कानून के रखवाले ही अपराध में शामिल थे।

नेशनल और स्टेट हाइवे पर आवारा मवेशियों की मौजूदगी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, कहा- कई राज्य 10 फीसदी गौ उपकर वसूल रहे, जमीन पर नजर नहीं आ रहा काम

नई दिल्ली। देशभर के नेशनल हाइवे और स्टेट हाइवे पर आवारा मवेशियों की बढ़ती मौजूदगी से होने वाले हादसों पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया। कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार, सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और भारतीय पशु कल्याण बोर्ड से चार हफ्ते में जवाब मांगा है। कोर्ट ने टिप्पणी की कि कई राज्य 10 फीसदी गौ उपकर वसूल रहे हैं, लेकिन जमीन पर काम नजर नहीं आ रहा है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच लॉयर्स फॉर ह्यूमन राइट्स इंटरनेशनल की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में मांग की गई है कि देशभर में हाइवे पर मवेशियों की घुसपैठ रोकने के एक समान राष्ट्रीय गाइडलाइन बनाई जाए और उन्हें सख्ती से लागू किया जाए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राजमार्ग और एक्सप्रेस-वे पर, खासकर दुर्घटना संभावित हिस्सों में, अनिवार्य फेंसिंग की मांग की गई है ताकि मवेशियों की एंट्री रोकी जा सके।

सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री के फैसले पर सरकार बोली अदालत धार्मिक मामलों में न दें दखल

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की बेंच ने मंगलवार को केरल के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं को एंट्री देने का आदेश जारी रहे या नहीं इस पर पहले दिन की सुनवाई की। केंद्र ने कहा-सबरीमाला मामले में गलत फैसला दिया गया था। उसे गलत कानून घोषित किया जाना चाहिए। मासिक धर्म आयु की महिलाओं के प्रवेश पर लगी रोक बरकरार रखी जाए। धार्मिक आस्था के मामले में अदालत को दखल नहीं करना चाहिए।

सुनवाई के दौरान जस्टिस नागरत्ना ने कहा इस मामले में अनुच्छेद 17 दलील पर किस तरह पेश किया जा, यह मेरी समझ से बाहर है। एक महिला होने के नाते मैं यह कहना चाहूंगी कि ऐसा नहीं हो सकता कि हर महीने 3 दिन तक तो महिला को अछूत माना जाए और चौथे दिन अचानक कोई अछूतपन न रह जाए।

जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि अगर कोई सामाजिक बुराई है, जिसे धार्मिक प्रथा का नाम दे दिया गया हो तो अदालत उनके बीच फर्क कर सकती है कि वह एक सामाजिक बुराई है या कोई अनिवार्य धार्मिक प्रथा है। इस पर केंद्र ने कहा कि संवैधानिक दृष्टि से इसका जवाब यह होगा कि इसका समाधान अनुच्छेद 25(2)(बी) में है, यानी संसद इस पर कानून बना सकती है।

दरअसल, धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव के मुद्दे पर जारी इस सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट सबरीमाला के अलावा मस्जिदों में महिलाओं की एंट्री, दाऊदी बोहरा समुदाय में महिला का खतना और दूसरे धर्म में शादी करने वाली पारसी महिलाओं को धार्मिक स्थलों में जाने का अधिकार मिले या नहीं, कोर्ट इस पर भी फैसला करेगा।

सुप्रीम कोर्ट में 50 से ज्यादा रिव्यू पिटीशन

धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव से जुड़े ये सवाल पिछले 26 साल से देश की अलग-अलग अदालतों में पेंडिंग हैं। सुप्रीम कोर्ट में आज से 22 अप्रैल तक 50 से ज्यादा याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट में रिव्यू पिटीशनरों और उन्हें सपोर्ट करने वाले 7 अप्रैल से 9 अप्रैल तक, जबकि विरोध करने वाले 14 अप्रैल से 16 अप्रैल तक दलीलें दे सकेंगे।

बड़ा खुलासा! नंदीग्राम में 95 प्रतिशत मुसलमानों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के संदर्भ में नंदीग्राम से एक चौंकाने वाला पैटर्न सामने आया है, जहां वोटर लिस्ट से नाम हटाने की प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, क्षेत्र की कुल आबादी में मुसलमानों की हिस्सेदारी लगभग 25 प्रतिशत है, लेकिन हटाए गए नामों में उनकी हिस्सेदारी 95.5 प्रतिशत तक पहुंच गई है। इसके विपरीत, लगभग 75 प्रतिशत गैर-मुस्लिम आबादी के बीच नाम हटाने के मामले मात्र 4.5 प्रतिशत दर्ज किए गए हैं।

एक पब्लिक पॉलिसी संस्था द्वारा किए गए विश्लेषण में चुनाव आयोग के सप्लीमेंट्री वोटर लिस्ट डेटा का अध्ययन किया गया। सात अलग-अलग सूचियों की जांच में सामने आया कि कई मामलों में हटाए गए नामों में मुसलमानों की हिस्सेदारी 60 प्रतिशत से लेकर 98 प्रतिशत तक रही। यह आंकड़े आबादी के अनुपात से काफी अलग तस्वीर पेश करते हैं और प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करते हैं। हालांकि, एक सूची में अपवाद भी देखने को मिला। 'लिस्ट 4ए' में हटाए गए सभी नाम गैर-मुस्लिम महिलाओं के थे, जिसमें किसी भी मुस्लिम मतदाता का नाम शामिल नहीं था। इस तरह के अलग-अलग पैटर्न समग्र स्थिति को और जटिल बनाते हैं। दिसंबर 2025 के एक अन्य डेटा सेट में भी मुसलमानों की हिस्सेदारी नाम हटाने के मामलों में 33.3 प्रतिशत पाई गई, जो उनके जनसंख्या अनुपात से अधिक है, हालांकि यह अंतर सप्लीमेंट्री सूची की तुलना में कम है। पूरे घटनाक्रम पर अब तक चुनाव आयोग की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। प्रभावित मतदाताओं को ट्रिब्यूनल में अपील करने का विकल्प जरूर दिया गया है, लेकिन पारदर्शिता को लेकर बहस जारी है।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्या

125 आवेदकों ने दिये अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 07 अप्रैल को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में अपर कलेक्टर श्री डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर श्री एमआर कोल, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव ने आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 125 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए थे।

जनसुनवाई में सरस्वती नगर बालाघाट की सरिता घनश्याम मुरकुटे शिकायत लेकर आयी थी कि सेंट्रल बैंक शाखा खैरी भटेरा के ब्रांच मैनेजर द्वारा उससे अत्यधिक ब्याज वसूलने, पीएम आवास योजना के तहत ब्याज दर में छूट प्रदान न करने तथा वर्ष 2021 से होम लोन की किश्तों से 03 लाख रुपये से अधिक की राशि वसूली जा रही है। सरिता ने बताया कि वह शासकीय आयुर्वेदिक औषधालय चरेगांव में पदस्थ है और उसे प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सेंट्रल बैंक शाखा खैरी भटेरा से लोन स्वीकृत किया गया था। किंतु बैंक मैनेजर द्वारा उसे योजना के तहत ब्याज दर में छूट नही प्रदान की गई। इसके साथ ही उससे लोन की किश्तों से ऋण का ब्याज लगभग वर्ष 2021 से प्रतिमाह वसूला जा रहा है, लेकिन ऋण राशि में किसी तरह की कटौती नही की जा रही है। इस प्रकरण में अग्रणी बैंक प्रबंधक को शीघ्र आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है।

जनसुनवाई में बालाघाट गुजरी चौक के सब्जी विक्रेता संघ द्वारा शिकायत की गई कि गुजरी में सब्जी की दुकान लगाने वाले दुकानदारों से निर्धारित राशि से अधिक की वसूली की जा रही है। उन्होंने बताया कि गुजरी चौक बालाघाट के ठेकेदारों द्वारा अब तक गुजरी चौक में सब्जी दुकान लगा रहे दुकानदारों से 10 से 20 रुपये तक की वसूली की जाती थी। किंतु अब ठेकेदारों द्वारा गुजरी चौक में बैठकी के 50 से 60 रुपये लिए जा रहे है। इस प्रकरण में सीएमओ बालाघाट को शीघ्र आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है।

वारासिवनी तहसील के ग्राम कोचेवाही निवासी बुधराम माहेश्वर शिकायत लेकर आये थे कि जनगणना के दौरान उसके घर के सामने गणना क्रमांक एवं मकान नंबर नही लिखा गया है। बुधराम ने बताया कि गणना के लिए आये अधिकारियों द्वारा परिवार की गणना तो की गई किंतु मकान में सर्वे क्रमांक मकान नंबर नही दर्ज किया गया। अत: बुधराम ने शीघ्र उसके मकान में सर्वे क्रमांक व मकान क्रमांक लिखने की मांग की है। इस प्रकरण में तहसीलदार वारासिवनी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

जनसुनवाई में ग्राम पंचायत परसवाड़ा के दीपक परते कोविड 19 के दौरान की गई भोजन व्यवस्था की राशि न मिलने की शिकायत लेकर आये थे। दीपक का कहना था कि वर्ष 2022 में कोविड के समय ग्राम पंचायत परसवाा अंतर्गत ग्राम सेरपार में अस्थायी हॉस्पिटल बनाया गया था। जिसमें स्वास्थ्य विभाग के बीपीएम अनिल कुकडे द्वारा उससे भोजन व्यवस्था का कार्य करवाया गया था। इस भोजन व्यवस्था के कार्य की 92 हजार रुपये की भुगतान राशि उसे अब तक प्रदाय नही की गई है। दीपक ने बताया कि उसने स्वास्थ्य विभाग में कई बार इस संबंध में चर्चा की लेकिन विभाग द्वारा 03 वर्षो से उसके साथ टालमटोल किया जा रहा है। इस प्रकरण में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को शीघ्र आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

किरनापुर तहसील के ग्राम दहीगड़वा निवासी फूलचंद पटले प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत ऋण स्वीकृत कराने की मांग लेकर आये थे। फुलचंद का कहना था कि एक मजदूर है जिसका दहीगड़वा में कच्चा मकान है जो जीर्णशीर्ण हो चुका है और कभी भी गिर सकता है। पीएम आवास योजना के तहत राशि स्वीकृति के लिए उसने कई बार ग्राम पंचायत में आवेदन किया किंतु अब तक कोई कार्यवाही नही की गई है। इस प्रकरण में जनपद सीईओ किरनापुर को शीघ्र आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

वारासिवनी निवासी शीला बाई बर्वे शहर एवं नहर के पानी निकासी का नाला/रास्ता अतिक्रमण हटाने की मांग लेकर आयी थी। शीला बाई का कहना था कि पानी निकासी के नाले पर अतिक्रमण के कारण स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बिड़ी कॉलोनी स्थित एरिकेशन (सिंचाई) ऑफिस के पीछे से गुजरने वाला नाला शहर एवं नहर के पानी निकासी का मुख्य मार्ग है। नाले के आसपास कुछ लोगों द्वारा मिट्टी और मुरम डालकर उसे संकरा एवं लगभग बंद कर दिया गया है, जिससे पानी की निकासी बाधित हो रही है। शीला बाई बर्वे ने प्रशासन से मांग की है कि नाले पर किए गए अतिक्रमण को हटाकर पानी के सुचारू निकासी मार्ग को पुन: बहाल किया जाए, ताकि क्षेत्र के निवासी सुरक्षित रह सकें और भविष्य में जलभराव की समस्या से निजात मिल सके। इस प्रकरण में सीएमओ वारासिवनी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

जनसुनवाई में बालाघाट तहसील के वार्ड क्रमांक 02 भटेरा चौकी निवासी सुरेश भोंगो अपनी पुत्री को सांदीपनि विद्यालय बालाघाट में प्रवेश दिलवाने की मांग लेकर आये थे। सुरेश का कहना था कि वह एक गरीब मजदूर है जो मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करता है। सुरेश ने बताया कि वह अपनी पुत्री नंदनी को सांदीपनि विद्यालय बालाघाट में प्रवेश दिलाना चाहता है लेकिन वह इसके लिए सक्षम नही है। अत: उसने जिला प्रशासन से मांग की है कि उसकी पुत्री का सांदीपनि विद्यालय कक्षा 9वीं में प्रवेश दिलाया जाए। इस प्रकरण में जिला शिक्षा अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

पेज नं. ०३ का शेष...

अब फोकट में कचरा उठाने घर-घर नहीं आएगी गाड़ी, लगेगा शुल्क

जहां गाड़ी नहीं पहुंचती, वहां क्या होगा ?

सबसे बड़ा सवाल उन इलाकों को लेकर उठ रहा है, जहां अभी तक कचरा गाड़ी नियमित रूप से नहीं पहुंचती। ऐसे क्षेत्रों में जब सेवा ही उपलब्ध नहीं है, तो शुल्क किस बात का लिया जाएगा ? इस मुद्दे पर नगरपालिका की ओर से स्पष्ट जवाब नहीं मिल पाया है।हलाकि उन गलियों में नपा द्वारा रिक्सा गाड़ी, कचरा ठेला भेजकर व्यवस्था बनाने की बात कही जा रही है।

सफाई व्यवस्था बनाम नया कचरा टैक्स

बात अगर बालाघाट नगरी क्षेत्र की करें तो नगर के सभी 33 वार्डो में नागरिकों से अक्सर शिकायत आती है कि उनके इलाको में महीनों से सफाई नहीं हुई है और कचरा वाहन नहीं पहुँच रहे हैं, लेकिन टैक्स वसूला जा रहा है। ऐसे में यदि इस टैक्स को चुपके से लागू कर दिया जाता है या फिर इस टैक्स वसूली के लिए आम जनता को अपने पक्ष में नहीं लिया जाता या उन्हें उचित मार्गदर्शन नहीं दिया जाता, तो संभवत- इस नए टैक्स को लेकर नगर में बवाल खड़ा हो सकता है।

मुख्य बिंदु

फोकट में नही मिलेगी कचरा उठाने की सुविधा
घरों से 50 रुपये प्रतिमाह कचरा शुल्क
प्रतिष्ठानों से 100 रुपये प्रतिमाह होगी वसूली
2021 के नियमों के तहत लागू की जा रही व्यवस्था
सेवा नहीं मिलने वाले क्षेत्रों में असमंजस
नागरिकों और व्यापारियों में बढ़ सकती है नाराजगी

यह कोई नया टैक्स नहीं है, सिर्फ लागू नही किया गया था- कतरोलिया

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी बीडी कतरोलिया ने बताया कि घर-घर से कचरा उठाने की सुविधा नगर पालिका द्वारा दी जा रही है, उसपर टैक्स लगाने का प्लान चल रहा है ,यह कोई नया टैक्स नहीं है बल्कि मध्य प्रदेश शासन नगरीय निकाय द्वारा बनाया गया 2021 का नियम है जिसके तहत इस टैक्स को लागू किया जाना है। इस टैक्स का सर्कुलर जल्द जारी किया जाएगा, प्रत्येक घर से 50 रु तो वही व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से 100 प्रतिमाह का शुल्क वसूला जाएगा। हालांकि नियम 2021 से बना है लेकिन इसे 2026 से लागू करने का प्लान किया जा रहा है। हम कचरा गाड़ी को डोर टू डोर भेजने की व्यवस्था करेंगे, जहां कचरा गाड़ी नहीं जा सकती वहां ट्राला भेजेंगे, क्योंकि यह जो सेवा फ्री में दी जा रही है तो कोई उसका महत्व नहीं समझता,गाड़ी भेजने के बावजूद भी लोग इधर-उधर कचरा फेंक देते हैं जब टैक्स लगने लगेगा तो लोग इसका महत्व समझेंगे और घरों व प्रतिष्ठानों से निकलने वाला कचरा, गाड़ी में ही देंगे ।अभी टैक्स लागू नही किया गया है, फिलहाल इस टैक्स को लागू करने का प्लान किया जा रहा है।

इधर समूह के माध्यम से महिला सशक्तिकरण का दावा, उधर समूह को नही मिल रहा काम

स्वरोजगार पाने दर दर भटक रही समूह की महिलाए पहुची कलेक्ट्रेट, मांगा रोजगार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। महिलाओं की आय बढ़ाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा महिला समूहो का गठन कराया गया था।इसका उद्देश्य यही था कि समूह के माध्यम से महिलाओं को शासन

की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से काम मिलेगा, उन्हें रोजगार व स्वरोजगार से जोड़कर उनकी आय बढाई जाएगी, जिससे महिलाएं अपने पैरों पर खड़ी होकर आत्मनिर्भर बनेगी।लेकिन ऐसा होते कुछ भी नजर नही आ रहा है।सरकार द्वारा महिलाओं को, समूह के माध्यम से सशक्त बनाने के दावे तो किए जाते है, लेकिन जमीनी हकीकत, इससे कोसो दूर है, बात करें लांजी नगरीय क्षेत्र की तो यहां महिलाओं के अनुसार 600 महिलाएं, स्वसहायता समूह से जुड़ी है लेकिन, उनके पास कोई रोजगार नहीं है और ना ही कोई, उन्हें यह बताने वाला है कि वह रोजगार कैसे करे। जिससे महिलाएं परेशान है,लांजी नगर पालिका सहित अन्य सरकारी योजनाओं से सम्बंधित अन्य कार्यालयो के चक्कर काटकर थक चुकी समूह की महिलाओ ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौपकर उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ दिए जाने की मांग की है।

ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान पिछले 15 साल से स्वसहायता समूह से जुड़ी मंदा नंदनवार ने बताया कि शहरी क्षेत्र के स्वसहायता समूह, स्वरोजगार ना होने से बिखर रहे है, सरकार लोन तो दे रही है लेकिन उस लोन से कैसे स्वरोजगार स्थापित करें, यह नहीं बताया जा रहा है। जिससे लोन और उसका कर्ज से महिलाएं परेशान है।

समूह बनाते समय किए थे तरह तरह के वादे-भालाधरे

वही महिला स्वसहायता समूह अध्यक्ष मंजू भालाधरे ने बताया कि स्व-सहायता समूह बनाते समय, बताया गया था कि समूह के माध्यम से उन्हें रोजगार से जोड़ा जाएगा लेकिन तीन-चार साल बीतने के बावजूद कोई स्वरोजगार नहीं मिला है और ना ही स्वरोजगार के लिए किसी भी प्रकार से नगर परिषद से उन्हें मार्गदर्शन मिल रहा है। हम चाहते है कि शहरी क्षेत्र के स्वसहायता समूह की महिलाओं को शासन की योजनाओं से जोड़कर उन्हें स्वरोजगार प्रदान किया जाए, ताकि महिलाएं आर्थिक और मानसिक रूप से सशक्त होकर आत्मनिर्भर बन सके।

प्रतिमा स्थापना विवाद का, प्रशासनिक अधिकारियों ने अब तक नहीं निकाला हल

ग्रामीणों ने दी हाईकोर्ट जाने की चेतावनी,सौपा ज्ञापन, लांजी क्षेत्र के ग्राम लाडसा का मामला,रानी अवंती बाई की प्रतिमा स्थापना पर विवाद,

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पिछले दिनों लांजी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम लाडसा में रानी अवंती बाई प्रतिमा की स्थापना को लेकर उपजा विवाद, थमने का नाम नहीं ले रहा है। जहां ग्राम लाडसा के जय स्तंभ चौक पर रानी अवंती बाई की प्रतिमा स्थापना को लेकर गांव में दो पक्ष आमने-सामने है तो वही मामले की शिकायत के बावजूद भी प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा अब तक उपजे इस विवाद का हल नहीं निकाला गया है। जिसपर अपना एतराज जताते हुए लाडसा के ग्रामीणों ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में एक ज्ञापन सौपा है। जहां सौपे गए इस ज्ञापन में आवेदन निवेदन पर भी सुनवाई न होने पर अपनी नाराजगी जताते हुए ग्रामीणों ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाने की चेतावनी दी है।

विशेष ग्राम सभा मे 325 लोगो ने प्रतिमा हटाने का रखा पक्ष

ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि गांव के जयस्तंभ चौक के समीप कुछ लोगों द्वारा आधी रात के समय रानी अवंती बाई की प्रतिमा स्थापित कर दी गई है। अचानक प्रतिमा की स्थापना के कारण गांव में तनाव का माहौल बन गया है और आपसी विवाद की स्थिति उत्पन्न हो रही है। इस प्रकार बिना प्रशासनिक अनुमति और सार्वजनिक सहमति के प्रतिमा स्थापना से सामाजिक समरसता प्रभावित हो सकती है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई की जाए, ताकि गांव में शांति और व्यवस्था बनी रहे। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते मामले का समाधान नहीं किया गया, तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। वहीं प्रशासन से जल्द हस्तक्षेप कर विवाद को सुलझाने की अपेक्षा जताई गई है। ग्रामीणों ने बताया कि इसी मुद्दे को लेकर ग्राम पंचायत में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया था, जिसमें उक्त प्रतिमा को जय स्तंभ चौक पर यथावत रखने के लिए 120 लोगों ने सहमति जताई है जबकि उक्त प्रतिमा को जय स्तंभ चौक से हटाने के लिए 325 लोगों ने अपनी सहमति दी है।बावजूद इसके भी अब तक जय स्तंभ चौक से प्रतिमा को नहीं हटाया जा रहा है।

चौक की पहचान मिटाने का किया जा रहा प्रयास

ग्रामीणों ने बताया कि गांव में जयस्तंभ स्मारक वर्षों से स्थापित है, जिसे जयस्तंभ चौक के नाम से सभी लोग जानते और पहचानते हैं। यह स्थान गांव की पहचान और आस्था का प्रमुख केंद्र रहा है। उन्होंने आरोप लगाया की 22 मार्च की देर रात करीब 2 बजे एक समाज विशेष के लोगों द्वारा जयस्तंभ चौक से सटे स्थान पर ही रानी अवंती बाई की प्रतिमा स्थापित कर दी गई। इस अचानक हुई स्थापना से गांव के अन्य वर्गों में असंतोष की स्थिति बन गई है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें रानी अवंती बाई की प्रतिमा स्थापना से कोई आपत्ति नहीं है, बल्कि वे इसका सम्मान करते हैं, लेकिन जिस स्थान पर प्रतिमा स्थापित की गई है, वह विवाद का कारण बन रहा है। उनका मानना है कि प्रतिमा को जयस्तंभ से थोड़ी दूरी पर या किसी अन्य उपयुक्त चौक में स्थापित किया जाना चाहिए था, ताकि भविष्य में किसी प्रकार का विवाद न हो। ग्रामीणों का आरोप है कि समाज विशेष द्वारा जय स्तंभ चौक की पहचान मिटाने का प्रयास किया जा रहा है जिसका ज्यादातर ग्रामीण विरोध कर रहे हैं

निराकरण नही हुआ तो बढ़ सकता है विवाद

ग्रामीणों ने आशंका जताई कि यदि इस मामले में समय रहते उचित निर्णय नहीं लिया गया, तो अन्य समाजों द्वारा भी अपने-अपने आराध्य महापुरुषों की प्रतिमाएं उसी स्थान पर स्थापित करने की कोशिश की जा सकती है, जिससे स्थिति और अधिक तनावपूर्ण हो सकती है। इसी चिंता को देखते हुए ग्रामीणों ने जिला मुख्यालय पहुंचकर कलेक्टर से मुलाकात की और पूरे मामले में निष्पक्ष जांच कर प्रतिमा को उचित स्थान पर स्थापित कराने की मांग की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे गांव में किसी प्रकार का विवाद नहीं चाहते, बल्कि आपसी सौहार्द बनाए रखते हुए समाधान चाहते हैं। यदि इस समस्या का निराकरण जल्द नहीं हुआ तो आगे चलकर गांव में और विवाद बढ़ सकता है।

तो मजबूरन हाईकोर्ट जाना पड़ेगा- नखाते

ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान ग्रामीण सुरेश कुमार नखाते ने बताया कि रातों रातों अवैध रूप से जय स्तंभ चौक में प्रतिमा की स्थापना की गई है। जिसकी शिकायत कई बार प्रशासनिक अधिकारियों से की जा चुकी है, बार-बार शिकायत करने के बाद भी संबंधितो पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है।हमें ऐसा लगता है कि राजनीतिक दबाव के चलते प्रतिमा स्थापना करने वाले लोगों पर कार्यवाही नहीं की जा रही है।जबकि ग्राम पंचायत में आयोजित विशेष ग्राम सभा में 325 लोगों ने प्रतिमा को हटाने के पक्ष में अपना मत दिया है वही उक्त प्रतिमा को यथावत रखने के लिए 120 लोगों ने सहमति जताई है उसके बावजूद भी जय स्तंभ चौक से प्रतिमा को नहीं हटाया जा रहा है। हम चाहते हैं कि उक्त प्रतिमा को किसी अन्य स्थान पर स्थापित किया जाए।यदि ऐसा नहीं किया जाता और जिला स्तर पर प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा हमारी मांग पूरी नहीं की जाती तो न्याय पाने के लिए मजबूरन हमे हाईकोर्ट जाना पड़ेगा।

कार्यालय ग्राम पंचायत गुडरू

जनपद पंचायत बालाघाट(म.प्र.)

क्रमांक / 20 / ग्रा. प./2026 दिनांक 08/04/2026

निविदा

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि गाम पंचायत गुडरू में निर्माण कार्यों हेतु 5वॉ, 15 वित्त मद पंचायत निधि, गौण खनिज मद मुद्राक शुल्क, सांसद निधि, विधायक निधी व अन्य मदो से प्राप्त राशी से पक्के निर्माण कार्य में उपयोग होने वाली सामग्री लोहा, सीमेंट, रेत, गिट्टी, ईट, मिक्सर मशीन वाईब्रेटर सेट्रिंगं सामग्री नल-जल सामग्री, पाईप वाल्व, साकेट, नट, बोल्ट, वायर इत्यादी उपयोगी सामग्री पाईप बान्व, साकेट, सामग्री वितीय वर्ष 2026-2027 के लिये क्रय की जानी है। इस हेतु ईच्छुक विक्रेता 08-04-2026 से 12-04-2026 तक ग्राम पंचायत भवन गुडरू में कार्यालयीन समय पर मुहरबन्द निविदा जमा करा सकता है।

नियत तिथी पश्चात प्राप्त निविदा मान्य नहीं होगी, निविदा के संबंध में अन्तिम निर्णय ग्राम पंचायत गुडरू का ही होगा।

श्रीमती देवेश्वरी बघेले, सरपंच
चन्द्रकान्ता दमाहे, उपसरपंच
संजय कुमार शेंडे, सचिव
मनीष भान्डेकर- सहसचिव
एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत गुडरू जिला बालाघाट

नाम सुधार सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं सुशील सिंहासने पिता श्री मनोहर लाल सिंहासने उम्र 41 वर्ष वार्ड न. 28 स्नेह नगर बालाघाट तह.व जिला बालाघाट(म.प्र.) का निवासी हूं।

मेरे पूर्व में शैक्षणिक दस्तावेज एवं अन्य दस्तावेजों मे मेरा नाम सुशील कुमार सिंहासने (SUSHIL KUMAR SIHASANE) अंकित था। मेरे आधार कार्ड एवं पासपोर्ट में मेरा नाम सुशील सिंहासने (SUSHIL SIHASANE) दर्ज है जो को सही है।

अत: मेरे समस्त दस्तावेजों मे मेरा नाम सुशील सिंहासने (SUSHIL SIHASANE) किया जावें एवं मुझे सुशील सिंहासने के नाम से ही जाना पहचाना व पढ़ा जावें।

नाम- सुशील सिंहासने (SUSHIL SIHASANE)
पिता- मनोहर लाल सिंहासने
पता- वार्ड न. 28 स्नेह नगर बालाघाट(म.प्र.)

बालाघाट में अवैध रेत परिवहन पर कार्रवाई, ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन तथा उपसंचालक खनिज सुश्री फरहत जहॉ के नेतृत्व में जिले में अवैध रेत खनन व परिवहन पर निरंतर व सख्ती से कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। इसी कडी में 07 अप्रैल को खनिज विभाग एवं कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा भटेरा में एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को बिना नंबर प्लेट के अवैध रूप से रेत का परिवहन करते हुए पकड़ा गया। सुश्री फरहत जहॉ ने बताया कि संयुक्त दल द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए वाहन को जब्त कर कलेक्टर कार्यालय (खनिज शाखा) बालाघाट परिसर में सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया है। प्रारंभिक जांच में यह पाया गया कि संबंधित वाहन द्वारा किया जा रहा रेत परिवहन मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के नियम 3 का उल्लंघन है। इस संबंध में प्रकरण दर्ज कर लिया गया है और नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन एवं परिवहन के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

आवश्यकता है

बालाघाट ऑफिस हेतु कम्प्यूटर में मेल, चैटजीपीटी आदि की जानकारी वाले ही जिनकी उम्र 28 से 35 वर्ष तक हो ।

मो. 9479309233

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
बुधवार 08 अप्रैल 2026

बालाघाट सिटी न्यूज़

3

पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

जिला अस्पताल में मृत अज्ञात बुजुर्ग का हुआ अंतिम संस्कार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला अस्पताल में सात दिनों तक जीवन और मृत्यु के बीच जूझते उस अज्ञात बुजुर्ग की कहानी आखिरकार एक खामोश अंत तक पहुंच गई। 27 मार्च को हनुमान चौक पर गंभीर अवस्था में मिले इस बुजुर्ग को 108 एंबुलेंस के जरिए अस्पताल लाया गया था। उस वक्त शायद उम्मीद रही होगी कि कोई अपना आएगा, कोई पहचान करेगा, कोई हाथ थामेगा,लेकिन सात दिनों तक इंतजार सिर्फ इंतजार ही बनकर रह गया।

4 अप्रैल की सुबह अंतिम सांस ली थी

जिला अस्पताल में 4 अप्रैल को सुबह 9:30 बजे अज्ञात बुजुर्ग की मृत्यु के बाद भी उनका इंतजार खत्म नहीं हुआ। जिला अस्पताल पुलिस ने पूरी कोशिश की कि उनके परिजन मिल जाएं। आसपास के थानों और गांवों में सूचना भेजी गई, लेकिन 7 अप्रैल तक कोई भी उन्हें अपना कहने नहीं आया।आखिरकार, जिला अस्पताल पुलिस चौकी के प्रधान आरक्षक महेंद्र मर्सकोले और आरक्षक विक्रम शर्मा ने मानवता का परिचय देते हुए उनके अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी उठाई। नगर पालिका के सहयोग से बैनगंगा नदी किनारे स्थित मोक्ष धाम में उस अज्ञात बुजुर्ग को पूरे सम्मान के साथ विदाई दी गई।यह सिर्फ एक शव का अंतिम संस्कार नहीं था, यह उस इंसान की विदाई थी, जिसकी जिंदगी की आखिरी कहानी गुमनाम रह गई।ज्ञात होगी पिछले सप्ताह ही दो अज्ञात बुजुर्गों की जिला अस्पताल में मृत्यु होने के बाद जिला अस्पताल पुलिस ने नगर पालिका के सहयोग उनका अंतिम संस्कार से करवाये है।

एक व्यक्ति ने मजदूरी करने नागपुर नहीं चलने पर पत्नी से की मारपीट- पति के विरुद्ध अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी के चरित्र पर शक करते हुए मजदूरी करने साथ में नागपुर नहीं चलने पर मारपीट कर घायल कर दिया। शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना की शिकार हुई इस 24 वर्षीय महिला द्वारा लगाए गए आरोप और की गई रिपोर्ट पर बिरसा पुलिस ने महिला के पति सेवन पिता नैनसिंह मरावी 24 वर्ष ग्राम बंधन खैरो निवासी के विरुद्ध मामला कायम कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रजनी मेरावी ग्राम बंधन खैरो निवासी खेती किसानी का काम करती है।2020 में रजनी की शादी सेवन मरावी के साथ दोनों की पसंद से हुई थी। जिनके वैवाहिक जीवन से एक बेटा 5 साल का है।रजनी अपने परिवार के साथ सास ससुर से अलग एक ही मकान में रहते हैं। रजनी का पति मजदूरी करने के लिए नागपुर जाता है और बीच में समय-समय पर घर आते जाते रहता है।। रजनी ने आरोप लगाई है कि जब भी पति सेवन घर आते है और शराब पीकर उसके चरित्र पर शक करते उसे अपशब्दों का प्रयोग कर मारपीट करते रहते है। लेकिन उसने ने बेटा छोटा होने और पति में सुधार आने की सोच के कारण रिपोर्ट नहीं की थी। किंतु पति सेवन में कोई सुधार नहीं आया और वह उसे शारीरिक और मानसिक रूप से परेशान करते रहता था। 2 अप्रैल को पति सेवन नागपुर से घर आए और उसे नागपुर साथ चलने के लिए बोले, किंतु उसने ने बेटा पढ़ाई करने के कारण नागपुर चलने मना कर दी थी। तब पति सेवन ने उसे खींचते हुए खेत में ले जाकर बेरहमी से मारपीट किया। बीच बचाव उसकी सास सनियारो बाई ने की। मारपीट करने के बाद सेवन ने फोन करके भाई और बहन को बुलाया और उनके साथ मायके चली जाने कहा, अन्यथा जान से खत्म करने की धमकी दे दी।बिरसा पुलिस ने इस मामले में रजनी पति सेवन मरावी 24 वर्ष ग्राम बंधनखैरो निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति सेवन पिता नैनसिह मरावी के विरुद्ध धारा 85,115 (2),351(3) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

अब फोकट में कचरा उठाने घर-घर नहीं आएगी गाड़ी, लगेगा शुल्क

कचरा उठाने का शुल्क वसूलेंगी नगरपालिका, नागरिकों पर पड़ेगा आर्थिक भार, घरों से 50 रु, तो प्रतिष्ठानों से 100 रु प्रतिमाह का लगेगा कचरा टैक्स, नपा अधिकारी ने की पुष्टि, 2021 के नियम का दिया हवाला, जहा तक कचरा गाड़ी नही जाती, उनका क्या?

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

समय बदला ,नियम बदले और साल भी बदल गया, लेकिन नगरपालिका के हालात अब तक नहीं बदले।शायद यही वजह है कि पिछले वर्षो की तरह इस वर्ष भी नपा का वित्तीय प्रबंधन लड़खड़ा गया है।प्रतिमाह खर्च की तुलना में पर्याप्त आमदनी न होने के चलते नगर पालिका क्षेत्र के विकास कार्य अटके पड़े हैं वहीं खर्च लगातार बढ़ता जा रहा है। इन सभी अटकलों से निजात पाने के लिए अब नगर पालिका ने नागरिकों पर नया कर(नया टैक्स) लगाने का प्लान तैयार किया है।जो घर घर कचरा उठाने के नाम पर प्रतिमाह वसूला जाएगा।बहरहाल यह टैक्स बालाघाट नगर में लागू हो पाएगा या नहीं, या फिर जनता नए टैक्स का विरोध करने सड़कों पर उतरेगी या नहीं। यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा। लेकिन इस टैक्स के लागू होने से नगरवासियों पर अतिरिक्त भार जरूर पड़ने वाला है।अब देखना यह दिलचस्प रहेगा कि नगरपालिका इस व्यवस्था को कितनी प्रभावी ढंग से लागू कर पाती है और जनता की नाराजगी को कैसे संभालती है।

तरह तरह के टैक्स से ,पहले ही परेशान है नागरिक, अब थोपा जा रहा एक और टैक्स

सम्पत्ति कर, जल कर, सफाई कर,प्रकाश कर, शिक्षा कर,के अलावा ऊपर से उपकर व अन्य बकाया टैक्स पर, आम लोगो को बात बात पर नोटिस थमाने वाली नगरपालिका अब घर घर गाड़ी भेजकर कचरा लेने के नाम पर भी टैक्स वसूल करेगी।जिसकी तैयारी इन दिनों नगर पालिका ने जोरो शोरो से चल रही है।प्राप्त जानकारी के अनुसार गाड़ी भेजकर कचरा लेने के नाम पर अब नगर पालिका प्रत्येक घर से 50 रु तो वही प्रत्येक प्रतिष्ठानों से 100 रु तक का शुल्क प्रतिमाह वसूल करने की तैयारी में है।जिसकी पुष्टि स्वयं मुख्य नगरपालिका अधिकारी द्वारा की गई है।एक जानकारी के अनुसार वर्ष 2026 जनवरी माह से इस टैक्स को वसूल किया जाएगा। आपको बताएं कि बालाघाट के आम नागरिक, नगर पालिका द्वारा लगाए जाने वाले तरह-तरह के टैक्स से, पहले से ही काफी परेशान है। अब नागरिकों पर एक और टैक्स थोपा जा रहा है।मतलब साफ है कि आने वाले समय में सालाना टैक्स जमा करने,जब लोग नगर पालिका पहुंचेंगे तो उन्हें कचरा उठाने के नाम पर अतिरिक्त शुल्क देना पड़ सकता है। यानी कि महंगाई के इस दौर में लोगो को अब अन्य लगने वाले टैक्सो के अलावा कचरा के नाम पर,अतिरिक्त अधिक राशि जमा करनी पड़ेगी।

नि:शुल्क सेवा पर लगेगा ब्रेक

शहर में अब तक फोकट में मिलने वाली डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण सेवा पर ब्रेक लग सकता है।क्यो की नगरपालिका ने कचरा उठाने के लिए मासिक शुल्क लागू करने का निर्णय लिया है, जिससे आम नागरिकों की जेब पर अतिरिक्त भार पड़ेगा। नई व्यवस्था के तहत अब प्रत्येक घर से 50 रुपये प्रतिमाह और व्यापारिक प्रतिष्ठानों से 100 रुपये प्रतिमाह कचरा शुल्क वसूला जाएगा।नगरपालिका अधिकारियों का कहना है कि इस शुल्क वसूली से कचरा प्रबंधन व्यवस्था में सुधार किया जाएगा। नियमित कचरा उठाव, बेहतर सफाई और संसाधनों में वृद्धि का दावा किया जा रहा है।हालांकि इस नए निर्णय को लेकर शहर में विरोध की स्थिति बन सकती है।लेकिन नपा द्वारा इसे पूर्व में बनाए गए नियम के तहत ही वसूले जाने की बात कही जा रही है।

2021 में बनाए गए नियम का दिया जा रहा हवाला

नगरपालिका अधिकारियों का कहना है कि यह निर्णय शासन के वर्ष 2021 के नियमों के तहत लिया गया है, जिसमें शहरी निकायों को कचरा प्रबंधन के लिए उपयोगकर्ता शुल्क लेने का प्रावधान किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, कचरा संग्रहण, परिवहन और निस्तारण में आने वाले खर्च को देखते हुए यह कदम जरूरी हो गया है।जिसे जल्द ही नगरी क्षेत्र में लागू किया जाएगा।

नागरिकों पर बढ़ेगा आर्थिक बोझ

महंगाई के दौर में इस नए शुल्क से आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव पड़ेगा। पहले जहां लोग बिना किसी शुल्क के कचरा गाड़ी की सुविधा का लाभ ले रहे थे, अब उन्हें हर महीने भुगतान करना होगा।या साल भर के टैक्स में इस टैक्स को भी जोड़ दिया जाएगा।खासतौर पर मध्यम और निम्न वर्ग के परिवारों में इस निर्णय को लेकर असंतोष देखा जा सकता है।

इस टैक्स से व्यापारी भी हो सकते है नाराज

व्यापारिक प्रतिष्ठानों से 100 रुपये प्रतिमाह वसूले जाने के निर्णय से व्यापारियों में भी नाराजगी देखी जा सकती है।क्यो की एक व्यापारी को, घर से कचरा उठाने के 50 रु प्रतिमाह, तो वही दुकान से कचरा उठाने के 100 रु देने होंगे, प्रतिमाह उसे 150 रु का अतिरिक्त टैक्स लगेगा।वही यदि वह सालाना टैक्स जमा करता है तो 150 रु प्रतिमाह के हिसाब से उसे अब तक लगने वाले सालाना टैक्स के अलावा 1800 रु अतिरिक्त सालाना टैक्स भरना पड़ेगा।वही आम नागरिकों को 50 रु महीना के हिसाब से सलाना 600 रु का अतिरिक्त भार पड़ेगा।ज्ञात हो कि चाहे वो आम नागरिक हो,या वो व्यापारी हो,सभी लोग पहले से ही टैक्स और अन्य खर्चों के बोझ से दबे पड़े है, ऐसे में यह नया शुल्क दोनो की परेशानी बढ़ा सकता है।

शेष पेज नं. ०२ में...

शिक्षक स्वाभिमान रैली आज, संयुक्त मोर्चा का धरना-प्रदर्शन

मंत्री के आश्वासन के बाद भी अड़े शिक्षक, टीईटी निरस्त करने सहित कई मांगें

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पात्रता परीक्षा को लेकर जारी विवाद के बीच 8 अप्रैल को अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा द्वारा जिले में शिक्षक स्वाभिमान रैली निकाली जा रही हैं । प्रदेश स्तर पर लिए गए निर्णय के तहत बालाघाट सहित मध्य प्रदेश के सभी जिलों में धरना, रैली और ज्ञापन कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। पात्रता परीक्षा को लेकर मंत्री उदयप्रताप सिंह के बयान के बाद भी शिक्षक वर्ग अपने विरोध पर अड़ा हुआ है। मंत्री ने स्पष्ट किया था कि सरकार न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर करेगी और शिक्षकों को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन शिक्षक संगठनों का कहना है कि जब तक सरकार न्यायालय में याचिका दाखिल नहीं करती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

इसी क्रम में 8 अप्रैल को प्रदेशभर में शिक्षक वर्ग ने प्रदर्शन का मोर्चा खोल दिया है। बालाघाट जिले में भी अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के बैनर तले दोपहर 12 बजे मुलना स्टेडियम के सामने जिलास्तरीय धरना दिया जा रहा हैं । इसके बाद शिक्षक स्वाभिमान रैली निकालते हुए शाम 4 बजे कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री मोहन यादव के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। इस संबंध में संयोजक आशीष बिसेन एवं सदस्य हेमंत ठाकरे ने जानकारी देते हुए बताया कि 3 अप्रैल को मोती तालाब गार्डन में आयोजित बैठक में जिले के विभिन्न शिक्षक संगठनों के पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में

आजाद अध्यापक शिक्षक संघ, शासकीय शिक्षक संघ, प्रांतीय शिक्षक संघ, राज्य शिक्षक संघ, एनएमओपीएस संघ, खेलकूद शिक्षक संघ, ट्राइबल वेलफेयर एसोसिएशन, मध्यप्रदेश शिक्षक संघ, शिक्षक कांग्रेस संघ सहित अन्य संगठनों ने संयुक्त रूप से आंदोलन की रणनीति बनाई थी । बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सभी संगठनों के जिलाध्यक्ष संयुक्त मोर्चा के संयोजक के रूप में कार्य करेंगे और चरणबद्ध आंदोलन चलाया जाएगा। इसके तहत 8 अप्रैल को जिला स्तर पर धरना-प्रदर्शन, 11 अप्रैल को ब्लॉक स्तर पर धरना कार्यक्रम तथा 18 अप्रैल को भोपाल में प्रदेश स्तरीय व्यापक धरना और रैली आयोजित की जाएगी।

ये हैं प्रमुख मांगें

शिक्षक संगठनों ने टीईटी (पात्रता परीक्षा) को निरस्त करने और नवीन शिक्षक संवर्ग की सेवा अवधि की गणना प्रथम नियुक्ति तिथि से किए जाने की प्रमुख मांग उठाई है। संयुक्त मोर्चा ने जिले के सभी शिक्षक एवं कर्मचारियों से अपील की है कि वे एक दिन का अवकाश लेकर अधिक से अधिक संख्या में धरना-प्रदर्शन में शामिल हों और अपनी मांगों के समर्थन में एकजुटता दिखाएं। फिलहाल, शिक्षक संगठनों के आंदोलन और सरकार के आश्वासन के बीच टकराव की स्थिति बनी हुई है। अब सभी की नजर इस बात पर टिकी है कि सरकार कब तक न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर करती है और इस विवाद का समाधान कैसे निकलता है।

युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष का बालाघाट में पहला दौरा, संगठन को दी नसीहत

देरी से पहुंचे यश घनघोरिया, बोले काम करने वालों को ही मिलेगी जिम्मेदारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष यश घनघोरिया का मंगलवार को बालाघाट में प्रथम आगमन हुआ। प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद यह उनका जिले का पहला दौरा था। जिले में प्रवेश करते ही युवा कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। स्थानीय बस स्टैंड पर युवा कांग्रेस के नेतृत्व में युवाओं ने फूल-माला पहनाकर स्वागत किया। बालाघाट पहुंचने पर यश घनघोरिया जिला स्तरीय कार्यकारिणी, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से संवाद करने पहुंचे। हालांकि कार्यक्रम में अपेक्षित भीड़ नहीं दिखी और कई कुर्सियां खाली नजर आईं। इसे लेकर उन्होंने स्वयं स्वीकार किया कि उनके निर्धारित समय से देर से पहुंचने के कारण कई कार्यकर्ता लौट चुके थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि युवाओं को एकजुट होकर कांग्रेस को मजबूत करना होगा और अपने नेता राहुल गांधी के हाथों को मजबूत करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान में भाजपा सरकार वोट चोरी कर सत्ता में आती है, जिसे रोकने के लिए युवाओं को आगे आना होगा। संगठनात्मक स्थिति पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि बालाघाट में युवा कांग्रेस की कार्यकारिणी अधूरी है।

जहां 17 सदस्यों की टीम होनी चाहिए, वहां केवल 6 लोग ही सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं और कई पद खाली पड़े हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जो कार्यकर्ता संगठन के लिए सक्रिय रूप से काम करेंगे, उन्हें ही जिम्मेदारी दी जाएगी। लंबे समय से पद पर बैठे निष्क्रिय पदाधिकारियों को हटाने की भी चेतावनी दी। उन्होंने गुटबाजी पर भी चिंता जताई और कहा कि चुनाव के दौरान मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन चुनाव के बाद सभी को एकजुट होकर संगठन के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे संगठन की गतिविधियों और सरकार के खिलाफ आंदोलनों की जानकारी नियमित रूप से उच्च स्तर तक पहुंचाएं, ताकि सक्रिय कार्यकर्ताओं की पहचान हो सके। कार्यक्रम में कम उपस्थिति को लेकर यह भी सामने आया कि हाल ही में हुए यूथ कांग्रेस के चुनावों के कारण संगठन में गुटबाजी बनी हुई है, जिसके चलते कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता कार्यक्रम से दूर रहे। हालांकि स्थानीय पदाधिकारियों ने कम भीड़ का कारण कार्यक्रम में देरी को बताया। कार्यक्रम को शहर कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष श्याम पंजवानी सहित कांग्रेस के विभिन्न संगठन के पदाधिकारियों ने संबोधित किया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि यश घनघोरिया के साथ श्याम पंजवानी, आशुतोष डहरवाल, पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष अनिल सोनी, राजा नागपुरे, कुणाल देशमुख, मिथुन गजभिये, सुरेश पांजरे, शिवप्रसाद मस्करे, मुकेश बागरेश, शहबाज खान, सचिन गायकवाड़, मचेंद सौलखे, प्रियंका वारके, शिवानी नागपुरे, आकाश, सुधीर, लक्ष्मीपति पांडेय, कैलाश, प्रणाली, रोहन, सचिन सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गौवंश तस्करी पर किरनापुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

दो महिलाएं सहित पांच आरोपी गिरफ्तार, पांच गाय कत्ल खाना जाने से बचे

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में गोवंश तस्करी के खिलाफ किरनापुर पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए दो महिलाओं सहित पांच आरोपियों को गौ वंश की तस्करी करते गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से पांच नग गायों को मुक्त कराकर उन्हें महाराष्ट्र के कत्लखाने ले जाए जाने से बचा लिया। किरनापुर पुलिस के मुताबिक 6 अप्रैल को सुबह लगभग 11:00 बजे सूचना मिली कि ग्राम पारडी एवं सेवती के बीच नहर के रास्ते कुछ लोग मवेशियों को क्रूरता पूर्वक मारते-पीटते हुए महाराष्ट्र की ओर ले जा रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नहर रास्ते से सेवती, कोंकना, कड़कना पहुंचे और घेराबंदी की। घेराबंदी के दौरान पुलिस टीम ने मौके पर दो महिलाओं और तीन पुरुषों को पांच गायों के साथ पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम बिसन पिता गुलाब मड़ावी, माया पति बिसन मड़ावी ग्राम बाजारटोला काटी जिला गोंदिया (महाराष्ट्र) निवासी, ज्ञानसिंह पिता मुरारी धुर्वे, चोखाबाई पति ज्ञानसिंह धुर्वे ग्राम बगदेही थाना लांजी निवासी तथा रहमान पिता नेहरू धुर्वे रेलवे स्टेशन के पास ग्राम काटी जिला गोंदिया महाराष्ट्र निवासी बताए। आरोपियों से मवेशियों के संबंध में वैध दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वे किसी प्रकार की खरीदी-बिक्री रसीद या अनुमति पत्र प्रस्तुत नहीं कर सके। जांच में पाया गया कि सभी आरोपी इन गायों को क्रूरता पूर्वक हांकते हुए महाराष्ट्र राज्य के कत्लखाने ले जा रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बरामद पांच गायों की अनुमानित कीमत 25 हजार रुपये बताई है। सभी आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश गोवंश प्रतिषेध अधिनियम 2004 की धारा 4, 6, 9 तथा पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11 के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है।

बैहर नगर शोक में डूबा-खेमेश्वर ब्रम्हे जी को अश्रुपूर्ण अंतिम विदाई

पद्मेश न्यूज। बैहर। नगर के सम्मानित एवं सरल स्वभाव के धनी श्री खेमेश्वर ब्रम्हे जी के निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त हो गई। वे पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे और जिला चिकित्सालय बूढ़ी में उपचाररत थे। जहां 5 अप्रैल 2026 को दोपहर 12:30 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली।उनके निधन का समाचार मिलते ही नगर में गहरा दुख छा गया। शाम होते-होते उनके निवास वार्ड क्रमांक 5 नरसिंह टोला में पड़ोसियों, मित्रों और शुभचिंतकों का तांता लग गया। हर कोई नम आंखों से उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचा और परिवार को सांत्वना दी।श्री ब्रम्हे जी का जीवन संघर्ष, सादगी और कर्तव्यनिष्ठा का प्रेरणादायक उदाहरण रहा। बैहर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय से 11वीं की शिक्षा पूर्ण करने के बाद उन्होंने परसवाड़ा से बैहर उप डाकघर में अपनी सेवा प्रारंभ की, जहां उन्हें मात्र 60 रुपये मासिक वेतन मिलता था। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपनी जिम्मेदारियों से कभी मुंह नहीं मोड़ा। ड्यूटी के बाद वे समाचार पत्र वितरण का कार्य भी करते थे। ताकि अपने तीनों बच्चों की शिक्षा पूरी कर सकें।अपनी मेहनत और लगन के बल पर उन्होंने अपने परिवार को सशक्त बनाया और अंततः बिरसा उप डाकघर से सेवा निवृत्त हुए। उनके दोनों पुत्र दिनेश ब्रम्हे और सुनील ब्रम्हे आज पत्रकारिता जगत से जुड़े हुए हैं।जो उनके संस्कारों और मेहनत का ही परिणाम है।76 वर्ष की आयु में भी श्री ब्रम्हे जी का स्वभाव अत्यंत सरल, मिलनसार और सदैव प्रसन्न रहने वाला था। वे हर किसी के सुख-दुख में साथ खड़े रहते थे।यही कारण है कि उनके निधन से हर वर्ग के लोगों में शोक देखा गया। 6 अप्रैल 2026 को उनकी अंतिम यात्रा में हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए। हर किसी ने उन्हें कंधा देकर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मोक्ष धाम में उनके पुत्रों दिनेश ब्रम्हे और सुनील ब्रम्हे ने अश्रुपूर्ण नेत्रों से अपने पिता को मुखाग्नि दी और अंतिम विदाई दी। इस अवसर पर आयोजित शोक सभा में उपस्थित जनसमुदाय ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें एवं शोकाकुल परिवार को इस अपार दु:ख को सहने की शक्ति दें।श्री खेमेश्वर ब्रम्हे जी भले ही आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके द्वारा दिए गए संस्कार, उनका स्नेह और उनका सादगीपूर्ण जीवन सदैव हम सभी के लिए प्रेरणा बना रहेगा।

अस्पताल में मिशन लाईफ के अन्तर्गत जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशों के परिपालन में शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा में 7 फरवरी को मिशन लाईफ के अन्तर्गत

विद्यार्थियो एवं स्टाफ में व्यापक जागरूकता के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सुमन बरवा मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम के संयोजक डॉ. प्रदीप कुमार भिमटे के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस अवसर पर डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम ने विद्यार्थियों को ऊर्जा संरक्षण के प्रयासों पर बल दिया तथा ऊर्जा की बचत के लिए प्रेरित किया। वहीं कार्यक्रम के संयोजक डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे ने हेल्दी लाइफ स्टाइल के लिए प्राणायाम, योग तथा तनाव मुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित किया। जिससे की विद्यार्थियों को भाग दौड़ भरी जिन्दगी में कुशल कर्म करने एवं अकुशल कर्म से दूर रहने के लिए प्रेरित किया एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता के लिए सामुहिक जिम्मेदारी पर बल दिया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सुमन बरवा ने इस कार्यशाला विद्यार्थियों को महाविद्यालय परिसर में सिंगल यूस प्लास्टिक की बोतले कप और रेपर के उपयोग को प्रयोग न करने के लिए प्रेरित किया एवं लाइफ मिशन के उद्देश्यों के अनुरूप कार्य करने पर बल दिया। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. कामाक्षा बिसेन एवं आभार प्रदर्शन डॉ. देवराज चौरे के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. सुरेन्द्र कुमार खण्डायत, डॉ. संगीता मेश्राम, नरेश सौलखे, श्रीमती संध्या भलावे, श्रीमती भूमेश्वरी मानेश्वर, मनीष शिवहरे, डॉ. आशा कारे, श्रीमती अनिभा शरणागत, डॉ. आरती विश्वकर्मा, व्यकंट नगपुरे, पीतम मुरते, लकेश गेडाम, रामदयाल मथारे, श्रीमती वंदना कुर्वे, श्रीमती सरिता एड़े, प्रसिक हुमनेकर, सोनम हरिनखेडे, मिनेश पंचेश्वर, निशांत तलवरे एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

गैस किल्लत ने बढ़ाई जलाऊ लकड़ी की मांग, डिपो में स्टॉक खत्म, वितरण प्रणाली पर उठे सवाल

क्षेत्र में एलपीजी संकट के चलते चूल्हों की ओर लौटे लोग, समग्र आईडी से लकड़ी बांटने की मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

क्षेत्र में पिछले कई दिनों से एलपीजी गैस की भारी किल्लत बनी हुई है। महीनों के लंबे इंतजार के बाद भी उपभोक्ताओं को रसोई गैस उपलब्ध नहीं हो पा रही है। इस विकट स्थिति ने आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है, जिसके चलते लोग अब एक बार फिर अपने पुराने परिवेश यानि मिट्टी के चूल्हे पर खाना बनाने को मजबूर हो गये हैं। चूल्हे जलाने की इस मजबूरी ने बाजार में जलाऊ लकड़ी की मांग को आसमान पर पहुंचा दिया है। वहीं गैस की किल्लत की चलते अब क्षेत्रीयजन लकड़ी पर निर्भर हो गये है और वर्तमान में वैवाहिक सहित अन्य कार्यक्रम संपन्न हो रहे है जिसके लिए जलाऊ लकड़ी की अति आवश्यक है। लालबर्रा वन विभाग के डिपो में गत दिवस से एक ट्रक जलाऊ लकड़ी एक दिन में आता है वह कुछ देर में ही खत्म हो जाता है क्योंकि आधार कार्ड के आधार पर लकड़ी के चट्ठों का वितरण किया जा रहा है। ऐसी स्थिति में एक ही परिवार में 5 से 7 सदस्य है और वे बदल-बदलकर आते है जिससे उन्ही परिवार में अधिकांश लकड़ी उन्हे मिल जाता है और शेष लोगों को नही मिल पा रहा है। इस तरह से डिपो में पर्याप्त जलाऊ लकड़ी नही होने से क्षेत्रीयजनों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और जलाऊ लकड़ी के चट्ठे वितरण पर भी सवाल उठ रहे है। क्षेत्रीयजनों ने वन विभाग के जिम्मेदारों को राशन कार्ड एवं समग्र आईटी के आधार पर परिवार के एक व्यक्ति को चट्ठे वितरण करने की मांग की है ताकि सभी को जलाऊ लकड़ी के चट्ठे मिल सके।

डिपो में उमड़ी भीड़, कुछ ही घंटों में स्टॉक साफ

दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा के द्वारा क्षेत्रीय लोगों की सुविधा के लिए डिपो में जलाऊ लकड़ी उपलब्ध कराई जा रही है। लेकिन मांग इतनी अधिक है कि डिपो में आने वाली लकड़ियां महज कुछ ही घंटों में समाप्त हो रही हैं। सुबह से ही लोग डिपो के बाहर कतारों में खड़े नजर आते हैं। गैस सिलेंडर न मिलने की हताशा अब लकड़ी प्राप्त करने की आपाधापी में बदल गई है। डिपों में गत 4 अप्रैल से रोज एक ट्रक जलाऊ लकड़ी के चट्ठे आ रहे है लेकिन कुछ ही घंटों में खत्म हो जा रहा है। जिसके कारण कई लोगों को बिना लकड़ी के चट्ठे लिये बैरंग वापस होना पड़ रहा है। साथ ही बाजार क्षेत्र से महंगे दामों में जलाऊ लकड़ी लेने मजबूर है जिन पर आर्थिक बोझ भी बढ़ रहा है।

आधार कार्ड आधारित वितरण पर आपत्ति

लकड़ी वितरण की वर्तमान प्रक्रिया को लेकर स्थानीय निवासियों ने कड़ा विरोध दर्ज करवाया है। वर्तमान में वन विभाग आधार कार्ड को पहचान का आधार मानकर लकड़ी का वितरण कर रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि एक ही बड़े परिवार में कई सदस्य होते हैं और सबके पास अलग-अलग आधार कार्ड हैं। ऐसे में एक ही परिवार के लोग अलग-अलग कार्ड दिखाकर भारी मात्रा में लकड़ी ले जा रहे हैं। गैस सिलेंडर की किल्लत के चलते जलाऊ लकड़ी डिपों में पहुंचते ही जल्दी खत्म हो जाता है और जरूरतमंद परिवारों को खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने वन विभाग और प्रशासन से मांग की है कि लकड़ी का वितरण आधार कार्ड के बजाय परिवार समग्र आईडी के आधार पर किया जाना चाहिए। अगर समग्र आईडी के आधार पर वितरण होता है, तो एक परिवार को एक ही बार लकड़ी मिल पायेगी। इससे कालाबाजारी और स्टॉक की बर्बादी रूकेगी और क्षेत्र के हर घर तक जलाऊ लकड़ी पहुंच पायेगी।

एक राशन कार्ड पर एक बार ही दी जाये लकड़ी - मनोहर

मनोहर परासिया ने बताया कि डिपो में एक राशन कार्ड पर उसके जितने सदस्य हैं उनके आधार कार्ड के अनुसार लकड़ी का वितरण किया जा रहा है। जिससे एक ही परिवार में बड़ी संख्या में जलाऊ लकड़ी के चट्ठों का वितरण हो रहा है जिसे जो जरूरतमंद है उन्हें लकड़ी उपलब्ध नहीं हो पा रही है। हमारी मांग है कि एक राशन कार्ड पर एक ही बार लकड़ी का वितरण किया जाना चाहिए जिससे सभी लोगों को उनकी आवश्यकता के अनुसार लकड़ी उपलब्ध हो पायेगी।

पर्याप्त मात्रा में लकड़ी के चट्ठे नही आ रहे है - नोहर

डिपो के सुरक्षाकर्मी नोहरलाल यादव ने बताया कि विगत एक सप्ताह से लकड़ी डिपो में पहुंच रही है और सभी को लकड़ी का वितरण नियमानुसार किया जा रहा है। लेकिन कम जलाऊ लकड़ी के चट्ठे आने के कारण सभी को वितरण नही कर पा रहे है और कुछ ही घंटों में लकड़ी खत्म हो जाती है जिसकी जानकारी उच्चाधिकारियों को दे दी गई है।

इनका कहना है-

जलाऊ लकडी की मांग बढ़ गई है और वितरण भी किया जा रहा है। साथ ही अधिक मात्रा में जलाऊ लकड़ी के चट्ठे की मांग पत्र उच्चाधिकारियों को भेजे है। उपलब्ध होते ही अब समग्र आईडी के आधार पर जलाऊ लकड़ी के चट्ठों का वितरण करने के निर्देश दिये गये है ताकि सभी परिवार को लकड़ी मिल सके।

श्रीमती सीता भलावी
रेंजर
दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा।

लालबर्रा से अमोली-समनापुर मार्ग के दोनों ओर बनेगी पक्की नाली, विधायक अनुभा मुंजारे ने दी सौगात

जनप्रतिनिधियों और ठेकेदार ने किया स्थल निरीक्षण, जल्द शुरू होगा निर्माण कार्य, रहवासियों में हर्ष व्याप्त

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के बस स्टैंड से अमोली-समनापुर तक बन रही नवीन सड़क के साथ अब जल निकासी की समस्या का भी स्थायी समाधान होने जा रहा है। समनापुर मार्ग के रहवासी एवं क्षेत्रीयजनों की लंबे समय से की जा रही मांग को देखते हुए बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने सड़क के दोनों ओर पक्की नाली निर्माण की सौगात दी है। मंगलवार को स्थानीय जनप्रतिनिधियों और निर्माण कंपनी के ठेकेदार ने नाली निर्माण के लिए नाप-जोख की प्रक्रिया पूरी की है। जिससे अब जल्द ही कार्य शुरू होने का रास्ता साफ हो गया है।

जल निकासी की व्यवस्था न होने से ग्रामीणों में था आक्रोश

लालबर्रा से अमोली-समनापुर पहुंच मार्ग की 600 मीटर की इस अधुरी सड़क का लगभग 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। लेकिन पानी निकासी के लिए नाली और आवश्यक स्थानों पर पुलिया का प्रावधान न होने से स्थानीय रहवासियों में भारी आक्रोश था। जलभराव की स्थिति निर्मित होने की आशंका के चलते समनापुर मार्ग के रहवासियों ने निर्माण कार्य में व्यवधान उत्पन्न किया था और शासन-प्रशासन से पक्की नाली एवं दो स्थानों पर पुलिया की मांग कर रहे थे। वहीं इस अधुरे सड़क के निर्माण कार्य में कुछ लोगों के द्वारा व्यवधान उत्पन्न कर काम बंद करवाने की शिकायत पूर्व में विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे से की गई थी। जिसके बाद विगत दिनों विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने स्वयं इस मार्ग का निरीक्षण किया था। इस दौरान अमोली और समनापुर मार्ग निर्माण में व्यवधान उत्पन्न करने वालों के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए जनहित के काम में सहयोग करने की बात कही थी। वहीं इस मार्ग पर निवासरत रहवासियों ने उन्हें वस्तुस्थिति से अवगत कराते हुए बताया कि बिना नाली के सड़क निर्माण से पानी निकासी की समस्या बनेगी जिससे निवासरत लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। विधायक ने ग्रामीणों की मांगों को गंभीरता से लेते हुए अनुपूरक बजट में सड़क के दोनों ओर पक्की नाली निर्माण की स्वीकृति प्रदान की है और पुलिया निर्माण हेतु भी आश्वास्त किया है।

स्थल का जनप्रतिनिधियों ने निरीक्षण कर नाली निर्माण के लिए मापी जगह

अनुपूरक बजट में विधायक श्रीमती मुंजारे ने लालबर्रा से अमोली-समनापुर मार्ग के दोनों साईड पक्की नाली निर्माण की सौगात दी है। जिसके बाद निर्माण कार्य शुरू होने के पहले मंगलवार को पांढरवानी सरपंच अनीस खान, अमोली उपसरपंच अफसर कुरैशी, पंच तूफान गुप्ता, निर्माण कंपनी के ठेकेदार एवं स्थानीय नागरिक स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान सभी ने मिलकर प्रस्तावित नाली निर्माण के लिए चिन्हांकन और नाप-जोख का कार्य पूर्ण किया। वहीं जल्द ही नाली का निर्माण कार्य शुरू हो जायेगा। नाली निर्माण की मांग पूरी होने से पांढरवानी, अमोली और समनापुर मार्ग के रहवासियों में हर्ष की लहर व्याप्त है। वहीं ग्रामीणों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने जनहित में त्वरित निर्णय लेने के लिए विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे का आभार व्यक्त किया है। नाली का निर्माण होने से अब इस क्षेत्र में जल निकासी की समस्या हमेशा के लिए समाप्त हो जायेगी।

नाली का निर्माण होने से पानी निकासी की समस्या हो जायेगी दुर - तूफान

पंच तूफान गुप्ता ने बताया कि लालबर्रा से अमोली तक वार्ड नंबर 19 एवं 20 सड़क के दोनों ओर पक्की नाली का निर्माण विधायक महोदया के प्रयासों से किया जा रहा है। जिनका निर्णय स्वागत योग्य है क्योंकि पानी निकासी की समस्या एक जन समस्या थी और जनहित में नाली का निर्माण किया जा रहा है जिससे पानी की निकासी सुचारू रूप से होगी। श्री गुप्ता ने बताया कि नाली का निर्माण नही होने से निवासरत लोगों में नाराजगी थी, लेकिन विधायक महोदया के द्वारा जनहित में नाली का निर्माण किया जा रहा है, अब किसी तरह का कोई विरोध नही किया जायेगा।

अनुपूरक स्टीमेट में दी गई है नाली की स्वीकृति - अनीस

पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि ग्रामीणों के द्वारा मांग की जा रही थी कि सड़क के दोनो ओर पानी निकासी के लिए नाली का निर्माण किया जाये। पांढरवानी पंचायत में नाली बनी हुई है लेकिन ग्राम पंचायत अमोली के वार्ड नंबर 19 एवं 20 में नाली नहीं बनी हुई थी। जिससे पानी निकासी की समस्या उत्पन्न हो रही थी और नाली निर्माण की मांग की गई थी। जिसके बाद विधायक श्रीमती मुंजारे के द्वारा जनहित में नाली निर्माण की अनुपूरक स्टीमेट में स्वीकृति दी गई है और जल्द ही नाली का निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया जायेगा। श्री खान ने बताया कि दोनों ही पंचायत के जनप्रतिनिधियों के द्वारा निरीक्षण किया गया है और नाली का निर्माण के लिए नाप-जोख किया गया है और पुलिया निर्माण के लिए भी प्रयास किया जा रहा है।

विद्युत, महिला एवं बाल विकास सहित अन्य शासकीय कार्यालयों का जिला पंचायत अध्यक्ष ने किया निरीक्षण

क्षेत्रीयजनों की समस्याओं का जल्द निराकरण एवं व्यवस्थाओं में सुधार करने के दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार ने मंगलवार को लालबर्रा विकासखंड के विभिन्न शासकीय कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने महिला एवं बाल विकास परियोजना कार्यालय, पशु चिकित्सालय और विद्युत विभाग के अमोली व एनआरएलएम का निरीक्षण कर जायजा लिया। इस निरीक्षण के दौरान इन चारों विभागों में अव्यवस्थाएं और खामियां उजागर हुई जिस पर उन्होने नाराजगी व्यक्त करते हुए व्यवस्था में सुधार करने एवं अन्य आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सरस्वार ने महिला एवं बाल विकास कार्यालय पहुंचकर अधिकारियों से चर्चा कर कहा कि क्षेत्र के अधिकांश आंगनवाड़ी केन्द्रों में पेयजल की व्यवस्था नही है जिससे ब%चों को परेशानी होती है, इन केन्द्रों में पेयजल की समुचित व्यवस्था करें। वहीं विद्युत विभाग के निरीक्षण के दौरान श्री सरस्वार ने ट्रांसफार्मर की उपलब्धता में कमी और किसानों से विद्युत कनेक्शन के नाम पर नियम विरूध्द अधिक राशि वसूले जाने की शिकायतों को गंभीरता से लिया और मामले की जांच करने की बात कही। महिला एवं बाल विकास और पशु चिकित्सालय के निरीक्षण में पाया गया कि महिला व बाल विकास एवं पशु चिकित्सालय के पास स्वयं का भवन न होने के कारण ये विभाग वर्तमान में किराये के कमरों में संचालित हो रहे हैं, जिससे शासकीय सामग्री के रखरखाव में काफी परेशानी आ रही है। इस निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष ने सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को कार्यप्रणाली में तत्काल सुधार लाने के निर्देश दिये और उन्होंने स्पष्ट किया कि निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों और विभागीय समस्याओं से कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ और शासन को अवगत करवाया जायेगा ताकि इन अव्यवस्थाओं को दूर कर आम जनता और किसानों को राहत प्रदान की जा सके। चर्चा में जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार ने बताया कि लालबर्रा के विभिन्न शासकीय कार्यालयों का निरीक्षण किया गया है और अधिकारियों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनकर उनकी मांगों को पूरा करने का प्रयास किया जायेगा। साथ ही कुछ आंगनवाड़ी केन्द्रें में पेयजल की समस्या बनी हुई है उसे दुर करने संबंधित विभाग को निर्देशित किया गया है। साथ ही महिला एवं बाल विकास विभाग व पशु चिकित्सालय का कार्यालय किराये के भवन में संचालित हो रहा है, जमीन उपलब्ध नही होने से भवन निर्माण नही हो पा रहा है इस समस्या से कलेक्टर महोदय को अवगत करवाया जायेगा। साथ ही बिजली विभाग की भी शिकायत मिल रही है, इसलिए बिजली कार्यालय का निरीक्षण कर अधिकारियों से चर्चा कर जो शिकायते मिल रही है उसका निराकरण करने कहा गया है।

भविष्य से भेंट कार्यक्रम में विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने विद्यार्थियों से किया संवाद

जाम में ब'चों को बांटी गई नि:शुल्क, पाठ्य पुस्तकें, लक्ष्य निर्धारित कर कड़ी मेहनत करने का दिया संदेश

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी दूर स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में गत दिनों भविष्य से भेंट कार्यक्रम का गरिमामय आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम क्षेत्रीय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के मुख्य आतिथ्य एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी वाय.आर. गजभिये में की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस दौरान विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने विद्यार्थियों के साथ सीधा संवाद किया और अपने जीवन के अनुभव साझा कर शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे कैसे अपने भविष्य को बेहतर तरीके से संवार सकते हैं। उन्होंने प्रेरक उदाहरणों के माध्यम से ब'चों को लक्ष्य निर्धारित कर कड़ी मेहनत करने का संदेश दिया। वहीं कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में विकासखंड स्त्रोत समन्वयक श्रीराम तुरकर, स्थानीय जनपद सदस्य मो. जाहिद खान, पांढरवानी सरपंच अनीस खान एवं नेपाल से आये महात्मा जी उपस्थित रहे। इन सभी अतिथियों ने भी अपने अनुभवों से विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विधायक महोदया के हाथों विद्यालय के छात्र-छात्राओं को नि:शुल्क पाठ्य पुस्तकों का वितरण किया गया। पुस्तकें व साइकिल पाकर विद्यार्थियों के चेहरे खिल उठे। संस्था के प्राचार्य आर.सी. बिसेन ने उपस्थित सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का मंच संचालन श्रीमती ममता शरणागत उ.मा.शि. के द्वारा किया गया। इस आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा। जिनमें मुख्य रूप से श्रीमती जयश्री नगपुरे, डी.पी. मानेश्वर, जितेन्द्र कुतराहे, विवेक शुक्ला, कु. हेमा भलावे, श्रीमती पुष्पलता बघेले, एस.के. खोब्रागढ़े, एस.के. शर्मा, देवेन्द्र चौरे, एल.आर. रंगारे, श्रीमती गीता गुप्ता एवं श्रीमती बिसेन, अतिथि शिक्षकों का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर विद्यार्थी एवं ग्रामीणजन व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

झालीवाड़ा क्षेत्र में चोरों का आतंक

किसान बेहाल, पुलिस की कार्यप्रणाली पर खड़े हो रहे सवाल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत झालीवाड़ा थाना रामपायली में इन दिनों किसान कुदरत की मार से ज्यादा चोरों के आतंक से परेशान हैं। क्षेत्र में सक्रिय एक अज्ञात चोर गिरोह ने किसानों की नाक में दम कर रखा है। स्थिति यह है कि खेतों से सिंचाई पंपों के केबल और मोटर चोरी होना अब एक आम बात हो गई है। जिससे किसानों को भारी आर्थिक क्षति के साथ.साथ सिंचाई अवरुद्ध होने की दोहरी मार झेलनी पड़ रही है।

एक दर्जन से अधिक वारदातें, पुलिस अब तक खाली हाथ

प्राप्त जानकारी के अनुसार झालीवाड़ा और आसपास के क्षेत्रों में अब तक एक दर्जन से अधिक किसानों के खेतों में चोरी की वारदातें हो चुकी हैं। किसानों का आरोप है कि उन्होंने बार-बार रामपायली थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है लेकिन पुलिस प्रशासन का रवैया पूरी तरह से उदासीन बना हुआ है। ग्रामीणों में इस बात को लेकर भारी आक्रोश है कि शिकायत के बावजूद अब तक किसी भी जिम्मेदार अधिकारी ने न तो मौका मुआयना किया और न ही गश्त बड़ाकर चोरों पर लगाम लगाने की कोशिश की।

लोहे के पिंजरों में कैद हुई सिंचाई की उम्मीद

पुलिस की निष्क्रियता और चोरों के बुलंद हौसलों का परिणाम यह है कि अब किसान अपने ही खेत में सामान रखने से डर रहे हैं। दहशत का आलम यह है कि किसान सुबह से शाम तक खेतों में डेरा डालकर अपनी मोटरों की पहरेदारी करने को मजबूर हैं। झालीवाड़ा से मिर्चीटोला के बीच बहने वाली नहर पर किसानों ने अपनी पानी की मोटर को बचाने के लिए लोहे के सरियों की मजबूत पिंजरा बनवाकर उसे पुलिया पर स्थाई रूप से फिट करवाया है। खेती की लागत के अलावा अब किसानों को सुरक्षा के लिए हजारों रुपये अलग से खर्च करने पड़ रहे हैं।

प्रशासन की अनदेखी से पनप रहा आक्रोश

चोर एक निश्चित अंतराल पर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं जिससे साफहै कि उन्हें कानून का कोई खौफ नहीं है। यदि समय रहते पुलिस प्रशासन ने इस ओर ध्यान नहीं दिया और गश्त नहीं बढाई तो आने वाले समय में किसान को ओर नुकसान सहन करने लिए विवश होंना पड़ेगा। वर्तमान में किसान डरे हुए हैं और खुले में मोटर या केबल छोड़ने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं। अब देखना यह होगा कि रामपायली पुलिस इस गहरी नींद से कब जागती है और किसानों को इस आतंक से कब मुक्ति दिलाती है।

पानी की मोटर का केबल और मोटर चोरी गलत है हर किसान को नुकसान होता है - प्रदीप बिसेन

ग्रामीण प्रदीप बिसेन ने बताया कि खेती किसानी में बड़ी मुश्किल से किसान ट्यूबवेल कर पानी की मोटर लगवाता है। ताकि बेहतर खेती कर अच्छी उपज प्राप्त कर सके। किंतु लोग पानी की मोटर का केबल और कुछ बार मोटर भी चोरी कर लेते हैं। चोर हमें पता नहीं है किंतु ऐसा जो हो रहा है वह बहुत गलत है और इससे हर किसान को नुकसान होता है। शासन प्रशासन को आगे आकर इस प्रकार चोरी की वारदातों को रोकना चाहिए। किसान गरीब होता है बड़ी मुश्किल से वह अपने संसाधन लगाता है और जब वह चोरी हो जाते हैं तो सबसे ज्यादा नुकसान और दुख उसे होता है। मेरे स्वयं के घर का ५०० मीटर केबल चोरी गया आर्थिक नुकसान हुआ यह तकलीफकी बात है। २ वर्ष से यह सिलसिला चल रहा है शिकायत करें है पर पुलिस प्रशासन ने आकर तक नहीं देखा है हम चाहते हैं कि पुलिस प्रशासन इस विषय पर ध्यान दें।

मिर्ची टोला में चोरी की १२ से अधिक घटना घटित हो चुकी है - सुरेश बोपचे

ग्रामीण सुरेश बोपचे ने बताया कि अभी १० दिनों से सब शांत है इसके पहले चोरी हुई थी और उसके पहले तो अनेको बार चोरी हो गई है। यह चोर बोर से मोटर निकाल कर बाहर छोड़ देते हैं और पूरा केबल चोरी कर ले जाते हैं। मिर्ची टोला में अभी तक यहां १२ से अधिक किसानों के साथ घटना घटित हो चुकी है। इसमें मेरा ३०० मीटर और मेरे भाई का २०० मीटर केबल चोरी हुआ था जिसमें हमें नुकसान हुआ। नया केबल खरीदना पड़ा ८ दिन सिंचाई बंद रही उसे दौरान फसल को भी नुकसान हुआ। ३०० मीटर केबल मुझे १२,००० का पड़ा और मेरे भाई को २०० मीटर ८,००० का इस प्रकार २०,००० रूपये का हमें नुकसान हुआ। मैंने तो शिकायत नहीं किया पर गांव के दूसरे किसानों ने पुलिस थाने में शिकायत करी हैं। किंतु पुलिस आई नहीं जबकि प्रशासन को ध्यान देना चाहिए इस प्रकार की हरकतों से किसान की आर्थिक स्थिति कमजोर होती है। उससे नुकसान होता है इस पर पुलिस को कार्यवाही करनी चाहिए।

रामपायली की श्री बालाजी गौशाला में गहराया जल संकट, प्यास से बेहाल हो रही गौमाता

समिति काट रही दफ्तरों के चक्कर, कलेक्टर से कूप खनन और नहरों में पानी छोड़ने की तत्काल मांग

पद्मेश न्यूज। रामपायली। एक दशक पूर्व जब चंदन नदी के पावन तट पर श्री बालाजी गौशाला की स्थापना हुई थी तब क्षेत्र के गौ-प्रेमियों में हर्ष की लहर थी। बड़े धूमधाम से शुरू हुई इस गौशाला का उद्देश्य बेसहारा गौवंश को सुरक्षित आश्रय और बेहतर रखरखाव प्रदान करना था। लेकिन विडंबना देखिए समय के साथ व्यवस्थाएं सुधरने के बजाय इस कदर बदतर हो गई हैं कि आज यहां की गौमाताएं पानी की एक-एक बूंद के लिए तरस रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि शुभारंभ के महज एक-दो महीने तक ही यहां की व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रहीं। उसके बाद से यह गौशाला प्रशासनिक और प्रबंधकीय उपेक्षा का केंद्र बन गई। रख-रखाव के अभाव ने इस पवित्र स्थल को गौवंश के लिए अभिशप्त बना दिया है। गौशाला समिति के सदस्य लगातार शासकीय कार्यालयों के चक्कर काट रहे हैं लेकिन हर बार उन्हें केवल आश्वासन ही मिलता है। जिससे ढाक के तीन पात वाली कहावत चरितार्थ हो रही है। गौशाला की स्थापना के समय एक कुएं का निर्माण किया गया था जो शुरुआती वर्षों में जल आपूर्ति का मुख्य स्रोत था। लेकिन अब नदी किनारे बसे गांवों का जलस्तर काफी नीचे चला गया है। भीषण गर्मी की शुरुआत में ही कुएं सूख चुके हैं या जलस्तर इतना गिर गया है कि पानी निकालना असंभव है। वर्तमान में स्थिति यह है कि चंदन नदी पूरी तरह सूख चुकी है। जिससे वन्य जीवों और पालतू पशुओं के सामने जीवन का संकट खड़ा हो गया है। जल संकट के विकराल रूप को देखते हुए गौशाला समिति ने जिला कलेक्टर और अनुविभागीय अधिकारी वारासिवनी को मांग पत्र सौंपकर कूप खनन की अनुमति और आर्थिक सहायता की गुहार लगाई है। समिति का कहना है कि यदि समय रहते कूप निर्माण नहीं हुआ तो भीषण गर्मी में गौवंश की प्यास से मृत्यु होने की खबरें भी सामने आ सकती हैं। क्षेत्रीय नागरिकों और गौ-प्रेमियों ने प्रशासन से मांग की है कि गौशाला परिसर में तत्काल कूप खनन करवाया जाए ताकि स्थाई जल स्रोत मिल सके। जब तक कूप का निर्माण नहीं होता तब तक नहरों के माध्यम से पानी छोड़ा जाए ताकि चंदन नदी के आसपास के जीव-जंतु अपनी प्यास बुझा सकें। अब देखना यह है कि प्रशासन इन मूक पशुओं की पुकार कब सुनता है या फिर गौशाला केवल कागजी दावों और आश्वासनों की भेंट चड़ती रहेगी।

मेहंदीवाड़ा में भव्य कलश यात्रा के साथ नौ दिवसीय शिव महापुराण कथा का हुआ श्रीगणेश

वृंदावन की पूज्य सौम्या देवी जी के मुखारविंद से बहेगी ज्ञान की गंगा जयकारों से गुंजायमान हुआ गांधी चौक

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत मेहंदीवाड़ा के गांधी चौक में मंगलवार को धार्मिक उत्साह और श्रद्धा के साथ नौ दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा एवं रुद्राक्ष महोत्सव का भव्य आगाज हुआ। कार्यक्रम के प्रथम दिन आयोजित कलश शोभायात्रा ने पूरे क्षेत्र को शिवमय कर दिया। मंगलवार सुबह शुभ मुहूर्त में गाजे-बाजे के साथ कलश यात्रा निकाली गई। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं सिर पर मंगल कलश धारण कर मंगल गीत गाते हुए चल रही थीं। यह शोभायात्रा डीजे पर बज रहे भक्ति गीतों की धुन पर निकाली गई। इसमें श्रद्धालुओं के जयकारों और भक्ति संगीत से पूरा वातावरण गूंज उठा। जगह-जगह ग्रामीणों द्वारा पुष्प वर्षा कर यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। यह यात्रा गांव के प्रमुख मार्गों, विभिन्न वार्डों, गलियों से होते हुए कथा स्थल गांधी चौक पहुँची जहाँ विधि-विधान से कलश स्थापित किए गए। इस नौ दिवसीय महोत्सव में श्रीधाम वृंदावन से पधारीं प्रखर कथावाचिका पूज्य सौम्या देवी अपने मुखारविंद से अमृतमयी कथा का रसपान कराएंगी। आयोजकों ने बताया कि कथा का समय प्रतिदिन शाम ७ बजे से रात्रि १० बजे तक निर्धारित किया गया है ताकि ग्रामीण और आसपास के श्रद्धालु सुलभता से धर्म लाभ ले सकें। कलश यात्रा के पश्चात अब बुधवार ८ अप्रैल से मुख्य कथा का क्रम शुरू होगा। कथा के दौरान विभिन्न प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा जिसमे ८ अप्रैल को शिव पुराण महोत्सव ज्ञान संहिता कथा प्रारंभ शिव महिमा कथा श्रवण के नियम और माता पार्वती के पूर्व जन्म की कथा। ९ अप्रैल को शिव महापुराण ज्ञान संहिता सृष्टि की उत्पत्ति ब्रह्मा विष्णु संवाद शिवलिंग प्रकट कथा। १० अप्रैल को रुद्र संहिता सती खंड सती जन्म एवं दक्ष यज्ञ सती का देहात त्याग और शिव का मिलाप की कथा। ११ अप्रैल को रुद्र संहिता पार्वती खंड पार्वती जन्म हिमालय पर तपस्या एवं शिव-पार्वती विवाह का भव्य प्रसंग। १२ अप्रैल को रुद्र संहिता पार्वती खंड / गणेश खंड गणेश-कार्तिकेय उत्पत्ति एवं भगवान गणेश के हाथी मस्तक लगने एवं अन्य अवतार का प्रसंग। १३ अप्रैल को रुद्र खंड / कैलाश संहिता त्रिपुरासुर वध शिव द्वारा तारकासुर का अंत भक्तों की कथा। १४ अप्रैल को शिव महिमा भगवान शिव के लिंग रूप का महत्व रुद्राभिषेक एवं कथा विश्राम। १५ अप्रैल को हवन पुजन कर लोगो को गुरु दीक्षा समारोह एवं विशाल भंडारा का आयोजन किया गया है। इस भव्य आयोजन का जिम्मा समस्त ग्रामवासी ग्राम मेहंदीवाड़ा ने उठाया है। आयोजन समिति ने क्षेत्र के सभी धर्मप्रेमी जनता से सपरिवार पधारकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है। आज के इस शुभारंभ अवसर पर मेहंदीवाड़ा सहित आसपास के क्षेत्रों से आए हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया।

तीन माह का प्रशिक्षण पूर्ण कर लौटे एनसीसी अधिकारी का पीजी कॉलेज में हुआ सम्मान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट में प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के मार्गदर्शन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना (हस्स्) के कार्यक्रम अधिकारी प्रो. सुखचंद्र एड़े के नेतृत्व में नागपुर (कामठी) से तीन माह का प्रशिक्षण पूर्ण कर लौटे एनसीसी अधिकारी डॉ. गजानन कटरे का एनएसएस स्वयंसेवकों एवं एनसीसी कैडेट्स द्वारा बैंड-बाजे और लोकनृत्य के साथ भव्य स्वागत किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ वर्चुअल हॉल में माँ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण, सरस्वती वंदना एवं अभिनंदन गीत के साथ हुआ। समारोह में उन विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय गतिविधियों में भाग लेकर महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। इनमें कोलकाता में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर में शामिल अरविंद पांचे, चित्रकूट (सतना) के राज्य स्तरीय शिविर में भाग लेने वाली मोनाक्षी बिसेन, प्रवीण नागदेव, अंकित उके, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के ओपन यूनिट शिविर में शामिल श्रुति गौतम और राहुल पटले, हिमाचल प्रदेश के एडवेंचर शिविर में भाग लेने वाले गोल्डी पांचे, तथा भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में गणतंत्र दिवस परेड में शामिल वीणा जामरे और निरंजन बिसेन प्रमुख रहे। विशेष रूप से वीणा जामरे का ग्वालियर में आयोजित राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस शिविर में चयन उल्लेखनीय रहा। इसके अलावा पूनम गौंधुरे का पुलिस विशेष सहयोगी दस्ते में तथा एनसीसी कैडेट विनय पारधी का जिला फोर्स में चयन भी सराहनीय रहा।

कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने अपने-अपने शिविरों के अनुभव साझा किए। साथ ही माँ तुझे प्रणाम एवं मेरा युवा भारत योजना के अंतर्गत भाग लेने वाले स्वयंसेवकों को भी सम्मानित किया गया। गणतंत्र दिवस परेड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 18 स्वयंसेवकों को मेडल प्रदान किए गए। अपने उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे ने राष्ट्रीय सेवा योजना को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण मंच बताते हुए देश सेवा, अनुशासन और नेतृत्व के मूल्यों को अपनाने का संदेश दिया।

अलु अर्जुन
फिल्म स्टार

नरेश सचदेवा
वारासिवनी

बधाई बधाई शुभकामनाये

फिल्म इंडस्ट्रीज के बेताज बादशाह, लाल चंदन के मालिक, सुपर स्टार
श्री अलु अर्जुन (पुष्पा भाऊ)
को जन्मदिवस की हार्दिक बधाई शुभकामनायें
विनीत-अलु अर्जुन प्रशंसक फोरम वारासिवनी म.प्र.

कोरियन ड्रामा से भारतीय सीरियल तक: मनोरंजन की दिशा पर पुनर्विचार

विश्व के मनोरंजन जगत में पिछले कुछ वर्षों में यदि किसी देश ने टेलीविजन और वेब सीरीज के माध्यम से पूरी दुनिया को सबसे अधिक प्रभावित किया है तो वह दक्षिण कोरिया है। कोरियन ड्रामा आज केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक प्रभाव, सामाजिक शिक्षा, भावनात्मक परिपक्वता और जीवन मूल्यों के प्रस्तुतीकरण का सशक्त माध्यम बन चुके हैं। भारत सहित दुनिया के करोड़ों लोग कोरियन ड्रामा देख रहे हैं और उनसे प्रभावित हो रहे हैं। यह केवल तकनीक या अभिनय का प्रभाव नहीं है, बल्कि उनकी कहानियों की संवेदनशीलता, जीवन की वास्तविकता और मानवीय रिश्तों की गहराई का प्रभाव है। कोरियन ड्रामा का सबसे बड़ा गुण यह है कि वे जीवन की वास्तविक समस्याओं को बहुत संवेदनशील और मानवीय तरीके से प्रस्तुत करते हैं। उनमें परिवार है, प्रेम है, संघर्ष है, बीमारी है, मानसिक तनाव है, करियर की समस्याएं हैं, सामाजिक दबाव है, लेकिन इन सबके साथ समाधान भी है, आशा भी है, सकारात्मकता भी है। वे केवल समस्या नहीं दिखाते, बल्कि जीवन जीने की कला भी सिखाते हैं। उनके पात्र अतिनाटकीय या अवास्तविक नहीं होते, बल्कि आम आदमी जैसे होते हैं, जिनकी समस्याएं भी वास्तविक होती हैं और संघर्ष भी वास्तविक होता है। कोरियन ड्रामा की एक विशेषता यह भी है कि वे सीमित एपिसोड में एक पूर्ण कहानी प्रस्तुत करते हैं। उनमें अनावश्यक विस्तार, अंतहीन षड्यंत्र और कृत्रिम मोड़ नहीं होते। कहानी का एक उद्देश्य होता है और वह उद्देश्य पूरा होते ही कहानी समाप्त हो जाती है। इस कारण उनमें कसाव, गुणवत्ता और प्रभाव बना रहता है। वे दर्शकों के समय और संवेदना दोनों का सम्मान करते हैं। यदि हम भारतीय टीवी सीरियल्स की ओर देखें, तो स्थिति इसके विपरीत दिखाई देती है। अधिकांश धारावाहिक सास-बहू के अंतहीन संघर्ष, पारिवारिक षड्यंत्र, पुनर्जन्म, चमत्कार, बदला, ईर्ष्या और दिखावे के जीवन के इर्द-गिर्द घूमते रहते हैं। एक ही कहानी वर्षों तक चलती रहती है और उसमें वास्तविक जीवन से कोई संबंध नहीं रह जाता। परिवार, जो प्रेम, सहयोग और संवाद का केंद्र होना चाहिए, उसे षड्यंत्र और राजनीति का केंद्र बना दिया जाता है। इससे समाज में नकारात्मक मानसिकता का निर्माण होता है। भारतीय फिल्मों की स्थिति भी बहुत अलग नहीं है। अधिकांश फिल्में मारधाड़, हीरोगिरी, बदला, अपराध या अवास्तविक प्रेम कहानियों पर आधारित होती हैं। उनमें वास्तविक जीवन की समस्याओं और उनके समाधान पर बहुत कम काम होता है। जबकि आज समाज जिन समस्याओं से जूझ रहा है, वे अलग हैं-मानसिक तनाव, अवसाद, अकेलापन, पारिवारिक विघटन, पीढ़ियों के बीच संवाद की कमी, बेरोजगारी, करियर का दबाव, स्वास्थ्य समस्याएं, नशा, पर्यावरण संकट आदि। इन विषयों पर आधारित मनोरंजन बहुत कम देखने को मिलता है। कोरियन ड्रामा की लोकप्रियता का एक कारण यह भी है कि वे दर्शकों को भावनात्मक रूप से स्वस्थ बनाते हैं। उन्हें देखकर व्यक्ति केवल मनोरंजन नहीं करता, बल्कि भावनात्मक रूप से जुड़ता है, जीवन को समझता है, रिश्तों की अहमियत को समझता है, धैर्य और संघर्ष की प्रेरणा पाता है। कई कोरियन ड्रामा मानसिक स्वास्थ्य, अवसाद, ऑटिज्म, अस्पताल जीवन, वकीलों के संघर्ष, शिक्षकों के जीवन, छोटे उद्यमियों के संघर्ष जैसे विषयों पर बने हैं। वे दर्शकों को संवेदनशील बनाते हैं, आक्रामक नहीं।

असम में सियासी रण और पहचान की राजनीति घुसपैठ

यूसीसी और विकास के बीच चुनावी जंग तेज

असम की राजनीति एक बार फिर राष्ट्रीय मुद्दों और स्थानीय समीकरणों के संगम पर खड़ी दिखाई दे रही है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के हालिया बयान—जिसमें उन्होंने घुसपैठियों पर सख्ती और चुनाव के बाद समान नागरिक संहिता लागू करने की बात कही और चुनावी बहस को और तीखा बना दिया है। इस बयान के साथ ही यह साफ हो गया है कि भारतीय जनता पार्टी इस चुनाव को केवल विकास या स्थानीय मुद्दों तक सीमित नहीं रखना चाहती, बल्कि इसे पहचान, सुरक्षा और सांस्कृतिक अस्मिता के बड़े नैरेटिव से जोड़कर देख रही है।

असम की राजनीति हमेशा से बहुस्तरीय रही है। यहां जातीय पहचान, भाषाई विविधता, धार्मिक संतुलन और क्षेत्रीय अस्मिता जैसे मुद्दे गहराई से जुड़े हुए हैं। यही कारण है कि चुनावी समीकरण भी सरल नहीं होते। राज्य में मुस्लिम आबादी लगभग 34 प्रतिशत के आसपास मानी जाती है, जो कई जिलों में निर्णायक भूमिका निभाती है। खासकर निचले असम और बराक वैली के क्षेत्रों में यह वोट बैंक चुनाव के नतीजों को प्रभावित करता है। दूसरी ओर, ऊपरी असम में असमिया हिंदू, आदिवासी और चाय बागान समुदायों का प्रभाव अधिक है।

भाजपा का चुनावी गणित इन विविध समूहों के बीच संतुलन साधने पर आधारित है। पार्टी की रणनीति साफ तौर पर तीन स्तंभों पर टिकती नजर आती है—घुसपैठ के खिलाफ सख्त रुख, विकास की राजनीति, और आदिवासी व स्थानीय समुदायों को सशक्त करने के वादे। नरेन्द्र मोदीऔर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की जोड़ी को भाजपा एक मजबूत नेतृत्व के रूप में पेश कर रही है। यह नेतृत्व कानून व्यवस्था, बुनियादी ढांचे और कल्याणकारी योजनाओं के जरिए वोटरों को आकर्षित करने की कोशिश कर रहा है।

घुसपैठ का मुद्दा असम में नया नहीं है, लेकिन इसे हर चुनाव में नए सिरे से उभारा जाता है। भाजपा इसे राष्ट्रीय सुरक्षा और स्थानीय पहचान से जोड़कर पेश करती है। पार्टी का तर्क है कि अवैध

प्रवासन ने राज्य की जनसंख्या संरचना को प्रभावित किया है और इससे संसाधनों पर दबाव बढ़ा है। इसी के साथ समान नागरिक संहिता का मुद्दा जोड़कर भाजपा एक व्यापक वैचारिक एजेंडा सामने रख रही है, जो उसके समर्थक वर्ग को एकजुट करता है।

हालांकि, यह भी ध्यान देने वाली बात है कि भाजपा ने आदिवासी समुदायों को यूसीसी के दायरे से बाहर रखने की बात कहकर एक संतुलन बनाने की कोशिश की है। असम में बोडो, मिसिंग, कार्बी, राभा जैसी कई जनजातियां हैं, जिनकी अपनी अलग सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान है। इन समुदायों को आश्वस्त करना भाजपा के लिए जरूरी है, क्योंकि ये कई सीटों पर निर्णायक भूमिका निभाते हैं। एक-एक गाय या भैंस देने जैसे वादे प्रतीकात्मक रूप से आर्थिक सशक्तिकरण और ग्रामीण आजीविका से जुड़े हैं, जो सीधे तौर पर आदिवासी और ग्रामीण मतदाताओं को प्रभावित कर सकते हैं।

जातिवाद का फैक्टर भी असम की राजनीति में कम महत्वपूर्ण नहीं है। हालांकि यहां उत्तर भारत की तरह परंपरागत जाति समीकरण उतने स्पष्ट नहीं हैं, लेकिन समुदाय आधारित राजनीति बहुत मजबूत है। चाय बागान मजदूर समुदाय, जिसे अक्सर 'टी ट्राइब्स' कहा जाता है, लंबे समय से राजनीतिक दलों के लिए अहम वोट बैंक रहा है। भाजपा ने पिछले कुछ चुनावों में इस समुदाय में अपनी पकड़ मजबूत की है, जबकि कांग्रेस पारंपरिक रूप से यहां प्रभाव रखती रही है। इसी तरह बोडो और अन्य जनजातीय समूहों के बीच क्षेत्रीय दलों का भी प्रभाव है, जिससे चुनावी मुकाबला त्रिकोणीय हो जाता है।

विकास का मुद्दा इस चुनाव में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। भाजपा यह दावा कर रही है कि पिछले वर्षों में असम में सड़क, पुल, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। निवेश और उद्योग को बढ़ावा देने की कोशिशें भी दिखाई देती हैं। यदि मतदाता इन दावों को स्वीकार करते हैं, तो भाजपा को इसका सीधा लाभ मिल सकता है। खासकर युवा मतदाता, जो रोजगार और बेहतर जीवन स्तर की अपेक्षा रखते हैं, विकास के एजेंडे से प्रभावित हो सकते हैं।

दूसरी ओर, कांग्रेस भी अपनी जमीन मजबूत करने की कोशिश में है। राहुल गांधी के नेतृत्व में पार्टी बेरोजगारी, महंगाई और सामाजिक असंतोष जैसे मुद्दों को उठाकर भाजपा को घेरने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस का तर्क है कि भाजपा की नीतियां समाज में विभाजन पैदा करती हैं और वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाती हैं। अगर कोई मतदाता कांग्रेस को वोट देने का विचार करता है, तो उसके पीछे मुख्य कारण सामाजिक सद्भाव, धर्मनिरपेक्षता और आर्थिक असमानता के मुद्दे हो सकते हैं।

कांग्रेस का एक और मजबूत पक्ष उसका पारंपरिक समर्थन आधार है, जिसमें मुस्लिम मतदाता, कुछ आदिवासी समूह और ग्रामीण वर्ग शामिल हैं। यदि यह समर्थन एकजुट रहता है और क्षेत्रीय दलों के साथ तालमेल बनता है, तो कांग्रेस भाजपा को कड़ी चुनौती दे सकती है। हालांकि, पिछले चुनावों में कांग्रेस को संगठनात्मक कमजोरी और नेतृत्व के अभाव का सामना करना पड़ा है, जिसे दूर करना उसके लिए जरूरी है।

असम का चुनाव केवल दो दलों के बीच मुकाबला नहीं है, बल्कि यह कई स्तरों पर लड़ी जाने वाली लड़ाई है। यहां स्थानीय बनाम बाहरी, विकास बनाम पहचान, और परंपरा बनाम आधुनिकता जैसे कई विमर्श एक साथ चलते हैं। यही वजह है कि हर चुनाव में परिणाम चौंकाने वाले हो सकते हैं।

अंतत: यह कहना गलत नहीं होगा कि असम का मतदाता बेहद जागरूक और व्यावहारिक है। वह केवल भावनात्मक मुद्दों पर नहीं, बल्कि अपने हितों और भविष्य को ध्यान में रखकर निर्णय लेता है। भाजपा के लिए चुनौती है कि वह अपने वादों को विश्वसनीय बनाए और सभी वर्गों का विश्वास जीत सके। वहीं कांग्रेस के लिए जरूरी है कि वह एक मजबूत वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करे।

इस चुनाव में यह देखना दिलचस्प होगा कि मतदाता सुरक्षा और पहचान के मुद्दों को प्राथमिकता देता है या विकास और सामाजिक संतुलन को। असम की जनता का फैसला न केवल राज्य की राजनीति की दिशा तय करेगा, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी इसके दूरगामी प्रभाव देखने को मिल सकते हैं।

- कांतिलाल मांडोत

अपराधियों को सुधारने का प्रयास किया जाए

यह एक निर्विवाद और सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत तथ्य है कि अपराध से कानून की अवहेलना होती है और अपराध में वृद्धि होती है। अपराध क्या है? इसकी व्याख्या और परिभाषा के संबंध में कोई एकल, सार्वभौमिक परिभाषा विकसित नहीं की गई है। आज जो अपराध है वह कल बदलती सामाजिक परिस्थितियों में अपराध नहीं रह सकता है और जो आज अपराध नहीं है वह कल अपराध का मानक बन सकता है। इसलिए, अपराध की सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत परिभाषा तैयार करना न केवल कठिन है, बल्कि असंभव भी है। दूसरा, सामाजिक जीवन के बड़े संदर्भ की परवाह किए बिना, तब तक अपराध नहीं माना जाता जब तक कि वह क्रिमिनल लॉ द्वारा प्रतिबंधित न हो। डोनाल्ड आर. टैफ्ट के शब्दों में, अपराध कानून द्वारा दंडनीय काम है। गिलिन और गिलिन के अनुसार, कानूनी नज़रिए से, अपराध किसी देश के कानून के खिलाफ किया गया काम है। इस प्रकार, ऊपर दी गई सभी परिभाषाओं का विश्लेषण करने पर, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि अपराध जानबूझकर किया गया व्यवहार है। अपराधी परिवारों के पुरुष और महिलाएं अलग-अलग तरह के अपराध करते हैं। पारंपरिक अपराधों और आधुनिक अपराधों में उनके शामिल होने का मकसद क्या है? पहले की गरिमा और औचित्य से समझौता किए बिना यह कहना सही होगा। वैज्ञानिक नज़रिए से, अपराध कानून का उल्लंघन है। यह वह व्यवहार है जो क्रिमिनल कोड में प्रतिबंधित और दंडनीय है। एनालिटिकल स्टडी की सुविधा के लिए, अपराध की दूसरी वैज्ञानिक परिभाषाओं का इस्तेमाल किया गया, जो अपराधी परिवारों से मिले डेटा की मदद से निष्कर्ष पर पहुंचीं। 53.01 प्रतिशत अपराधियों ने अपराध करना स्वीकार किया, और 46.99 प्रतिशत ने कहा कि पुलिस ने अपनी कार्रवाई पूरी करने के लिए बेवजह झूठे और मनगढ़ंत मामले दर्ज किए। 1. गरीबी रेखा से नीचे के परिवार अक्सर किसी न किसी तरह के क्राइम में शामिल होते हैं, जिसे लगभग 53 प्रतिशत जवाब देने वालों ने माना। 2. कुछ मामलों में, इन परिवारों के पुरुष और महिलाएं, खासकर पुरुष, जबरदस्ती क्रिमिनल बना दिए जाते हैं, जिसमें पुलिस अहम भूमिका निभाती है, अपनी ऑफिशियल ड्यूटी पूरी करती है। 3. क्रिमिनल परिवारों के पुरुष अक्सर शराब पीते हैं, और इस नशे में, वे सही और गलत की समझ खो देते हैं, क्राइम की ओर बढ़ते हैं, और अपना मेंटल बैलेंस खो देते हैं। वे यह समझ नहीं पाते कि वे क्या कर रहे हैं या यह सही है या नहीं, और क्राइम में शामिल हो जाते हैं। 4. उनमें सेल्फ-कॉन्फिडेंस की कमी होती है। उनके क्राइम के कारण- क्राइम एक यूनिवर्सल घटना है जो सीधे इंसानी व्यवहार से जुड़ी है। इस इंसानी व्यवहार के क्या कारण हैं? दूसरे शब्दों में, क्राइम के क्या कारण हैं? वर्ट क्राइम के कारणों की एक लंबी लिस्ट पेश करते हैं, जो असल में, पूरी तरह से सही है। अपर्याप्त मनोरंजन सुविधाएं, दोषपूर्ण परिसर, शारीरिक हीनता, भावनात्मक असंतुलन, अस्थायी पागलपन, शिक्षा की कमी, व्यक्तिवादी अराजकता, सामाजिक अपूर्णता, अवैध धन-संपत्ति कमाना, शराबखोरी आदि। अपराधों में शामिल होने के सिद्धांत और कारण - सामान्य रूप से, कुछ परिस्थितियां और कारण आपराधिक प्रवृत्तियों को जागृत करने, प्रोत्साहित करने और प्रेरित करने के लिए जिम्मेदार होते हैं। 1. अपराध सामान्यत: मानवीय व्यवहार से संबंधित होता है। ऐसा माना जाता है कि परिवार के सदस्य अपराधों में शामिल होते हैं, लेकिन सभी मानवीय व्यवहार अपराध से प्रभावित होते हैं। अपराध हमेशा विनाशकारी होता है, यह सामान्यता की श्रेणी में नहीं आता है और इसे करने का कारण चाहे जो भी हो, समाज द्वारा अस्वीकार्य है। स्पष्ट रूप से, अपराध का बढ़ता प्रचलन व्यक्ति, समुदाय और समाज के लिए हानिकारक है। विभिन्न विद्वानों ने अपराधियों को कई आधारों पर विभाजित किया है, जैसे लोम्ब्रोसो ने जन्मजात अपराधी, पागल अपराधी, यौन अपराधी और आकस्मिक अपराधी सदरलैंड ने

निचले तबके को आम क्रिमिनल और व्हाइट-कॉलर क्रिमिनल में बांटा है। इसी तरह, अलग-अलग जानकारों ने क्रिमिनल को अलग-अलग कैटेगरी में बांटा है। क्रिमिनल परिवारों के मर्द और औरतों को इंसान माना जाता है क्योंकि क्राइम नॉर्मल बिहेवियर पैटर्न के खिलाफ काम है। 2. इरादे और बिहेवियर के बीच एक कनेक्शन होता है, लेकिन क्राइम होने के लिए यह ज़रूरी है कि क्रिमिनल इरादा बाहर से ज़ाहिर हो। 3. क्राइम से पर्सनल टूटता है। इस बारे में, क्रिमिनोलॉजिस्ट ओटो रांके कहते हैं कि टूटी हुई पर्सनैलिटी क्राइम की वजह है। प्रोफेसर मार्क्स और एंगेल्स कहते हैं कि हालात क्राइम के लिए ज़मीन तैयार करते हैं और क्राइम इकोनॉमिक कंडीशन का नतीजा है। परिस्थितियाँ एवं परिस्थितियाँ, जो समाज की देन हैं। अत: अपराध को भी समाज की देन मानकर स्वीकार करना चाहिए। अपराध का मुख्य कारण वातावरण है। इसके अन्तर्गत धन का अभाव होता है। व्यापार पर बुरा प्रभाव पड़ता है। आश्रित प्रभावित होते हैं तथा उजड़े हुए मकान, गंदी बस्तियाँ, बुरी संगत, अस्वस्थ मनोरंजन, निर्धनता, पारिवारिक वातावरण, अशांत उपसंस्कृतियाँ, गंदी बस्तियाँ, छात्रावास एवं कॉलेज की संस्कृति, जुनून आदि तथा समकक्ष समूह की भूमिका आदि के कारण समाज प्रभावित होता है। अपराध करने के अन्य कारण: 1. अज्ञानता-कुछ लोगों में यह गलत धारणा है कि वे सब जानते हैं कि अपराध एक सामाजिक, आर्थिक, शारीरिक एवं मानसिक बुराई है जिसके कारण हत्याएँ होती हैं, मकान बिक जाते हैं, दिवालिया हो जाते हैं, लोग अपराधी बन जाते हैं, शादियाँ बर्बाद हो जाती हैं, हत्याएँ होती हैं, आत्महत्याएँ होती हैं तथा दु:ख एवं निर्धनता भी बढ़ती है। जुआ, वेश्यावृत्ति, बलात्कार, अपहरण, चोरी, डकैती, मारपीट आदि भी अपराध के परिणाम हैं। चरित्र पतन, भ्रष्टाचार, कानून की अवहेलना भी इसके दुष्परिणाम हैं। व्यक्तिगत टूटन, पार्लर टूटन तथा सामाजिक टूटन भी इसी के कारण होती है। अपराध करने पर बीमारियां, अभाव, गरीबी और बेरोजगारी पनपती है। अत: अपराध गुलामी का सूचक है। जिसके कारण वे अपने परिवार की भी परवाह नहीं करते और एक के बाद एक अपराध करते रहते हैं। 2. तनाव, पारिवारिक क्लेश और निराशा - जब परिवार में पैसे की कमी के कारण बीमारी और दैनिक जरूरतें पूरी नहीं होती हैं, तो मानसिक और पारिवारिक परेशानियां शुरू हो जाती हैं। इससे तनाव पैदा होता है और व्यक्ति अपराध की ओर मुड़ जाता है। 3. संगति और मित्र मंडली - अपने सगे-संबंधियों और दोस्तों के साथ भी अनेक अपराध करने से व्यक्ति को अपने जीवन में निम्नलिखित सामाजिक और आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे व्यक्ति के ये दोष हैं - 1. इससे कानून की अवहेलना और व्यभिचार बढ़ता है। 2. इसका प्रभाव व्यक्ति के परिवार पर पड़ता है। 3. इसका असर मनुष्य के मन पर पड़ता है और उसमें भय फैल जाता है। 4. बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है। डर के कारण उनका बाहर निकलना या बैठना दूभर हो जाता है। यदि पड़ोसी या जिसकी संगति में रहने वाला व्यक्ति अपराधी है तो उसके आग्रह व बहकावे में आकर वह भी अपराध करना सीख जाता है। पहले वह छोटे-मोटे अपराध करने लगता है और फिर बड़े अपराध करने लगता है। 4. ऊँचा पद प्राप्त करना ङ्क वर्तमान समाज भौतिकवादी दौड़ का अनुसरण कर आधुनिक बनना चाहता है और इस आधुनिक युग में ऊँचा पद प्राप्त करने के लिए धन की आवश्यकता होती है। इस युग में व्यक्ति दो वक्त की रोटी कमाने के अलावा ईमानदारी से सम्मान का जीवन नहीं जी सकता है। इसलिए ऊँचा पद प्राप्त करने के लिए लोग दूसरे अवैध धंधे करने लगते हैं और अधिक धन कमाने की लालसा अपराध को जन्म देती है। स्पष्ट है कि अपराध से व्यक्ति का सामाजिक व आर्थिक विघटन होता है। अपराध से उसका परिवार और समाज बिखर जाता है। आर्थिक पतन होता है। उसका सांस्कृतिक व नैतिक पतन होता है। अत- आवश्यक है कि अपराध के विरुद्ध आवाज उठाई जाए और अपराधियों को सुधारने का प्रयास किया जाए।

- संजय गोस्वामी

तन और मन दोनों की स्वस्थ्यता, जीवन में सफलता के साथ आनंदमय जीवन जीने का भी सूत्र है

- किशन सनमुखदास भावनानीं

सृष्टि के अनमोल हीरे मानव प्रजाति में उसकी रचना करने वाले ने अदभुत गुणों की खान सृजित की है बस,हमें अपनीं अनमोल कुशाग्र बुद्धि से उसे पहचान कर अपने जीवन में ढालना है, तो फिर हर कोई कहेगा देखो क्या खूबसूरत सुखी जिंदगी है, अपने आप में, परिवार, मोहल्ले, समाज में ही हम सतयुग का माहौल बना कर अति सुख चैन से अपने जीवन के अनमोल क्षणों को बिता सकते हैं मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि अनेक गुणों में से एक गुण संकल्प शक्ति जिसका मन और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव पर चर्चा हम आर्टिकल के माध्यम से करेंगे।

साथियों बात अगर हम अपने इस मानव शरीर की करें तो मन स्वस्थ है तो तन स्वस्थ है मन का संकल्प मनुष्य की आंतरिक शक्ति है। मानव शरीर यदि रथ के समान है तो यह मन उसका चालक है। मनुष्य के शरीर की असली शक्ति उसका मन है। मन के अभाव में शरीर का कोई मूल्य ही नहीं है। मन ही वह प्रेरक शक्ति है जो मनुष्य से बड़े-बड़े काम करवा लेती है। यदि मन में दुर्बलता का भाव आ जाए तो शक्तिशाली शरीर और विभिन्न प्रकार के साधन भी व्यर्थ हो जाते हैं। मन बहुत बलवान है। शरीर की सब क्रियाएं मन पर निर्भर करती है । यदि मन में शक्ति, उत्साह और उमंग है तो शरीर भी तेजी से कार्य करता है। अत: व्यक्ति की हार जीत उसके मन की दुर्बलता सबलता पर निर्भर है।

साथियों शारीरिक दृष्टि से दुर्बल एवं हीन होते हुए भी दृढ़ निश्चयी व्यक्ति ऐसे-ऐसे कार्य कर जाया करते हैं कि उनकी असाधारणता पर विस्मय-विभोर होकर रह जाना पड़ता है!! सामान्यत: साधारण प्रतीत होने वाले व्यक्ति भी अपनी संकल्प शक्ति के बल से भयावह तूफानों तक का मुँह मोड़ देने में सफल हो जाया करते हैं। मनोविज्ञान का मानना है कि वनस्पति जाग्रत रहती है पशु सोते है पत्थर में भी चेतना सोती है और मनुष्य विचार चिन्तन करता है इसलिए यह इन अन्य सजीवों तथा निर्जीवों से भिन्न हैं। चिन्तन एवं मनन करना इन्सान की विशेषता है जिनका सीधा सम्बन्ध मन से होता है।

साथियों संकल्प शक्ति का प्रयोग किए बिना व्यक्ति कोशिश किए बिना ही पहले ही हार स्वीकार कर लेते हैं । धीरे-धीरे उनमें यह भावना बैठ जाती है कि वे कभी भी जीत नहीं सकते हैं । वहीं दूसरी ओर सफल व्यक्ति हमेशा आशावादी व कर्मवीर होते हैं । वे जीत के लिए हमेशा प्रयास करते हैं ।जब तक हमारा मन शिथिल है तब तक हम कुछ भी नहीं कर सकते। मनुष्य का जीवन खेल के मैदान के समान है। यहाँ हर व्यक्ति खिलाड़ी है। खेल में विजय प्राप्त करने के लिए खिलाड़ी को चुस्त और तंदुरुस्त होने के साथ-साथ अपने-आप पर भरोसा भी होना चाहिए। जिसका मन मजबूत होता है, वही सच्चे अर्थों में तंदुरुस्त और अपने-आप पर भरोसा रखनेवाला होता है।

साथियों बात अगर हम मन के बारे में ऐतिहासिक कबीर श्लोकों की करें तो-

मन के हारे हार है, मन के जीते जीत।
कहे कबीर हरि पाइए मन ही की परतीत।।

अर्थात- जीवन में जय और पराजय केवल मन के भाव हैं। यानी जब हम किसी कार्य के शुरू में ही हार मान लेते हैं कि हम सचमुच में ही हार जाते हैं। लेकिन अपनी मंजिल के लिए जब जूझते हैं, बार-बार गिर कर खड़े होते हैं तो हमारा आत्मविश्वास कई गुना बढ़ जाता है। इसके बाद जब मंजिल मिलती है, तो उसकी खुशी कई गुना होती है। इसलिए आपकी जीत या हार को कोई और तय नहीं कर सकता है। यह खुद आपके ऊपर निर्भर करता है। यही बात इस कहानी में भी बताई गई है। यह कहावत किसी व्यक्ति के जीवन की तरह किसी देश या राष्ट्र के बारे में भी सत्य सिद्ध होती है। किसी देश या राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत उस देश के निवासियों की प्रबल इच्छाशक्ति में रहती है।

साथियों इसीलिए आत्मविश्वास की बात कही जाती है। अखबारों में हम अपनी क्रिकेट टीम की हार का कारण पढ़ते हैं, तो यही पढ़ते हैं कि खिलाड़ी अपना मनोबल बनाए नहीं रख सके। या तो वे अतिउत्साह में आ गए या फिर निराशा में। मन की इन दोनों स्थितियों का शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। शरीर को इस बात से कोई लेना-देना नहीं होता कि उसके अंदर उत्साह की तरंगें पैदा हो रही हैं या निराशा की। उसको तो तरंगों से मतलब है। निराशा की तरंगों से उसकी शक्ति विखंडित हो जाती है। इसका परिणाम पराजय में होता है। इसलिए बहुत जरूरी है कि हम संतुलित रहें।

साथियों बात अगर हम मन स्वस्थ है तो तन स्वस्थ है की करें तो, स्वस्थ और तंदरुस्त रहना हमारे दैनिक कार्यों को पूरा करने में मदद करता है। स्वस्थ्य रहने का अर्थ रोग रहित तन का होना ही नहीं, बल्कि तनावमुक्त मन का होना भी है। यदि एक व्यक्ति अस्वस्थ मन रखता है, तो वह अपने शरीर को स्वस्थ नहीं रख सकता है। शरीर और मन दोनों की स्वस्थता जीवन में सफलता के साथ आनंदमय जीवन जीने का सूत्र है। हमें अपने शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखने के लिए सभी बिन्दुओं के बारे में जागरुक होने की आवश्यकता है।

कुछ लोग बहुत अच्छे से जानते हैं कि शरीर को साफ-सुथरा और स्वस्थ कैसे रखा जाता है, लेकिन मन में घूम रही परेशानियों की वजह से उन्हें स्वस्थ रहने के लाभ नहीं मिल पाते हैं। मानसिक तनाव धीरे-धीरे शारीरिक स्वास्थ्य को कमजोर कर देता है। ऐसे में जरूरी है हम कि शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक स्वास्थ्य को लेकर भी गंभीर रहें। इसके लिए आलस्य को त्यागकर ध्यान व व्यायाम दोनों का सहारा लिया जाना चाहिए। स्वस्थ मन से बनता है स्वस्थ तन, स्वस्थ तन से बनता है स्वस्थ जीवन और स्वस्थ जीवन से बनेगा स्वस्थ भारत।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि मन स्वस्थ है तो तन स्वस्थ्य हैं!मनुष्य के पास मन की संकल्प शक्ति यह एक महत्वपूर्ण अस्त्र है जिसके दम पर स्वास्थ्य सहित हर क्षेत्र से बढ़ी जीत हासिल की जा सकती है,तन और मन दोनों की स्वस्थता जीवन में सफलता के साथ आनंदमय जीवन जीने का भी एक सूत्र है।

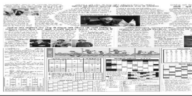

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। सामान्य कारोबार के बीच मंगलवार को अनाज मंडी में चने में बाजार बने रहे। गेहूं में पूछपरख से मजबूती रही। खाद्य तेलों में टिकाव की स्थिति रही। सोयाबीन, सरसो व रायडा बाजार पूर्वस्तर पर रहे। किराना जिंसों में सूखे मेवों में सुर्खी रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार मंगलवार को अनाज मंडी में व्यापार सामान्य रहा। चने में पूछपरख सामान्य रहने से बाजार 5600-5650 रू; प्रति क्विंटल पर टिके रहे। गेहूं मिल क्वालिटी में मैदा मिलों की मॉग से बाजार बड़त पर रहे। खाद्य तेलों में टिकाव रहा। किराना जिंसों में सूखे मेवों में मजबूती देखी गयी। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4125-4180, खोपरा गोला 340-390, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 270-280, ऊंझा हल्का 250-260, बेस्ट 280-300, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 5500-5600, मीडियम 5600-5700, बेस्ट 5800-5900, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 250-380, सौंफ बारिक 220-380, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1050-1400, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 490-625, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-880, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2450-2500, (160) 2700-2750, (200) 2600-2650, (250) 2300-2400

तेल- सींगदाना 1760-1780, मुम्बई 1780, राजकोट तेलिया 2750, सोया साल्वेंट 1490-1500, सोया रिफाइंड 1555-1570, कपास्या 1490, धूलिया 1495, कड़ी 1500,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1750, मुम्बई पाम 1500, मुम्बई सोया 1590,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3725 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7300-7500, रायडा 6400-6700, सोयाबीन 5600-5700, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5600-5675, एवरेज 5500-5550, विशाल 5500-5600, महाराष्ट्र विशाल 5600-5625, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशियन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6000-6100, एवरेज 5600-5700, मूंग गर्मी बेस्ट 7700-8000, मूंग बोल्ड 8200-8400, एवरेज 6500-6700, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7500-7700, एवरेज 7300-7400, हल्की 7000-7200, महाराष्ट्र सफेद 7600-7800, महाराष्ट्र लाल 8000-8200, कर्नाटक 8100-8400, उड़द बेस्ट 8500-9000, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7600-7800, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2300-2400, लोकवन एवरेज 2400-2650, बेस्ट 2800-3100, मालवराज 2300-2560, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1600-1850, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3200, सेला 3500-3700, परमल 3300-3500, दुबराज 4500-5600, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। विदेशी बाजारा में सुस्ती और स्थानीय बाजारों में मॉग के अटकने से मंगलवार को स्थानीय सराफा बाजार में दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉदी (9999) 232000, चॉदी (99) 231800, टंच 231000, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 149700,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 7 पैसे की बढ़त के साथ ही 92.97 पर बंद हुआ। आज सुबह कारोबार के दौरान रुपया 17 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.07 पर पहुंच गया। विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी, डॉलर की मजबूती और अस्थिर भू-राजनीतिक स्थिति के बीच कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण घरेलू मुद्रा दबाव में है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.05 प्रति डॉलर पर खुला। फिर नीचे आकर 93.07 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 17 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को 28 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.90 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.13 फीसदी की बढ़त के साथ 100.11 पर रहा।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स करीब 509.73 अंक बढ़कर 74,616.58 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी तकरीबन 155.40 अंक उछलकर 23,123.65 पर बंद हुआ। बाजार में तेजी का कारण आईटी शेयरों में आया उछाल रहा। वहीं निफ्टी आईटी इंडेक्स 2.5 फीसदी की तेजी के साथ सूचकांकों में लाभ में रहा। इसके अलावा निफ्टी रियल्टी, निफ्टी मेटल, निफ्टी डिफेंस, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी कमोडिटीज, निफ्टी पीएसई, निफ्टी एनर्जी और निफ्टी प्राइवट बैंक बढ़त के साथ बंद हुए। केवल निफ्टी कंज्यूमर

ड्यूरेबल्स और निफ्टी पीएसयू बैंक के शेयरों में गिरावट रही। सेंसेक्स पैक में एचसीएल टेक, टीसीएस, इन्फोसिस, भारती एयरटेल, सन फार्मा, टेक महिंद्रा, एचयूएल, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, मारुति सुजुकी, टाटा स्टील, एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक और बजाज फाइनेंस के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे थे। इंडिगो, एमएंडएम, टाइटन, ट्रेंट, एसबीआई, अल्ट्राटेक सीमेंट, एलएंडटी के शेयरों को नुकसान हुआ। लार्जकैप की जगह पर मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में मिश्रित कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 107.90 अंक की बढ़त के साथ 54,600.55 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 9.75 अंक की कमजोरी के साथ 15,843.30 पर था।इससे पहले आज सुबह मध्य पूर्व में जारी भू-राजनीतिक तनाव और घरेलू स्तर पर नीतिगत अनिश्चितता से भारतीय बाजार गिरावट के साथ खुला। आज सुबह निफ्टी 86 अंक गिरकर 22,882 के स्तर पर कारोबार करता दिखा जबकि सेंसेक्स 276 अंक नीचे आकर 73,869 के आसपास पहुंच गया।

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से एफएमसीजी और पेंट इंडस्ट्री पर दबाव, बढ़ेगी महंगाई

नई दिल्ली। एजेंसी। वैश्विक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें अब आम उपभोक्ताओं की जेब पर असर दिखा रही हैं। बिस्किट, साबुन, खाने का तेल और पेंट जैसे रोजमर्रा के सामान महंगे होने के कगार पर हैं। कंपनियां लागत बढ़ने से निपटने के लिए कीमतों में बढ़ोतरी या पैकेट साइज घटाने की रणनीति अपना रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, लाहोरी जीरा जैसे ब्रांड ने महीने की शुरुआत से चुनिंदा उत्पाद महंगे कर दिए हैं। खाद्य तेल कंपनियों ने 4-5 रुपए प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की है। पाम ऑयल की बढ़ती कीमतें बीकाजी, ब्रिटानिया और नेस्ले जैसी कंपनियों के लिए भी चिंता का कारण बनी हैं। पाम ऑयल साबुन निर्माण का अहम कच्चा माल है, जिससे हिंदुस्तान यूनिलीवर और गोदरेज जैसी कंपनियों पर भी लागत का दबाव बढ़ गया है। एलपीजी पर निर्भर पैक्ड फूड कंपनियों ने उत्पादन घटाया या अस्थायी रूप से रोक दिया है। इससे सप्लाई पर असर पड़ सकता है और उपभोक्ताओं को कीमतों में बढ़ोतरी का सामना करना पड़ सकता है। जायडस वेलनेस के एक अ ?धिकारी के अनुसार कंपनियां छोटे पैकेटों का वजन कम कर सकती हैं, जबकि बड़े पैक के दाम सीधे बढ़ाए जा सकते हैं। पेंट उद्योग में करीब 40 फीसदी कच्चा माल कच्चे तेल से जुड़ा है। बर्जर पेंट्स, कंसाई नेरोलैक और जेएसडब्ल्यू डुलक्स पहले ही दाम बढ़ा चुके हैं। एशियन पेंट्स आने वाले समय में 6-8 फीसदी तक कीमत बढ़ा सकती है। विश्लेषकों का मानना है कि बढ़ती लागत के कारण कंपनियों के मार्जिन पर दबाव बढ़ेगा। इसका असर वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में स्पष्ट रूप से दिखाई देगा।

एनपीजी-पीएनजी टैक्स फ्री करने की मांग तेज

व्यापारिक संगठन ने केंद्र सरकार से टैक्स हटाने की अपील की

नई दिल्ली। एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय तनाव के चलते गैस सप्लाई पर असर पड़ने के बाद देश में एलपीजी और पीएनजी की कीमतें बढ़ गई हैं। इस बीच व्यापारिक संगठन ने सरकार से इन पर लगने वाले टैक्स हटाने की मांग की है, जिससे आम जनता को राहत मिल सके। अमेरिका और इरान के बीच बढ़ते तनाव का असर अब भारत में गैस कीमतों पर भी देखने को मिल रहा है। एलपीजी सप्लाई प्रभावित होने के कारण हाल ही में घरेलू और कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम बढ़ाए गए हैं। इसी बीच चेंबर आफ ट्रेड एंड इंडस्ट्रीज (सीटीआई) ने

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर एलपीजी और पीएनजी को टैक्स-फ्री करने की मांग की है। सीटीआई का कहना है कि टैक्स हटाने से गैस की कीमतों में सीधी कमी आएगी और आम आदमी को राहत मिलेगी। फिलहाल घरेलू एलपीजी सिलेंडर पर 5 फीसदी जीएसटी लगाया जाता है, जबकि कमर्शियल सिलेंडर पर 18 फीसदी एसटी वसूला जाता है। दूसरी ओर, पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) जीएसटी के दायरे से बाहर है और इस पर राज्य सरकारें 3 से 14.5 फीसदी तक वैट वसूलती हैं। उदाहरण के तौर पर, दिल्ली में पीएनजी पर 5 फीसदी वैट लागू है। अगर सरकार एनजीजी पर से जीएसटी हटा देती है, तो इसका सीधा फायदा उपभोक्ताओं को मिलेगा। दिल्ली में वर्तमान में घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत 913 रुपये है, जो 5 फीसदी जीएसटी हटने पर करीब 43 रुपये सस्ती होकर लगभग 869 रुपये रह जाएगी। वहीं कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 2078.50 रुपये से घटकर करीब 1761 रुपये हो सकती है, यानी लगभग 317 रुपये की राहत।

आज का राशिफल

मेष- आज आपके लिए जमीन-जायदाद से जुड़ी खुशखबरी का दिन है, जैसे किस्मत खुद आपके लिए नया दरवाजा खोल रही हो। नया घर, दुकान या मकान लेने का विचार मन में मजबूत होगा और पिताजी की सलाह आपके लिए मार्गदर्शक बनेगी। बच्चों के साथ बिताया गया समय दिल को हल्का और खुश कर देगा। हालांकि पिताजी की सेहत को लेकर थोड़ी भागदौड़ करनी पड़ सकती है।

वृषभ- आज धन और समृद्धि की खुशबू आपके चारों ओर फैली रहेगी। पुराने मित्र से मुलाकात पुरानी यादों को ताजा कर देगी और दिल को सुकून मिलेगा। अपनी कमजोरियों को पहचानकर उन्हें सुधारने का समय है। खान-पान में थोड़ा संयम रखें, वरना सेहत साथ छोड़ सकती है। घर में किसी नए मेहमान की एंट्री माहौल को खुशियों से भर देगी, लेकिन कामों की अधिकता आपको थोड़ा परेशान कर सकती है।

मिथुन- आज विद्यार्थियों के लिए खुशखबरी का दिन हो सकता है, जैसे मेहनत का मीठा फल मिलने वाला हो। अगर आपने किसी परीक्षा में भाग लिया था, तो परिणाम आपके चेहरे पर मुस्कान ला सकता है। बिजनेस में पार्टनरशिप कर रखी है तो आज आंखें खुली रखें, क्योंकि सतर्कता ही सुरक्षा है। वाहन से जुड़ी कोई परेशानी जेब ढीली कर सकती है। बातचीत में संतुलन रखना जरूरी होगा, क्योंकि आपकी एक छोटी सी बात भी किसी को चुभ सकती है।

कर्क- आज आपका मन भक्ति और श्रद्धा में डूबा रहेगा, जैसे आत्मा को सच्चा सुकून मिल रहा हो। लेकिन वैवाहिक जीवन में कुछ उलझनें आपके मन को विचलित कर सकती हैं। पिताजी के साथ किसी बात पर टकराव होने की संभावना है, इसलिए धैर्य बनाए रखें। काम के सिलसिले में बाहर जाना पड़ सकता है। दोस्तों के साथ बिताया गया समय आपको हल्का महसूस कराएगा, लेकिन जल्दबाजी में लिया गया फैसला नुकसान दे सकता है।

सिंह- आज अगर मन में किसी काम को लेकर जरा सा भी संशय है, तो कदम पीछे खींच लेना ही समझदारी होगी। माताजी से मिली जिम्मेदारी आपको अपनी काबिलियत दिखाने का मौका देगी। भाई-बहनों का साथ आपको मजबूती देगा। संतान की पढ़ाई को लेकर आप गंभीर रहेंगे और उनके शिक्षकों से बातचीत करेंगे। खान-पान में लापरवाही पेट से जुड़ी परेशानी दे सकती है।

कन्या- आज आपकी मेहनत रंग लाएगी और आपको उसका पूरा फल मिलेगा। आसपास के लोगों से मिली सलाह आपके लिए सोने पर सुहागा साबित होगी। परिवार में किसी बुजुर्ग की सेहत को लेकर मन थोड़ा चिंतित रह सकता है। घर में कोई धार्मिक आयोजन करने का विचार आपको सुकून देगा। संतान से किया हुआ वादा निभाने की कोशिश आपको उनके और करीब ले आएगी।

तुला- आज मन थोड़ा उलझा-उलझा सा रहेगा और कामों में भी रुकावटें आ सकती हैं, जिससे धैर्य की परीक्षा होगी। यात्रा के दौरान अपने कीमती सामान का खास ध्यान रखें। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरकर आपको गर्व महसूस कराएगी। कोई पुराना लेन-देन फिर से सिर उठा सकता है और तनाव बढ़ा सकता है। परिवार में विवाह से जुड़ी अड़चनें दूर होने से खुशियों का माहौल बनेगा और पुराने विवाद भी खत्म हो सकते हैं।

वृश्चिक- आज आपके लिए नए काम की शुरुआत का सुनहरा मौका है, जैसे किस्मत आपके साथ कदम मिलाकर चल रही हो। आपकी मेहनत का फल आपको भरपूर मिलेगा और भाई-बहनों का साथ आपके आत्मविश्वास को और मजबूत करेगा। कुछ विरोधी आपको परेशान करने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन आप सतर्क रहेंगे। ईर्ष्यालु लोगों से दूरी बनाकर रखें।

धनु- आज का दिन थोड़ा उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा, लेकिन आप अपने आत्मविश्वास से हर स्थिति को संभाल लेंगे। पुराने मित्र की यादें मन को भावुक कर सकती हैं। बिजनेस में हल्की हलचल रहेगी, लेकिन आपकी मेहनत आपको आगे बढ़ाएगी। किसी विरोधी की बात दिल को चोट पहुंचा सकती है। संतान की ओर से मिलने वाली खुशखबरी आपके चेहरे पर मुस्कान ले आएगी। माता-पिता का आशीर्वाद आपके रुके हुए काम पूरे करेगा।

मकर- आज का दिन सामान्य होते हुए भी आपको व्यस्त बनाए रखेगा। एक साथ कई काम आने से ध्यान भटक सकता है, इसलिए एक-एक करके काम निपटाना बेहतर रहेगा। दूसरों के मामलों में बोलने से बचें, वरना परेशानी बढ़ सकती है। लापरवाही से छोटे काम भी बड़े बन सकते हैं।

कुंभ- आज किस्मत आपका साथ देने को तैयार है और बिजनेस में आपकी योजनाएं शानदार परिणाम देंगी। नौकरी बदलने का सोच रहे लोगों को खुशखबरी मिल सकती है। अविवाहित लोगों के जीवन में प्यार की दस्तक दिल को खुश कर देगी। पिताजी की किसी बात से मन आहत हो सकता है, लेकिन समय के साथ सब ठीक होगा।

मीन- आज हर कदम सोच-समझकर रखने का दिन है, क्योंकि जल्दबाजी गड़बड़ी कर सकती है। संतान का व्यवहार आपको थोड़ा परेशान कर सकता है, लेकिन धैर्य से काम लें। सेहत को नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। विद्यार्थियों के अंदर कुछ नया करने की चाह जागेगी। माता-पिता की सेवा करने से मन को शांति मिलेगी। कोई पुराना लेन-देन पूरा होकर आपको राहत देगा।

शब्दजाल - 8222

शब्दजाल में '10 बीमारियों के नाम' ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

अ	व	र	सु	ए	ड्	स	प	ला	नी	इ
न	है	क	ज	इं	डो	ने	ह	चे	म	श्त
अ	जा	आ	टा	य	फा	इ	ड	च	प	नि
हु	रा	ल	मा	ज	ल	स	रा	क	इ	मो
ब	रा	पो	लि	यो	वी	क	र	क	त्ते	नि
द	जे	कि	र	क	पा	का	म	ले	रि	या
शी	मा	दे	अ	व	था	य	त	म	क	ती
को	दे	श	स्थ	न	प	य	रि	घु	व	ला
ढ़	दि	ल	मा	ले	दा	र	जा	या	वी	दे
क्षि	ज	ति	ला	हि	द	ह	मा	द	ल	र
त	र	सु	ष	मा	स्व	रा	ज	त	र	म

हैजा, टायफाइड, पोलियो, चेचक, एड्स, मलेरिया, अस्थमा, पायरिया, कोढ़, निमोनिया

शब्दजाल - 8221 का हल

म	श	मु	श	सी	बै	ड	मिं	ट	न	र
रा	क्रि	ल	प्र	क्ल	ला	व	ना	ज	कां	क्स
य	के	जुं	हे	नि	कु	ना	न	व	टि	रू
इं	ट	फु	न	शा	वा	श्ती	क	ले	ज	प
प	दा	ह	ट	ने	तो	हो	थ	गो	र	त
टे	स	क	प	बा	स	ए	व	ज	वॉ	व
द	बि	न	न	जी	ल	ह	रं	गो	ली	द
क	र	ल	प	क्श	प	त	र	चो	बॉ	ख
र	व	त	टे	रा	श	त	य	अ	ल	अ
क	र	ल	प	नि	ज	ता	रे	आ	ह	द
क	ह	रि	कि	श	स	चि	हॉ	की	त	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

8 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

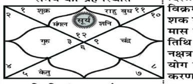

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.08 बजे से
चंद्र	धनु में	वृष	07.48 बजे से
मंगल	मीन में	मिथुन	09.47 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	12.00 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	14.16 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	16.28 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.39 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	20.53 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	23.09 बजे से
राहुकाल		मकर	01.15 बजे से
12.00 से 1.30		कुंभ	03.01 बजे से
बजे तक		मीन	04.34 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 98 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि षष्ठी 19.02 बजे को समाप्त।
नक्षत्र ज्येष्ठा 05.54 बजे को समाप्त।
योग वरीयान 17.10 बजे को समाप्त।
करण गर 05.49 बजे तदनन्तर वणिज 19.02 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 19.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 07° 07'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872673
जूलियन दिन 2461138.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल
तारीख 19

दिन का चौघड़िया			राज का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 7166

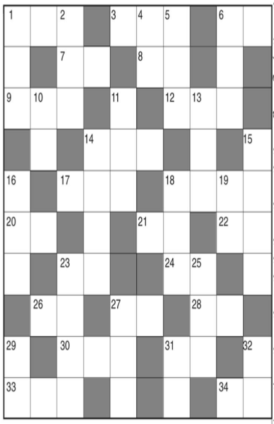

ऊपर से नीचे:-

१. फिरोज खान, जीनत की 'हम तुम्हें चाहते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२. 'कभी-कभी' में ऋषि की नायिका -३
४. 'बंदिश' में जैकी की नायिका-२
५. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'ऐसे मिली निगाहें' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ओ मेरे ढोलना' गीत वाली बॉबी देओल, करिश्मा की फिल्म-३
१०. 'मोहे छेड़ो ना' गीत वाली फिल्म-२
११. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हरीश, सोनाली की फिल्म-३
१३. सनी, संजय, रवीना, दिव्या की 'दिल ना किसी का' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'मय से मीना से ना' गीतवाली फिल्म-४
१५. 'कसम से तेरी आँखें' गीतवाली फिल्म-४
१६. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१८. अमिताभ, विनोद, सायरा की 'तुम भी चलो' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'फूल माँगू ना बहार' गीत वाली संजयकपूर, माधुरी की फिल्म-२
२३. 'उधर से जो तुमको मिले फुरसत' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'देखो देखो जी, ये है मेरी' गीत वाली जीतेंद्र, लीना की फिल्म-३
२७ रंजन, चित्रा, जयश्री की 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'तदबीर से बिगड़ी हुई' गीतवाली फिल्म-२
३१. गोविंदा, जूही की 'आ जाना जरा' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीतवाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. सलमान, आयशा की 'बैठा नीली झील किनारे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'और हम तुम' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-३
६. जीतेंद्र, रीना, रामेश्वरी की 'तूने मुझे बुलाया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जब भी ये दिल उदास' गीत वाली राकेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-२
८. 'आज नाचूँ ऐसे' गीत वाली आशा पारेख, सुनील दत्त की फिल्म-२
९. फिल्म 'कसक' की नायिका कौन थी-३
१२. 'शहर की लड़की' गीत वाली फिल्म-३
१४. अमिताभ, परवीन की 'अंग्रेजी में कहते हैं' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
१८. हिंदी फिल्मों का पहला 'ही-मैन' किसे कहा जाता है-४
२०. 'छुपा रूस्तम' में नायिका कौन -२
२१. फिल्म 'अंत' में नायिका कौन थी-२
२२. अजय देवगन, ट्विंकल की 'मेरे सीने में तेरा' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'दर्दे दिल दर्दे जिगर' गीत वाली फिल्म-२
२४.'चाइना टाउन' के संगीतकार कौन-२
२६. 'कभी खुशी कभी गम' में अमिताभ की पत्नी की भूमिका किसने की है-२
२७. 'फूल और काँटे' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२८. 'नी मैं यार मनाना नी' गीत वाली राजेश, राखी, शर्मिला की फिल्म-२
३०. राजकुमार, राजेश, माला की 'गुस्सा इतना हसीन' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'सारे मोहल्ले में हल्ला' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'मनोरंजन' में शम्मी व संजीव कुमार के साथ नायिका कौन थी-३
३४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7165

अ	न	मो	ल		फि	जा		य	श
भ		ह	व	स		न	गिं	स	
य		ब्ब		नी	ल	म		बॉ	बी
	जी	तें	द्र		ड़ा		जीं	स	
घा	त			आ	ई	ना			मु
त		आ	वा	रा		रा	जा	जा	नी
क	री	ना		ध		ज			म
	ना		बे	ना	म		मौ		जी
हे		दा	ता		हि	रा	स	त	
मा	या		ब	ल	मा		म		माँ

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: सादगी का पाठ

यह उस समय की बात है, जब लाल बहादुर शास्त्री देश के प्रधानमंत्री थे। एक बार वह कहीं जा रहे थे। उनकी गाड़ी चने के खेत के निकट से होकर गुजरी। खेत में लहलहाते हरे-हरे चने देखकर शास्त्री जी रोमांचित हो गए। उनका मन ताजे चने खाने के लिए लालायित हो उठा। उनकी यह इच्छा जानकर उनके साथ चल रहे कुछ लोग तुरंत चने तोड़ने के लिए चल पड़े। उन्हें जाते देख शास्त्री जी बोले, 'आप लोग कहां चल दिए?' यह सुनकर वे बोले, 'सर, हम आपके लिए चने लेने जा रहे हैं।' उनकी बात पर शास्त्री जी ने पूछा, 'क्या आपने चने तोड़ने के लिए खेत के मालिक से आज्ञा ले ली है?' वे बोले, 'नहीं सर, खेत के मालिक से हमने आज्ञा नहीं ली और फिर भला आपके लिए आज्ञा लेने की क्या आवश्यकता?' यह सुनकर शास्त्री जी गुस्से से बोले, 'नहीं, बिना मालिक के आदेश के कोई भी मेरे लिए चने तोड़कर नहीं लाएगा। बिना पूछे किसी की वस्तु लेना अपराध है। बिना खेत के मालिक की आज्ञा के मैं चने नहीं खा सकता।' शास्त्री जी के यह कहने पर एक व्यक्ति खेत के मालिक को ढूंढकर उसके पास पहुंचा। उसने खेत के मालिक से कहा, 'भइया, वहां गाड़ी में प्रधानमंत्री जी बैठे हुए हैं। वह खाने के लिए कुछ हरे चने मांग रहे हैं। यदि आपकी आज्ञा हो तो मैं थोड़े से चने उनके लिए ले जाऊं।' यह सुनकर किसान हैरान होते हुए बोला, 'प्रधानमंत्री जी मेरे खेत के चने मांग रहे हैं।

यह तो मेरे लिए बड़े सौभाग्य की बात है।' इतना कहकर उस किसान ने चने के कई पौधे उखाड़े और तुरंत उनके पास पहुंच कर भाव-विभोर होते हुए बोला, 'आप जैसे देवता के दर्शन पाकर आज मेरा जीवन सफल हो गया।' शास्त्री जी किसान की इस बात पर मुस्कराए फिर उससे चने लेकर उसकी पीठ थपथपाई। वह किसान ठगा सा प्रधानमंत्री की सादगी और नम्रता देखता रह गया।

सूडोकु नवताल- 7475

★★★✯☆ मध्यम

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7474 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

शब्द पहेली - 8690

बाएँ से दाएँ

1.अधिकार-2
3.समुद्र,दरिया-3
6.आनंद,रस-2
8.दबाना,कुचलना-3
10.गुंडा,बदमाश-3
12.पासों से भविष्य जानना-3
14.नाप जोख करना-3
17.जलजला-3
19.असफल-3
21.मगन,रत-2
23.व्यक्ति,जीव-3
25.सम्राट,नरेश-2
26.कार्य करने वाला-3
28.उपनदी,कैनाल-3
30.मां का प्रेम-3
32.पढ़ना,अध्ययन-3
35.पक्षाघात,फालिज-3
37.सेनापति-3
39.दूल्हा,वरदान-2
40.पक्ष,एक ओर-3
41.भीगा हुआ

ऊपर से नीचे

1.सीमा,सरहद-2
2.कटि,मध्यांग-3
4.दुख,कष्ट-2
5.गमन,विदा होना-3
7.शराब का प्याला-2
9.एक नमकीन लवण-3
11.आलेप करना-3
13.बोलने का तरीका-3
15.अयोग्य,बेकार-3
16.तहजीब,तमीज-3
18.रत्न,बहुमूल्य नग-3
20.व्यंग,परिहास-3
22.मुलायम,नाजुक-3
24.कॉफी-3
27.पंकज,नीरज,जलज-3
29.निर्माण-3
31.बल,दम,जोर-3
33.नेत्र,आंख-3
34.नौका-2
36.घात,प्रहार-2
38.जरा,थोड़ा-2

शब्द पहेली -8689 का हल

ब	द	न		चा	त	क		त
	र्श		क	ल	ह		र	वा
ता	न		ह		खा	लि	स	
क		का	र	खा	ना		भ	
त	री	का		विं		श	रा	रा
	मी		अ	द	र	क		ज
	से	ह	रा		ह		आ	न
जा	न		ज	ही	न		स	
म		म	क	र		स	न	म

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

निमटोला - थानेगांव मार्ग के निर्माण की गुणवत्ता को लेकर उठ रहे सवाल

विभागीय अधिकारी नींद में, निर्माण कार्य का बोर्ड लगाकर आवश्यक बातें लिखना भूले

पद्मेश न्यूज। लांजी।

लांजी क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर निर्माण कार्य तो संचालित है लेकिन क्या यह निर्माण कार्य पूर्ण गुणवता से किये जा रहे है वर्तमान में यह एक बड़ा प्रश्न चिन्ह है क्योकि जिस विभाग के अन्तर्गत निर्माण कार्य संचालित है उनके अधिकारी इंजीनियर शायद कुंभकरणीय नींद में जिसके चलते ठेकेदारो के द्वारा किये जा रहे निर्माण कार्य गुणवत्ता हीन श्रेणी में दिखाई दे रहे है। ऐसा ही एक मार्ग लांजी मुख्यालय के अन्तर्गत निर्माण धीन है जो कि नगर के वार्ड क्रमांक 14 नीमटोला से समीपस्थ ग्राम पंचायत थानेगांव तक निर्माण किया जा रहा है। ग्राम थानेगांव वासियो के लिये यह एक बहुप्रतिक्षित मार्ग था जिससे ग्राम पंचायत पंहुचने में आसानी होती है महज 2 किमी से कम की दुरी तय कर थानेगांव वासी अपने ग्राम पंहुच सकते है। इसकी आवश्यकता को देखते हुये जल्द से जल्द इस मार्ग का निर्माण कार्य करवाया जाना आवश्यकता था। बडी देरी के पश्चात मार्ग प्रारंभ तो हो चुका है लेकिन ग्रामीणो के द्वारा लगातार मार्ग के गुणवत्ता हिन निर्माण कार्य की बात कही जा रही है।

गुणवत्ताहीन बेस कार्य

बतादे कि उक्त मार्ग को लेकर लगातार शिकायतें कि जा रही थी लेकिन ना तो विभाग के अधिकारी, इंजीनियर ध्यान दे रहे थे और ना ही ठेकेदार, पूर्व में निर्मित कार्य को ही देखा जाये तो वह उखडने लगा है। तथा अब जब दोबारा इस मार्ग का निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया है तो मौका स्थल पर देखा जा सकता है किस कदर गुणवत्ताहीन बेस कार्य किया गया है। मार्ग निर्माण के समय निर्माण स्थल पर इंजीनियर या विभाग के संबधित तकनीकी व्यक्ति को होना आवश्यक है जो कि यह देखे कि ठेकेदार के द्वारा जो कार्य किया जा रहा है वह मापदण्ड के अनुरूप है या नही लेकिन वर्तमान में निर्माण कार्य के समय कोई भी अधिकारी कर्मचारी उक्त स्थल से नदारद है। वहीं ठेकेदार के द्वारा जो बेस कार्य किया गया जा रहा है उसमें सीमेन्ट की मात्रा ना के बराबर दिखाई दे रही है जिसकी भी जांच की जानी चाहिये।

मार्ग निर्माण के लिये लगाया सूचना बोर्ड - आवश्यक जानकारी गायब

उक्त मार्ग के निर्माण कार्य के लिये निविदाकार के द्वारा जो सूचना बोर्ड लगाया गया है वह भी आधा अधूरा है। मध्यप्रदेश शासन लोक निर्माण विभाग अंकित इस बोर्ड में कार्य का नीमटोला नहर से थानेगांव मार्ग, मार्ग की लंबाई 1.80 किमी, लागत राशि के रिक्त है मतलब किस लागत से निर्माण कार्य किया जा रहा है यह निविदाकार के द्वारा या विभाग के द्वारा अंकित नही किया गया है। ठेकेदार का नाम मेसर्स टीबी एस इंफ्रास्ट्रक्चर गोंदिया, कार्य प्रारंभ करने के तिथी अंकित नही है, कार्य कब प्रारंभ हुआ यह शायद ठेकेदार और विभाग को नही पता होगा। अनुबंधानुसार कार्य पूर्ण करने की तिथी भी अंकित नही है यह भी नही पता कि कार्य कब पूर्ण होगा। परफार्मेंस गारंटी की अवधि 5 वर्ष है। कार्यपालन यंत्री एवं अनुविभागीय अधिकारी तथा उपयंत्री का नाम बोर्ड में अंकित है। बोर्ड में अतिआवश्यक था कार्य की लागत, कार्य प्रारंभ दिनांक एवं पूर्णता दिनांक तथा किस डिजाईन, मटेरियल आदि का उपयोग कर इस मार्ग का निर्माण कार्य किया जाना है लेकिन ऐसा कुछ भी बोर्ड में अंकित नही दिखाई दिया जिससे साथ प्रतित होता है कि विभाग के अधिकारी कर्मचारी कितने लापरवाह है जो कि निविदाकारो से पूरी तहर से अंकित सूचना बोर्ड भी नही लगवा पा रहे है।

प्याऊ का किया शुभारंभ, वृक्षारोपण कर पक्षियों के लिए बांधे सकोरे

पद्मेश न्यूज। लांजी। महावीर इंटरनेशनल लांजी, जिला बालाघाट म प्र द्वारा संगठन की प्रेरणा एवं सौजन्य से ग्राम बिसोनी में हनुमान जयंती और महावीर जयंती के अवसर शीतल जल वाटिका का शुभारंभ बिसोनी (लांजी) में किया गया । भीषण गर्मी को देखते हुए क्षेत्र में आज एक नए प्याऊ का शुभारंभ किया गया। इस पहल का उद्देश्य

राहगीरों, मजदूरों और आम नागरिकों को स्वच्छ एवं ठंडा पेयजल उपलब्ध कराना है। प्याऊ का उद्घाटन स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि गर्मी के मौसम में पानी की व्यवस्था करना एक पुण्य कार्य है और इससे लोगों को काफी राहत मिलेगी। प्याऊ पर प्रतिदिन स्वच्छ पानी की व्यवस्था की जाएगी तथा नियमित रूप से साफ-सफाई का भी ध्यान रखा जाएगा। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह सेवा कार्य समाज के लिए बेहद उपयोगी है।

हरित पौधा रोपण अभियान तहत पौधा वितरण किया गया

पर्यावरण संरक्षण और हरित अभियान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आज महावीर इंटरनेशनल लांजी संस्था/संगठन द्वारा पौधे वितरण कार्यक्रम का किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार के फलदार, छायादार एवं औषधीय पौधों का निःशुल्क वितरण किसानों को किया गया। लोगों को अधिक से अधिक पेड़ लगाने और उनकी देखभाल करने का संदेश दिया। पेड़-पौधे हमारे जीवन का आधार हैं। बढ़ते प्रदूषण को रोकने और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए हर व्यक्ति को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए।

पक्षियों के पानी के सकोरे वितरण

बढ़ती गर्मी को देखते हुए पक्षियों के लिए पानी के सकोरे (मिट्टी के बर्तन) वितरण का सराहनीय कार्य किया गया। इस दौरान लोगों को अपने घरों की छतों और आसपास के स्थानों पर पक्षियों के लिए दाना-पानी रखने के लिए प्रेरित किया गया। लोगों को बताया गया कि भीषण गर्मी में पक्षियों को पानी की अत्यधिक आवश्यकता होती है, और ऐसे छोटे प्रयास उनके जीवन को बचाने में मददगार साबित हो सकते हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में नागरिकों को निःशुल्क सकोरे वितरित किए गए। इस पहल के माध्यम से लोगों को पर्यावरण संरक्षण और जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशील बनने का संदेश भी दिया गया। आयोजकों ने सभी से अपील की कि वे नियमित रूप से सकोरों में पानी भरते रहें ताकि पक्षियों को राहत मिल सके।महावीर इंटरनेशनल लांजी के सभी सदस्यों जिनमें रामकुमार खरगाल, फणींद्र दुरुगकर, भूपेश कर्राहे, प्रमोद नखाते, राजा भूते, अरशद खान, दादू नकतोडे, दुर्गेश तिड? नंदकिशोर बिलावर, नेहाल गौतम, उमाकांत उपराडे, लीलाराम, कुबेर कर्राहे, गोरख कर्राहे, प्रदीप अग्रवाल, आदि अन्य सभी गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

श्रीमती प्रमिला बाई रणदिवे पंचतत्व में विलीन

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम पाथरगांव निवासी गुणीराम जी रणदिवे (मुनीम) की धर्मपत्नी श्रीमती प्रमिला बाई रणदिवे का सोमवार रात्रि 2 बजकर 15 मिनट पर 70 वर्ष की आयु में निधन हो गया। इनका अंतिम संस्कार मंगलवार 7 अप्रैल को दोपहर 1 बजे पाथरगांव मोक्षधाम में किया गया। आप अपने पीछे तीन पुत्र खुरेंद्र रणदिवे, महेंद्र रणदिवे, राजेंद्र रणदिवे का भरा-पूरा परिवार छोड़ स्वर्ग सिधार गए। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में इष्टमित्र, रिश्तेदार, सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय लोगों ने शामिल होकर उनके निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की तथा इस दुख की घड़ी में ईश्वर से परिवार को शक्ति प्रदान करने तथा दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने की प्रार्थना की।

फांसी लगाकर युवक ने की आत्महत्या- शराब पीने का था आदी

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खजरी में एक 42 वर्षीय सतीश चोखांदरे नामक व्यक्ति ने सोमवार 6 अप्रैल 2026 को अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने इस मामले में मर्ग क्रमांक 11/2026 दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना की सूचना मृतक के बड़े भाई शैलेन्द्र चोखांदरे (49 वर्ष) ने दी। पुलिस में दी सुचना के अनुसार, सतीश मजदूरी का काम करता था और अलग मकान में रहता था। उसकी पत्नी हिरमतीबाई और बेटा शुभम दो-तीन दिन पहले मामा के गांव देवरबेली गए हुए थे। सतीश 5 अप्रैल को शाम करीब 6 बजे अपने घर वापस लौटा था। 6 अप्रैल के सुबह करीब 11 बजे शैलेन्द्र अपने भाई के घर गया तो दोनों दरवाजे (आगे-पीछे) बंद मिले। दरवाजा खटखटाने पर कोई जवाब नहीं मिला। पीछे की खिड़की से झांकने पर सतीश पलंग पर मृत अवस्था में दिखा, गले में पीली नायलोन की रस्सी बंधी हुई थी। शैलेन्द्र ने हल्ला किया और पड़ोसियों को बुलाया। लोगों ने पीछे का दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया। शव पलंग के ऊपर तख्त पर गिरा हुआ था। छत के पंखे से रस्सी का एक हिस्सा टूटा हुआ था और कुछ हिस्सा गले में बंधा था। गांव वालों ने शव को पलंग से नीचे उतारा और छप्पर में लिटाकर रस्सी खोल दी। गले पर फांसी के काले निशान साफ दिख रहे थे। परिवार के लोगों ने बताया कि सतीश अक्सर शराब पीने का आदी था। घटना के समय वह अकेला घर में था। दो दिन बाद परिवार में शादी का कार्यक्रम होने वाला था, जिसके लिए लोग घर पर इकट्ठा थे। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा किया एवं शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने देहाती मर्ग इंटीमेशन के आधार पर मर्ग क्र. 11/2026 धारा 194 बीएनएसएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

बालाघाट जिले में 26 बंधपत्र पोस्टग्रेजुएट चिकित्सक पदस्थ, स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगा बल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश शासन, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग भोपाल के निर्देशानुसार प्रदेश के विभिन्न शासकीय चिकित्सालयों में स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा पूर्ण कर चुके 1061 बंधपत्र चिकित्सकों की पदस्थापना की गई है। इसी क्रम में बालाघाट जिले के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में कुल 26 पोस्टग्रेजुएट बंधपत्र चिकित्सकों को तैनात किया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने जानकारी देते हुए बताया कि इन चिकित्सकों में से 8 को शहीद भगत सिंह शासकीय जिला चिकित्सालय बालाघाट, 6 को सिविल अस्पताल वारासिवनी, 2 को सिविल अस्पताल लांजी, 4 को सिविल अस्पताल बैहर, 4 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटंगी तथा 2 चिकित्सकों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालबर्रा में पदस्थ किया गया है। सभी नियुक्त चिकित्सकों को 15 दिवस के भीतर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में उपस्थित होना अनिवार्य किया गया है। जिला चिकित्सालय बालाघाट में रेडियोडायग्नोसिस, मानसिक रोग, पैथोलॉजी, शिशु रोग, नेत्र रोग, फॉरेंसिक मेडिसिन, त्वचा रोग एवं कम्युनिटी मेडिसिन के विशेषज्ञ तैनात किए गए हैं। वहीं सिविल अस्पताल वारासिवनी में एनेस्थीसिया, जनरल मेडिसिन, जनरल सर्जरी, स्त्री एवं प्रसूति रोग, नेत्र रोग एवं अस्थि रोग विशेषज्ञ पदस्थ किए गए हैं। सिविल अस्पताल लांजी में एनेस्थीसिया एवं शिशु रोग, सिविल अस्पताल बैहर में एनेस्थीसिया, जनरल सर्जरी, स्त्री एवं प्रसूति रोग एवं शिशु रोग विशेषज्ञों की नियुक्ति हुई है। इसी प्रकार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटंगी में एनेस्थीसिया, जनरल सर्जरी, स्त्री एवं प्रसूति रोग एवं शिशु रोग तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालबर्रा में जनरल मेडिसिन एवं स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ पदस्थ किए गए हैं। इन विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती से जिले में स्वास्थ्य सेवाएं सुदृढ़ होंगी और मरीजों को बेहतर व गुणवत्तापूर्ण इलाज की सुविधा मिल सकेगी।

जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक स्थगित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 08 अप्रैल को आयोजित होने वाली जिला जल एवं स्वच्छता मिशन (DWSM) एवं जल जीवन मिशन की बैठक अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दी गई है। आगामी बैठक की सूचना पृथक से प्रदान की जाएगी।

बिठली नदी क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन पर कार्रवाई, 4 ट्रैक्टर जब्त, 2 फरार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले की तहसील बिरसा अंतर्गत ग्राम बिठली स्थित नदी क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। कार्रवाई के दौरान अवैध खनन में संलिप्त कुल 6 ट्रैक्टरों को चिन्हित किया गया, जिनमें से 4 ट्रैक्टरों को मौके पर ही जब्त कर लिया गया। डिप्टी कलेक्टर एवं बिरसा के प्रभारी तहसीलदार आदित्य नारायण तिवारी ने बताया कि प्रशासनिक टीम के पहुंचते ही 2 ट्रैक्टर चालक नदी पार कर पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ की सीमा में फरार हो गए हैं। जब्त किए गए ट्रैक्टरों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ आगे भी लगातार कार्रवाई जारी रहेगी और इसमें संलिप्त पाए जाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सर्वे रिपोर्ट में उचित डेटा और पिछड़ेपन के वैज्ञानिक प्रमाणों की कमी

भोपाल। मप्र की 32 ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) जातियों को केंद्रीय ओबीसी सूची में शामिल करने का इंतजार बढ़ गया है, क्योंकि इन जातियों के संबंध में तैयार की गई सर्वे रिपोर्ट में कमियां और विसंगतियां पाई गई हैं। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने इन जातियों को केंद्र की सूची में शामिल करने के लिए राज्य सरकार द्वारा भेजे गए प्रस्ताव की जांच की है, लेकिन रिपोर्ट में उचित डेटा और पिछड़ेपन के वैज्ञानिक प्रमाणों की कमी के कारण अभी अंतिम निर्णय नहीं लिया जा सका है। इसे देखते हुए विभाग की ओर से इन जातियों के संबंध में अब मह स्थित डॉ. बीआर अंबेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय के माध्यम से दोबारा सर्वे कराया जा रहा है।

गौरतलब है कि भोपाल में 17 फरवरी, 2025 को राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने जन सुनवाई की थी। इसमें ओबीसी से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई थी। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के तत्कालीन अध्यक्ष हंसराज गंगाराम अहीर और सदस्यों के समक्ष ओबीसी की लंबित सभी 32 जातियों को केंद्रीय सूची में शामिल करने की मांग रखी थी। इस पर आयोग के अध्यक्ष ने सर्वे में सामने आई त्रुटियां दूर कर दोबारा रिपोर्ट भेजने को कहा था। इस कृष्णा गौर ने एक महीने में सर्वे कराकर रिपोर्ट भेजने की बात कही थी। गौरतलब है कि आधिकारिक जानकारी के मुताबिक मप्र में 32 ओबीसी जातियां/उपजातियों कर ओर से उन्हें केंद्रीय सूची में शामिल कराने की मांग लंबे समय से की जा रही हैं। इसे देखते हुए पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने मप्र जन अभियान परिषद से 32 जाति/उपजातियों के सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक एवं सेवा में पिछड़ेपन के आंकड़े एकत्रित करने के लिए सर्वे कराया था। करीब साल भर चले सर्वे के बाद परिषद द्वारा रिपोर्ट विभाग को प्रस्तुत की गई थी। फिर इस रिपोर्ट को राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को सौंपा गया। रिपोर्ट का अध्ययन करने पर आयोग ने त्रुटियां गिनाते हुए फिर से रिपोर्ट भेजने की बात पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग से कही थी। आयोग ने कहा था कि रिपोर्ट में सामने आईं कमियों को दूर किया जाए।

जानकारी के अनुसार, आयोग ने स्पष्ट किया है कि त्रुटियों को दूर कर नई रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। इसके बाद ही इन जातियों को केंद्रीय सूची में शामिल करने पर विचार होगा। इसलिए इन जातियों को केंद्रीय सूची में शामिल होने के लिए अभी और इंतजार करना पड़ेगा। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के रुख को देखते हुए मप्र सरकार के पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने अब इन ओबीसी जातियों के संबंध में सर्वे कराने की जिम्मेदारी महू स्थित डॉ. बीआर अंबेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय को सौंपी है। विश्वविद्यालय इन ओबीसी जातियों के संबंध में विस्तृत सर्वे कर रिपोर्ट पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग को सौंपेगा। विभाग फिर से इस रिपोर्ट को राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के समक्ष पेश करेगा। इसके बाद आयोग इन 32 ओबीसी जातियों को केंद्रीय सूची में शामिल करने या नहीं करने के संबंध में अंतिम निर्णय लेगा।

पिछड़ा वर्ग की दवेज, भोपा मनभाव, दमामी, हरिदास, कोहरी, फूलमाली (फूलमारी), कलार, जायसवाल, डउसेना, लोढा (तंवर), गोलान, गौलान, गवलान, जादम, कुडमी, रूआला/रूहेला, अब्बासी के साथ सक्का, घोषी गवली और गोली है। इनके अतिरिक्त लिंगायत, महाकुल (राउत), थारवार, जमना लोधी, मनधाव डूकर, कोल्हाटी, घड़वा, झारिया, वोवरिया, मोवार, रजवार, सुत सारथी, तेलंगा, तिलंगा, गयार/परधनिया, बया महरा/कौशल, वया थोरिया, खरादी, कमलीगर, संतराम, शेख मेहतर केंद्रीय पिछड़ा वर्ग सूची में शामिल होंगी।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मुख्यमंत्री डॉ.यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में लिए गए निर्णय

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश के सर्वांगीण विकास और जन-कल्याण की दिशा में कई क्रांतिकारी निर्णय लिए गए हैं। प्रदेश की प्रगति को नई गति देने के लिए राज्य सरकार ने विभिन्न विकास कार्यों और महत्वपूर्ण योजनाओं के लिए कुल 16,720 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की है। इस बैठक में शिक्षा, कृषि, सिंचाई, प्रशासनिक सुधार और बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। बैठक में लिये गये निर्णयानुसार ,भोपाल में एक अत्याधुनिक वित्तीय प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान (स्त्रञ्जक्रढ्ढ)की स्थापना की जाएगी, जिससे सरकारी कामकाज में पारदर्शिता और वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित होगा। किसानों के हित में आगामी 3 वर्षों के लिए चना एवं मसूर के उपार्जन के लिये 3,174 करोड़ रुपये और मंदसौर की कातना सूक्ष्म सिंचाई परियोजना को मंजूरी दी गई। शिक्षा क्षेत्र को मजबूती देते हुए आर.टी.ई. के तहत फीस प्रतिपूर्ति, पीएमश्री स्कूल योजना के विस्तार और कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्रों को मुफ्त पुस्तकों के लिए वित्तीय स्वीकृति दी गयी। साथ ही, उज्जैन हवाई पट्टी को एयरबस विमानों के अनुकूल विकसित करने और दिल्ली में पढ़ रहे अनुसूचित जाति के छात्रों को 10 हजार रुपये मासिक सहायता देने जैसे दूरगामी फैसले भी लिए गए हैं। यह निर्णय प्रदेश की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने और समाज के हर वर्ग को लाभ पहुँचाने के सरकार के संकल्प को दर्शाते हैं।

मंदसौर जिले की कातना सूक्ष्म सिंचाई परियोजना के लिए 88.41 करोड़ रूपये की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा मंदसौर जिले की कातना सूक्ष्म सिंचाई परियोजना लागत राशि 88.41 करोड़ रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान किये जाने का निर्णय लिया गया। परियोजना से मंदसौर जिले की भानपुरा तहसील के 12 ग्रामों में 3500 हैक्टेयर में सिंचाई सुविधा का लाभ होगा।

वित्तीय प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान (FTRI) की स्थापना की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा निर्णय लिया गया कि वित्तीय प्रशासन एवं प्रबंधन से संबंधित सभी स्तरों के कार्मिकों को केंद्रीकृत एवं मानकीकृत प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए वित्तीय प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान (FTRI) की स्थापना, आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासनिक एवं प्रबंधन अकादमी, भोपाल के परिसर में की जाएगी। संस्थान का उद्देश्य वित्तीय प्रशासन एवं प्रबंधन से संबंधित सभी स्तरों के कार्मिकों को केंद्रीकृत एवं मानकीकृत प्रशिक्षण प्रदान करना होगा, जिससे विभागीय कार्यकुशलता, वित्तीय अनुशासन तथा पारदर्शिता में गुणात्मक सुधार सुनिश्चित किया जा सके। प्रदेश में वर्तमान में संचालित 7 लेखा प्रशिक्षण शालाओं का चरणबद्ध एकीकरण कर राज्य स्तरीय एकीकृत प्रशिक्षण व्यवस्था स्थापित की जायेगी। संस्थान के लिए पद सृजन पर राज्य शासन पर कोई अतिरिक्त वित्तीय भार नहीं आएगा। तीन वर्षों 2026-27, 2027-28, 2028-29 में स्थापना और संचालन के लिए वित्तीय लागत लगभग 26 करोड़ रूपये आयेगी।

वाणिज्यिक कर विभाग की 8 योजनाओं के लिए 2030-2031 तक निरन्तरता और 2952 करोड़ रूपये का अनुमोदन

मंत्रि-परिषद द्वारा वाणिज्यिक कर विभाग के अंतर्गत 8 योजनाओं की 2030-2031 तक निरन्तरता और लगभग 2,952 करोड़रूपये का अनुमोदन दिया गया है। इसमें मध्यप्रदेश नगरीय अधोसंरचना विकास निधि का 2026-2027 से 2030-2031 तक निरन्तरता और 1,317 करोड़ 62 लाख रूपये का अनुमोदन किया गया है। सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी कार्य, विभागीय परिसंपत्तियों का संधारण, आबकारी सामग्री की खरीद, विभागीय दुकानों का संचालन एवं कार्यालय भवनों का निर्माण का वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक निरतंरता और 120 करोड़ 98 लाख रूपये का अनुमोदन किया गया है। इसी तरह स्टॉम्प्स की लागत के लिए 806 करोड़ रूपये और मुख्यालय स्थापना व्यय एवं जिला कार्यपालिक स्थापना के लिए 1,428 करोड़ रूपये का अनुमोदन दिया गया है।

वन क्षेत्र में पुनरुत्पादन, पुनर्स्थापना एवं संरक्षण के लिए 5,215 करोड़ रुपए की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा भारत सरकार द्वारा स्वीकृत कार्य आयोजना के प्रावधानों के अनुसार वन क्षेत्रो में पुनरुत्पादन, पुनर्स्थापना एवं संरक्षण

कार्यवृत्तों में उपचार कार्य के लिए 01 अप्रैल, 2026 से 31 मार्च, 2031 तक कुल 05 वर्षो के लिए 5,215 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गई है। इसके अंतर्गत प्रथम वर्ष उपचार कार्यों के साथ-साथ विगत वर्षों में कराए गए कार्यों का रखरखाव भी सम्मिलित है।

चना एवं मसूर का वर्तमान वित्तीय वर्ष सहित तीन वर्ष में उपार्जन के लिए 3,174 करोड़ रूपये की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा चना एवं मसूर के उपार्जन के लिए रबी वर्ष 2025-26 (विपणन वर्ष 2026-27) के लिए चना एवं मसूर के कुल उपार्जन लागत राशि 7,050 करोड़ की 15 प्रतिशत कार्यशील पूँजी ऋण प्राप्त किये जाने के लिए वर्तमान वित्तीय वर्ष सहित 3 वर्ष के उपार्जन कार्य के लिए3,174 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गई है। रबी विपणन वर्ष 2026-27 के लिए 1,058 करोड़ रूपये 1 वर्ष की अवधि के लिए, रबी विपणन वर्ष 2027-28 के लिए 1,058 करोड़ रूपये 1 वर्ष की अवधि के लिए एवं रबी विपणन वर्ष 2028-29 के लिए 1,058 करोड़ 1 वर्ष की अवधि के लिए निःशुल्क शासकीय प्रत्याभूति अथवा अग्रिम राशि विपणन संघ को उपलब्ध कराई जाने का निर्णय लिया गया है। भारत सरकार की प्राइस सपोर्ट स्कीम के अंतर्गत प्रदेश के किसानों को लाभान्वित किये जाने के लिए रबी विपणन वर्ष 2026-27, रबी विपणन वर्ष 2027-28 एवं रबी विपणन वर्ष 2028-29 में दलहनी फसलों-चना एवं मसूर का उपार्जन किया जाएगा। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ भोपाल द्वारा उपार्जन किया जाएगा। भारत सरकार की प्राइस सपोर्ट स्कीम के अंतर्गत चना के कुल उत्पादन का 25 प्रतिशत और मसूर के कुल उत्पादन का 100 प्रतिशत उपार्जन किया जायेगा। चना एवं मसूर के उपार्जन में मंडी शुल्क में छूट प्रदान की जायेगी।

आर.टी.ई. के तहत अशासकीय विद्यालयों को ट्यूशन फीस की प्रतिपूर्ति के लिए 3,039 करोड़ रूपये की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा शिक्षा का अधिकार अधिनियम अनुसार गैर अनुदान प्राप्त अशासकीय स्कूलों में कक्षा 1 से 8 तक के बच्चों को निःशुल्क और अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा उपलब्ध कराने के लिये फीस प्रतिपूर्ति योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 से वित्तीय वर्ष 2030-31 तक की निरंतरता के लिए राशि 3,039 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

कक्षा 9वीं से 12वीं तक अध्ययनरत् छात्र-छात्राओं को निःशुल्क पुस्तकें प्रदाय करने के लिए 693 करोड़ की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश के सभी हाई स्कूल एवं हायर सेकण्डरी स्कूलों में अध्ययरत छात्र छात्राओं के लिए निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए योजनान्तर्गत 2026-27 से 2030-31 तक 5 वर्ष के लिए प्रतिवर्ष 5 प्रतिशत मूल्य वृद्धि तथा नामांकन में वृद्धि के मान से लाभान्वित होने वाले छात्रों की संख्या के आधार पर 693 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की गयी ।

निःशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण योजना में प्रदेश के समस्त शासकीय हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूलों में कक्षा 9वीं से 12वीं तक अध्ययनरत् छात्र छात्राओं को पाठ्य पुस्तक निगम से पुस्तकें मुद्रित कराकर निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती है।

पीएमश्री स्कूल योजना के लिए 940 करोड़ रूपये की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा पीएमश्री स्कूल योजना के वर्ष 2031 तक विस्तार के लिए राज्यांश 940 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की गयी । पीएमश्री स्कूल एक केन्द्र प्रायोजित योजना है, भारत सरकार द्वारा पीएमश्री स्कूल योजना को सितंबर 2022 में अनुमोदित किया गया जिसका उद्देश्य चयनित विद्यालयों को 5 वर्षों की अवधि में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 अनुरूप अनुकरणीय विद्यालयों (E&emplar Schools) के रूप में विकसित करना है। इसमें अधोसंरचना सुदृढ़ीकरण, शिक्षण अधिगम सुधार, अनुभवात्मक अधिगम, डिजिटल लर्निंग, मूलभूत साक्षरता-संख्यात्मकता, हरित एवं सुरक्षित शिक्षण वातावरण तथा छात्रों की शैक्षणिक दक्षता में वृद्धि पर बल दिया जाता है।

अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों को छात्रगृह योजना में प्रतिमाह 10 हजार रूपये प्रदाय किए जाने की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा दिल्ली में उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत मध्यप्रदेश के अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों के लिए छात्रगृह योजना में जनजातीय कार्य विभाग की भांति प्रति विद्यार्थी प्रतिमाह 10 हजार रूपये के भुगतान की स्वीकृति प्रदान की गई है। योजनांतर्गत प्रति वर्ष 100 नवीन विद्यार्थियों एवं पूर्व से अध्ययनरत विद्यार्थियों सहित प्रवेश दिया जाकर लाभांवित किया जाएगा। इसमें 50 नवीन स्नातक, 50 नवीन स्नातकोत्तर और 50 पूर्व से अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए एक वर्ष के मान से 1.80 करोड़ रूपये स्वीकृत किए गए है।

उज्जैन में शासकीय हवाई पट्टी में एयरबस विमानों के संचालन के लिए भूमि अधिग्रहण के लिए 590 करोड़ रूपये की स्वीकृति

भारत सरकार की RCS-UDAN योजना के तहत उज्जैन स्थित शासकीय हवाई पट्टी को बोइंग 320 एयरबस विमानों के संचालन के लिये विकास/विस्तार करने के लिये राज्य सरकार एवं भाविप्रा के मध्य आवश्यक अनुबंध एवं स्ह्न निष्पादित हो चुका है। योजना में राज्य सरकार द्वारा भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को भूमि उपलब्ध कराई जाती है। मंत्रि-परिषद द्वारा इस कार्य के लिए कुल 437.5 एकड़ भूमि अधिग्रहित करने और राशि 590 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गई है। उज्जैन, देश-विदेश में धार्मिक एवं पर्यटन की दृष्टि से अत्यधिक महत्वपूर्ण है, जहाँ 12 ज्योर्तिलिंगों में एकमात्र दक्षिणमुखी ज्योर्तिलिंग महाकालेश्वर एवं सांदीपनी आश्रम स्थित है तथा सिंहस्थ महाकुंभ का आयोजन भी होता है, जिससे यहां पर काफी अधिक संख्या में श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को दूरस्थ क्षेत्रों से आवागमन होता रहता है। विक्रम उद्योगपुरी एवं अन्य औद्योगिक क्षेत्रों के कारण औद्योगिक गतिविधियों में तेजी से वृद्धि हो रही है। इसके अतिरिक्त उज्जैन कृषि एवं सेवा क्षेत्र की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण एवं विकासशील नगर है, इसलिए हवाई पट्टी का उन्नयन आवश्यक है।

नेशनल सिक्योरिटी गार्ड के मॉक ड्रिल के दौरान एसएएफ सिपाही की मौत

भोपाल। लाल परेड मैदान में चल रहे नेशनल सिक्योरिटी गार्ड के मॉक ड्रिल के दौरान एसएएफ में तैनात सिपाही की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। उन्हें मॉक ड्रिल के दौरान घबराहट हुई थी। मामले की जांच अरेरा हिल्स थाना पुलिस कर रही है। पुलिस ने शव पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। थाना पुलिस के अनुसार रावेंद्र भदौरिया उर्फ सोनू भदौरिया (35) रायसेन जिले के उदयपुरा के रहने वाले थे। वह 2011 में पुलिस सेवा में आए थे। उन्होंने 2013 में कमांडों का कोर्स किया था। जिसके बाद उन्हें एसटीएफ में प्रतिनियुक्ति पर भेज दिया गया था। रावेंद्र भदौरिया उर्फ सोनू 4 अप्रैल से चल रहे एनएसजी कमांडों के मॉक ड्रिल रिहर्सल में शामिल होने आए थे। लाल परेड मैदान में सोमवार सुबह वे अभ्यास सत्र में शामिल हुए थे। सुबह लगभग आठ बजे सत्र शुरु हुआ तो अचानक रावेंद्र की तबीयत बिगड़ गई। घबराहट महसूस होने पर वह कंट्रोल रूम चले गए।

वित्त विभाग के ऑडिट में सामने आया चौंकाने वाला खुलासा

मप्र में जेंडर बजट के पैसों का इस्तेमाल....सड़कों, स्कूल भवनों और जल योजनाओं में हो रहा

भोपाल। मध्यप्रदेश के वित्त विभाग के ऑडिट में जेंडर बजट को लेकर चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। वर्ष 2007-08 से शुरू किए हुए जेंडर बजट का उद्देश्य महिलाओं के कल्याण, सशक्तीकरण और आर्थिक भागीदारी को बढ़ाना था। इसके तहत महिलाओं को रोजगार प्रशिक्षण, स्वास्थ्य सेवाएं, वित्तीय सहायता और सुरक्षित आवास जैसी सुविधाएं देने का प्रावधान किया गया था। शुरुआती वर्षों में इस बजट का उपयोग सही दिशा में हुआ, लेकिन हाल के वर्षों में इसके खर्च के स्वरूप में बदलाव देखने को मिला है।

ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार, अब जेंडर बजट की बड़ी राशि सड़कों, स्कूल भवनों और जल योजनाओं जैसी सामान्य विकास योजनाओं पर खर्च हो रही है। मोहन सरकार का तर्क है कि इन योजनाओं से महिलाओं को अप्रत्यक्ष रूप से लाभ मिलता है, इसलिए इन्हें जेंडर बजट में शामिल किया गया है। वहीं राज्य के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा का कहना है कि सभी खर्च निर्धारित नियमों के अनुसार ही किए जा रहे हैं।

बता दें कि जेंडर बजट का मूल उद्देश्य महिलाओं को छोटे कर्ज तक सीमित रखने के बजाय उन्हें बड़े आर्थिक अवसरों से जोड़ना, तकनीकी और आधुनिक क्षेत्रों में प्रशिक्षण देना, और सुरक्षित कार्य व आवास वातावरण उपलब्ध कराना है। साथ ही, महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण, मातृ सेवाओं और डिजिटल सशक्तीकरण पर भी ध्यान देना इसका अहम हिस्सा है। हालांकि 2025-26 में वन स्टॉप सेंटर और महिला हेल्पलाइन जैसी योजनाओं पर खर्च कम हुआ, जबकि जल जीवन मिशन पर लगभग 4500 करोड़ रुपये खर्च किए गए। सरकार का कहना है कि इससे ग्रामीण महिलाओं का समय बच रहा है। इसके अलावा, शहरों में स्मार्ट लाइटिंग और सीसीटीवी, स्कूल निर्माण, छात्राओं के लिए साइकिल वितरण और महिला कर्मचारियों के आवास पर भी खर्च किया गया। 2026-27 के लिए कुल 1.27 लाख करोड़ रुपये का जेंडर बजट निर्धारित किया गया है, जिसमें से 23,382 करोड़ रुपये लाड़ली बहना योजना पर खर्च होगा। हालांकि ऑडिट में यह भी सामने आया कि कई योजनाओं के खर्च के प्रमाण पत्र जमा नहीं किए गए और कुछ फंड का उपयोग वेतन व प्रशासनिक खर्चों में किया गया। कुल मिलाकर, रिपोर्ट यह संकेत देती है कि जेंडर बजट का उद्देश्य धीरे-धीरे व्यापक विकास योजनाओं में समाहित हो रहा है, जिससे महिलाओं को अप्रत्यक्ष लाभ तो मिल रहा है, लेकिन लक्षित सशक्तीकरण योजनाओं पर ध्यान कम हो रहा है।

विधानसभा की भूमिका मां की तरह, हम अपने दायित्व को समझें- विस अध्यक्ष

नवगठित सभा समितियों की संयुक्त बैठक में विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर का संबोधन

भोपाल। विधानसभा के बारे में जब हम विचार करते हैं तो तरह-तरह के विचार आते हैं। अगर सबसे बड़ी पंचायत लोकसभा है तो पंचायत व नगरीय निकाय छोटी इकाई हैं। विधानसभा पूरे राज्य का प्रतिनिधित्व करती है। विधानसभा की भूमिका मां की तरह होती है। जिस तरह मां अपने बच्चे को जन्म देती है, उसका लालन-पालन कर उसे देश के हित में तैयार करने की कल्पना करती है, ठीक उसी तरह हम भी विधानसभा को मां की भूमिका में देखेंगे तो हम भी अपने दायित्व को उसके संपूर्ण रूप में देख पाएंगे। अपनी भूमिका के बारे में सोच पाएंगे। यदि मां विधानसभा के सदस्य के रूप में हम सभी के विचार में प्रदेश की आठ करोड़ जनता के कल्याण का ख्याल नहीं आता है तो हमारी भूमिका अधूरी है। हमें इस अधूरी भूमिका को पूर्ण करने का कार्य करना चाहिए।

यह बात विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने मध्य प्रदेश विधानसभा में वर्ष 2026-27 के लिए नवगठित सभा समितियों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए कही। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, संसदीय कार्यमंत्री कैलाश विजयवर्गीय, उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा तथा नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार उपस्थिति थे।

विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने अपने संबोधन में कहा कि मध्य प्रदेश के विधायी इतिहास में विधानसभा की समितियों ने उल्लेखनीय कार्य किया है। मगर बीते कुछ वर्षों में कुछ सदस्य लगातार इन समितियों की बैठकों में अनुपस्थित रहे। इस पर चिंतन की आवश्यकता बताते हुए विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि समितियों की बैठक नियमित होने का लक्ष्य रखा जाना चाहिए। एक वर्ष में कम से कम 12 बैठकें होने की अपेक्षा है। समिति की बैठक होने से विधानसभा के कार्य व्यवहार में सुधार की संभावना होगी। समितियों की बैठक का यदि परिणाम नहीं भी निकलता है तो भी अध्ययन प्रक्रिया से हमारा ज्ञान समृद्ध होगा।

बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संसदीय परंपरा के पालन के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने विधानसभा में कुछ सदस्यों के आचरण पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि कई बार कुछ सदस्य दायरे के बाहर जाकर कार्य कर जाते हैं। सकारात्मक आलोचना का स्वागत है लेकिन इस तरह का आचरण अपेक्षित नहीं होता। ऐसे में संसदीय समितियों का बड़ा महत्व है। उन्होंने उम्मीद जताई कि विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के संसदीय ज्ञान व नवाचारों के माध्यम से मध्य प्रदेश विधानसभा की कार्यवाहियां संसदीय इतिहास की परंपरा को समृद्ध करेगी।

समितियों की संयुक्त बैठक को संसदीय कार्यमंत्री कैलाश विजयवर्गीय व नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी संबोधित किया। आभार प्रदर्शन प्राक्कलन समिति के सभापति अजय विश्नोई ने किया। इस बैठक में मध्यप्रदेश विधानसभा की कुल 21 समितियों के सभापति एवं सदस्यगण तथा मध्यप्रदेश विधानसभा के प्रमुख सचिव अरविंद शर्मा एवं सचिवालय के अधिकारीगण उपस्थित थे।

भाजपा अब यंग लीडरशिप ट्रांजिशन की ओर

- भाजयुमो की नई टीम भविष्य की रणनीतिक का ब्लूप्रिंट

- मिशन 2028 के चुनावी समीकरणों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है टीम टेलर

भोपाल। मप्र भाजपा युवा मोर्चा की यह नई कार्यकारिणी सिर्फ एक संगठनात्मक सूची नहीं है। यह साफ तौर पर भविष्य की राजनीति और 2028 विधानसभा चुनाव की रणनीतिक ब्लूप्रिंट नजर आती है। इस पूरी कार्यकारिणी को अगर बड़े राजनीतिक संदर्भ में देखें तो यह साफ है कि भाजपा अब यंग लीडरशिप ट्रांजिशन की ओर बढ़ रही है। वरिष्ठ नेताओं के साथ-साथ युवा चेहरों को तैयार किया जा रहा है, ताकि भविष्य में नेतृत्व का गैप न बने। यानी यह टीम संगठनात्मक मजबूती, सामाजिक संतुलन और चुनावी रणनीति-तीनों का मिश्रण है। भाजपा ने इस लिस्ट के जरिए यह दिखाने की कोशिश की है कि वह सिर्फ सत्ता की पार्टी नहीं, बल्कि जमीनी कैडर और दीर्घकालिक प्लानिंग पर काम करने वाला संगठन है। यही कारण है कि यह कार्यकारिणी आने वाले चुनावी समीकरणों में निर्णायक भूमिका निभा सकती है।

भाजपा ने टीम टेलर (भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर)के जरिए तीन बड़े संदेश दिए हैं-कैडर आधारित राजनीति, गुटीय संतुलन और सामाजिक विस्तार। सबसे पहले अगर गुटीय संतुलन की बात करें तो पार्टी ने इस सूची में किसी एक बड़े नेता के खेमे को हावी नहीं होने दिया। प्रदेश की राजनीति में पारंपरिक रूप से मौजूद अलग-अलग शक्ति केंद्र-मालवा लॉबी, महाकौशल समूह और ग्वालियर-चंबल प्रभाव-इन सभी को संतुलित प्रतिनिधित्व दिया गया है। इससे यह संकेत जाता है कि संगठन ने अंदरूनी खींचतान को सीमित रखने की कोशिश की है और युवा मोर्चा को एक न्यूट्रल प्लेटफॉर्म के रूप में तैयार किया गया है। एबीवीपी बैकग्राउंड वाले चेहरों की बड़ी संख्या इस बात का संकेत है कि भाजपा अब पूरी तरह से कैडर टू पावर मॉडल पर काम कर रही है। छात्र राजनीति से आए कार्यकर्ता विचारधारा के लिहाज से अधिक प्रतिबद्ध माने जाते हैं। इससे संगठन को लॉन्ग टर्म में स्थिर और अनुशासित नेतृत्व मिलता है। यह रणनीति कांग्रेस के मुकाबले भाजपा की पारंपरिक ताकत भी रही है।

क्षेत्रीय समीकरणों पर दिया ध्यान

क्षेत्रीय समीकरण देखें तो यह टीम बहुत सोच-समझकर बनाई गई है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन जैसे शहरी और राजनीतिक रूप से प्रभावशाली जिलों के साथ-साथ डिंडोरी, श्योपुर और भिंड जैसे इलाकों को भी बराबरी से जगह दी गई है। यह संकेत देता है कि भाजपा सिर्फ मेट्रो और बड़े शहरों तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि आदिवासी और पिछड़े जिलों में भी संगठन को मजबूत कर रही है। मालवा-निमाड़ से कई चेहरे शामिल करना भी रणनीतिक माना जा रहा है, क्योंकि यह क्षेत्र भाजपा का मजबूत गढ़ रहा है।

मप्र के पुलिसकर्मियों की छुट्टी पर लगा प्रतिबंध हटा

- डीजीपी ने लगाई थी रोक

भोपाल। मध्य प्रदेश में मंगलवार को पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के अवकाश पर लगे प्रतिबंध को हटा दिया गया है। डीजीपी ने त्योहारों के कारण 18 मार्च को यह प्रतिबंध लगाया था। पूरे प्रदेश भर की पुलिस पर यह रोक लगाई गई थी। जिसके अनुसार केवल विशेष या आपातकालीन स्थितियों में ही वरिष्ठ अधिकारियों की मंजूरी से छुट्टी मिलती थी। मप्र पुलिस के कर्मचारियों के लिए राहत भरी खबर है। पुलिस हेडक्वार्टर ने अवकाश पर लगे प्रतिबंध को हटा दिया है। सांप्रदायिक सौहार्द और कानून व्यवस्था के मद्देनजर प्रतिबंध लगाया गया था। डीजीपी ने आगामी आदेश तक के लिए अवकाश पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया था।

18 मार्च को लगाया गया था प्रतिबंध

डीजीपी ने 18 मार्च को एक आदेश जारी किया, जिसमें कहा कि तत्काल प्रभाव से कोई भी पुलिस अधिकारी या कर्मचारी बिना अनुमति से छुट्टी नहीं ले पाएगा। छुट्टी केवल और केवल इमरजेंसी स्थिति में ही मिलेगी। वह भी किसी बड़े पुलिस अधिकारी के मंजूरी के बाद। पुलिस अधिकारी ने यह निर्णय प्रदेश के अंदर सांप्रदायिक सौहार्द और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए लिया था। क्योंकि एक साथ कई त्योहार आने वाले थे। आदेश के अनुसार ईद, रामनवमी त्योहार पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस महकमा अलर्ट पर रहेगा।

विनोद / 07 अप्रैल 26

टीकमगढ़ में बुलडोजर कार्रवाई के विरोध में उमा भारती सडक़ पर उतरीं

- पोहा-जलेबी बेचकर गरीबों के हक की उठाई आवाज

भोपाल । टीकमगढ़ शहर के व्यस्त सिविल लाइन रोड पर प्रशासन द्वारा की गई अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के बाद विवाद गहरा गया है। सोमवार को हुई इस कार्रवाई के विरोध में मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती खुद सडक़ पर उतर आईं।

प्रशासन ने अस्पताल चौराहे से ईदगाह तक अभियान चलाकर 25 अवैध दुकानों को हटाया। यह कार्रवाई एसडीएम संस्कृति मुदित लिटोरिया और तहसीलदार सतेंद्र सिंह गुर्जर के नेतृत्व में की गई। अधिकारियों के अनुसार, यह कदम सडक़ सुरक्षा समिति की बैठक के आधार पर उठाया गया था, जहां यातायात प्रभारी कैलाश पटेल ने इस मार्ग पर अव्यवस्था की समस्या उठाई थी। प्रशासन का कहना है कि फुटपाथों पर दुकानों के कारण सडक़ संकरी हो गई थी, जिससे एम्बुलेंस और मरीजों को आने-जाने में परेशानी हो रही थी। कई बार चेतावनी और मुनादी के बावजूद कब्जा नहीं हटाए जाने पर यह कार्रवाई की गई। मंगलवार सुबह जब उमा भारती को इस कार्रवाई की जानकारी मिली, तो वे तुरंत अपने सिविल लाइन स्थित निवास से बाहर आईं और उसी सडक़ पर ठेला लगाकर पोहा-जलेबी बेचना शुरू कर दिया। उन्होंने इसे प्रशासन की तानाशाही करार देते हुए कहा कि गरीब दुकानदारों को हटाने से पहले उनके पुनर्वास की व्यवस्था की जानी चाहिए थी।

दुकानदारों को दिया समर्थन और आश्वासन

उमा भारती ने मौके पर मौजूद दुकानदारों से अपील की कि वे बिना डर अपने ठेले वापस लगाएं। उन्होंने कहा कि पार्षदों ने पहले ही प्रशासन को वेंडिंग जोन के लिए स्थान सुझाए थे, लेकिन इस पर ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे दुकानदारों के साथ खड़ी हैं और उनके ठेले हटने नहीं देंगी। उन्होंने कहा कि इस कार्रवाई की जानकारी उन्हें देर से मिली है और अब वे वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा करेंगी। साथ ही यह सुनिश्चित करने की कोशिश की जाएगी कि छोटे दुकानदारों को सम्मानपूर्वक स्थान मिल सके।

आज होगा दिल्ली कैपिटल्स और गुजराज टाइटंस में मुकाबला

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बुधवार को अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला गुजराज टाइटंस से होगा। यहां के अरुण जेटली स्टेडियम में होने वाले इस मैच में दिल्ली की टीम को अपने घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। उसका लक्ष्य इस मैच को किसी भी प्रकार जीतना रहेगा। वहीं दूसरी और गुजरात के कप्तान शुभमन गिल की टीम भी इस मैच को जीतकर लय हासिल करना चाहेगी। अगर आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो के बीच ही 7 मुकाबले हुए हैं जिसमें से 4 गुजरात जबकि 3 दिल्ली ने जीते हैं। दोनो के बीच पिछला मुकाबल साल 2025 में हुआ था जिसमें गुजरात जीती थी।

इस बार हालांकि हालात अलग हैं। दिल्ली कैपिटल्स ने गेंदबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ। ऐसे में गुजरात के बल्लेबाजों के लिए उसका सामना करना कठिन होगा। वहीं बल्लेबाजी की बात करें तो दिल्ली के युवा बल्लेबाज समीर रिजवी अच्छे फार्म में हैं। रिजवी ने पिछले दो मैचों में अच्छी बल्लेबाजी की थी। उसके पास के एल राहुल जैसा शीर्ष स्तर का बल्लेबाज भी है। राहुल हालांकि इस सत्र में अभी तक बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। उनका लक्ष्य लंबी पारी खेलना रहेगा। तीसरे नंबर पर नीतीश राणा पर भी इस मैच में रन बनाने का दबाव रहेगा। सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका ने यहां पिछले मैच में अपनी लय हासिल कर ली थी, जिसका लाभ उन्हें मिलेगा। दिल्ली के सलमी बल्लेबाजों को पावरप्ले में गुजरात टाइटन्स के तेज गेंदबाजों कैगिसो रबाडा और मोहम्मद सिराज से सावधान रहना होगा।

दिल्ली कैपिल्स की गेंदबाजी लुंगी एनगिडी, मुकेश कुमार, कुलदीप यादव पर निर्भर करेगी। कप्तान अक्ष्रर पटेल भी एक अच्छे स्पिनर हैं और उनका भी सहयोग मिलेगा। इसके अलावा टीम के पास टी नटराजन जैसा तेज गेंदबाज भी है। वहीं शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात टाइटन्स इस बार एक भी जीत हासिल नहीं कर पायी है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज विफल रहे हैं। टीम अपने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों साई सुदर्शन और शुभमन पर जरूरत से ज्यादा निर्भर नजर आ रही है और उसका मध्यक्रम भी अबतक विफल रहा है।

गुजरात की टीम अपने पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 205 रन का लक्ष्य भी हासिल नहीं कर पायी। टीम के पास ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर और राहुल तेवतिया जैसे खिलाड़ी हैं पर अब तक ये रन नहीं बना पाये हैं। कप्तान शुभमन गिल मांसपेशियों में खिंचाव के कारण पिछले मैच से बाहर थे पर इस मैच से उनकी वापसी तय है। गुजरात के बल्लेबाजों ही नहीं गेंदबाजों का प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा है। सिराज और रबाडा दोनो ही अब तक विकेट लेने में तो सफल रहे हैं पर इन्होंने काफी रन दिये हैं। वहीं प्रसिद्ध कृष्णा का प्रदर्शन भी उम्मीद के अनुरुप नहीं है। केवल स्पिन राशिद और युवा तेज गेंदबाज अशोक शर्मा अब तक अच्छा प्रदर्शन कर पाये हैं।

इस प्रकार देखा जाये तो इस मैच में दिल्ली जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है। ऐसे में गुजरात को जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं ़-

दिल्ली कैपिटल्स –

अक्षर पटेल (कप्तान), अभिषेक पोरेल, करुण नायर, केएल राहुल, नितीश राणा, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, माधव तिवारी, दुष्मंथा चमीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, त्रिपुराना विजय, डेविड मिलर, बेन डकेट, औकिब नबी डार, पथुम निसांका, लुंगी एनगिडी, पृथ्वी साव, काइल जैमीसन, टी नटराजन, अजय जादव मंडल, साहिल पारख।

गुजरात टाइटंस –

शुभमन गिल (कप्तान), अनुज रावत, जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, शाहरुख खान, ग्लेन फिलिप्स, राशिद खान, मानव सुथार, निशांत सिंधु, राहुल तेवतिया, वॉशिंगटन सुंदर, गुरनूर बराड़, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कैगिसो रबाडा, रविश्रीनिवासन साई किशोर, जयंत यादव, ईशांत शर्मा, अशोक शर्मा, जेसन होल्डर, टॉम बैंटन, पृथ्वी राज येरा, ल्यूक वुड, साई सुदर्शन, अरशद खान।

नसीम फिट नहीं होने के कारण पीएसएल से बाहर हुए

लाहौर । तेज गेंदबाज नशीम शाह को फिट नहीं होने के कारण पाकिस्तान सुपरलीग (पीएसएल) से बाहर कर दिया गया है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार कराची किंग्स के खिलाफ रावलपिंडी में हुए मैच के दौरान नसीम को पसली में खिंचाव आ गया था। इसी कारण ही वह टीम का पिछला मैच भी नहीं खेल पाए थे जिससे उनकी फिटनेस को लेकर संदेह बढ़ गया है। नसीम को पाकिस्तान के 2026 झ्20 विश्व कप के दौरान ही चोट लग गई थी और उन्हें इसी कारण बांग्लादेश के दौरे से बाहर कर दिया गया था।

रिपोर्ट के अनुसार नसीम की फिटनेस के अलाव उनका व्यवहार भी ठीक नहीं है जिसके कारण भी वह निशाने पर हैं। हाल में पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज पर आपत्तिजनक टिप्पणी के लिए उनपर भारी भरकम जुर्मान लगाया गया था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अधिकारियों के साथ ही मेडिकल पैनल भी उनसे नाराज हैं। अब उन्हें मेडिकल पैनल की देखरेख में एक व्यापक रिहैब (पुनर्वास) कार्यक्रम पूरा करना होगा। इस युवा तेज गेंदबाज़ ने करियर की शुरुआत में ही अपने प्रदर्शन से सभी को हैरान कर दिया था। उन्होंने 2020 में बांग्लादेश के खिलाफ हैट्रिक ली थी और 2022 टी20 विश्व कप में भी उनका प्रदर्शन अच्छा रहा था। वहीं एक रिपोर्ट में कहा गया है कि नसीम के करियर की प्रगति उनके मैदान के बाहर के व्यवहार, विज्ञापनों और पॉडकास्ट पर जरुरत से ज्यादा ध्यान देने से हुई है जिससे उनका करियर पटरी से उतर गया है। इससे चयन समिति भी नाराज है।

ग्रीन को तीसरे नंबर पर उतार कर गलती कर रही केकेआर – पीटरसन

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने आईपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) की ओर से खेल रहे ऑलराउंडर कैमरुन ग्रीन को तीसरे नंबर पर उतारे जाने को सही नहीं बताया। पीटरसने के अनुसार ग्रीन नंबर तीन पर खेलने के लिए उपयुक्त नहीं हैं। ग्रीन का प्रदर्शन भी अब तक इस सत्र में अच्छा नहीं रहा है। पंजाब किंग्स के खिलाफ भी वह शुरुआत में ही आउट हो गये थे हालांकि ये मैच बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाया। पीटसन के अनुसार ग्रीन ने इस सीरीज के तीनों मैच में मिलकार कुल 26 रन ही बनाए हैं। मुंबई इंडियंस, सनराइजर्स हैदराबाद और पंजाब किंग्स के खिलाफ उन्होंने 18, 2 और 4 बनाये। इससे पहले टी20 विश्व कप 2026 में भी वह रन बनाने में असफल रहे थे। कार्यभार प्रबंधन के तहत क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने उन्हें गेंदबाजी नहीं करने को कहा है। ऐसे में वह केवल बल्लेबाज के तौर पर ही लीग में खेल रहे हैं। इसी को लेकर पीटरसन ने कहा क , मैं उन्हें अधिक रकम दिये जाने की बात नहीं कर रहा हूं, क्योंकि यह खेल का हिस्सा है पर जब आप आईपीएल टीम में नंबर-3 पर बल्लेबाजी करते हैं, तो आपके पास उस स्तर का प्रदर्शन होना जरूरी है। उन्होंने आगे कहा, मुझे नहीं

लगता कि वह नंबर-3 पर बल्लेबाजी करने के लिए पर्याप्त रुप से अच्छे हैं। उन्होंने कुछ पारियां जरूर खेली हैंपर इतनी नहीं कि उन्हें इतनी बड़ी जिम्मेदारी दी जाए।

पीटरसन के अनुसार ग्रीन मध्य क्रम में ही बल्लेबाजी कर सकते हैं। साथ ही कहा, वह गेंदबाजी भी नहीं कर रहे हैं, ऐसे में उनकी भूमिका और भी सीमित हो जाती है। मेरे अनुसार वह एक मध्य क्रम के बल्लेबाज हैं, जो थोड़ा बहुत गेंदबाजी कर लेते हैं, बस। इस पूर्व कप्तान के इस बयान के बाद ग्रीन की भूमिका और उनकी जगह को लेकर बहस और तेज हो गई है। खासकर तब जब टीम में अन्य विदेशी खिलाड़ियों को अब तक अवसर नहीं मिला है। केकेआर के पास टिम स्टीफर्ट और रचिन रविन्द्र जैसे कई जैसे खिलाड़ी हैं जो अभी तक अंतिम ग्यारह में नहीं पहुंचे हैं। क्ष्1द्वड्डह्ठ क्ष्2द्गद्यद्य को पंजाब के खिलाफ अवसर मिला पर वह बल्लेबाजी नहीं कर पाये। ऐसे में टीम प्रबंधन के चयन के तरीके पर भी सवाल उठने लगे हैं क्योंकि ग्रीन के खराब प्रदर्शन और गेंदबाजी न करने से केकेआर का टीम संतुलन प्रभावित हो रहा है।

युवा तेज गेंदबाज वैशाख ने श्रेयस अय्यर को अच्छा कप्तान बनाया

मुम्बई । श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब किंग्स टीम ने आईपीएल के इस 19 वें सत्र में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। टीम ने अब तक के अपने दोनो मुकाबले आसानी से जीते हैं। पिछले सत्र में भी श्रेयस की कप्तानी में टीम ने शानदार प्रदर्शन किया था पर तब वह उपविजेता रही थी। अब इस सत्र में टीम का लक्ष्य खिताब जीतना है। टीम के युवा खिलाड़ी भी अपने कप्तान से खुश हैं। इसी कड़ी में तेज तेज गेंदबाज विजयकुमार वैशाख ने अय्यर को एक अच्छा कप्तान बताया और कहा कि कि वह हमेशा अपने साथियों का समर्थन करते हैं। अगर किसी खिलाड़ी का प्रदर्शन कमजोर हो तो भी वह बचाव करते है। एक गेंदबाज के लिए इस प्रकार का समर्थन जरुरी है। वह बेहतीन खिलाड़ी हैं और मुझे पूरा विश्वास है कि वह जल्द ही टीम इंडिया के कप्तान बनेंगे।वैशाख ने अय्यर के व्यवहार को टीम की सफलता की बड़ी वजह बताया।

यशपाल शर्मा, केप्लर वेसेल्स सहित ये बल्लेबाज कभी एकदिवसीय में शून्य पर आउट नहीं हुए

मुम्बई। टी20 क्रिकेट प्रारुप के आने के पहले समिति ओवरों के प्रारुप की बात करें तो केवल एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले ही होते थे। ऐसे में इनका रोमांच भी काफी होता था। इन एकदिवसीय मुकाबले में बेहतर प्रदर्शन करने वाले बल्लेबाज रातों-रात स्टार बन जाते थे। ऐसे में इसमें कई अनौखे रिकार्ड भी बने हैं। इन्हीं में से कुछ खिलाड़ी ऐसे भी रहे हैं जो इस प्रारुप में भी भी शून्या पर आउट नहीं हुए हैं। इसमें भारत के एक खिलाड़ी यशपाल शर्मा का नाम है। वहीं अन्य खिलाड़ी हैं दक्षिण अफ्रीका के केप्लर वेसेल्स, पीटर कर्स्ट,न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल और पाकिस्तान के आगा सलमान। इसमें से मिचेल और सलमान ही सक्रिय क्रिकेटर हैं।

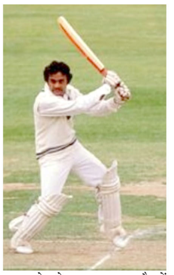

यशपाल शर्मा

साल 1983 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रहे यशपाल शर्मा ने 1978 से 1985 के बीच 42 मैचों की 40 पारियों में 28.48 की औसत के साथ 883 रन बनाये। वह अपने दौर के एक बेहतरीन बल्लेबाज रहे हैं। उन्होंने बिना किसी शतक के भी 4 अर्धशतक लगाए और 63.02 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। उस दौर में जब सुरक्षा के साधन कम थे तब इस बल्लेबाज ने तूफानी गेंदबाजों के सामने कभी भी अपना विकेट नहीं खोया।

केप्लर वेसेल्स

साल 1983 से 1994 के बीच केप्लर वेसेल्स ने 109 मैच खेले और 105 पारियों में कभी शून्य पर आउट नहीं हुए। उन्होंने 34.35 की औसत से 3367 रन बनाए। उन्होंने अपने करियर में 263 चौके जड़े, लेकिन छक्के सिर्फ 2 ही लगाए।

पीटर कर्स्टन

दक्षिण अफ्रीका के पीटर कर्स्टन की कहानी भी वेसेल्स जैसी ही जुझारू है। 1991 से 1994 के छोटे अंतराल में उन्होंने 40 मैच खेले और बिना किसी शून्य के 1293 रन बनाए। इसमें उनका औसता 38.02 जबकि स्ट्राइक रेट 56.02 रहा। इस क्रिकेटर ने अपने करियर में 9 अर्धशतक लगाए और 90 चौके लगाये।

डेरिल मिचेल

न्यूजीलैंड के इस बल्लेबाज ने 2021 से 2026 के बीच सिर्फ 59 मैचों में 58.47 का बेहतरीन औसत और 95.72 का स्ट्राइक रेट से रन बनाये है। मिचेल ने अब तक 9 शतक और 12 अर्धशतक लगाये हैं। मिचेल ने 71 छक्के लगा दिए हैं।

आगा सलमान

पाकिस्तान के आगा सलमान ने साल 2022 से 2026 के दौरान 50 मैचों की 42 पारियों में 45.23 का औसत से रन बनाये हैं। आगा का सबसे अधिक स्कोर 134 रन रहा है। सलमान का स्ट्राइक रेट 96.18 है। उन्होंने 135 चौके और 29 छक्के भी लगाये हैं।

सीएसके के खराब प्रदर्शन का कारण है स्पिनर नूर अहमद - इरफान पठान

चेन्नई। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान कहा है कि आईपीएल के 19 वें सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खराब प्रदर्शन का सबसे बड़ा कारण स्पिनर नूर अहमद हैं। पठान ने कहा कि नूर का लचर प्रदर्शन इस समय सीएसके ??की सबसे बड़ी परेशानी हैं। उन्होंने इस सत्र में करीब 10 ओवर गेंदबाजी करते हुए 100 से ज्यादा रन दिए हैं और एक भी विकेट नहीं लिया है। मेरा मानना ??है कि अगर वह अपने रन-अप का कोण सही कर लेते हैं तो उनके शरीर का संतुलन बेहतर हो जाएगा और उनका एक हाथ, जो एक तरफ झुक जाता है, वह भी सीधा हो जाएगा।

उन्होंने साथ ही कहा, मैं उनकी गेंदबाजी से बहुत निराश हूं, क्योंकि उनके पास काफी अनुभव पर इसके बाद भी वह प्रभावित नहीं कर पाये हैं। उन्होंने पहले भी काफी अच्छा प्रदर्शन किया है और उनकी इकॉनमी भी अच्छी रही है पर इस लीग में वह वैसा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। जिसकी जीत के लिए जरुर होती है।

आईपीएल में सबसे धीमे शतक का रिकार्ड है विराट सहित इन खिलाड़ियों के नाम

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में एक से बड़कर एक आक्रामक पारियों को देखने का अवसर मिलता है। वहीं कुछ ऐसे भी बल्लेबाज हैं जो इस लीग में धीमी बल्लेबाज करते हुए भी शतक लगाने में सफल रहे हैं। इसी सूची में विराट कोहली सबसे ऊपर हैं। आईपीएल इतिहास में सबसे धीमे शतक लगाने वाले पांच बल्लेबाजों की सूची में शामिल सभी बल्लेबाज भारतीय हैं।

विराट कोहली

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने जयपुर में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के खिलाफ साल 2004 में 72 गेंद में नाबाद 113 रन बनाये थे। इस पारी में 12 चौके और 4 छक्के शामिल थे। कोहली ने अपना शतक 67 गेंदों में पूरा किया। यह आईपीएल इतिहास का संयुक्त रूप से सबसे धीमा शतक था। यह कोहली के आईपीएल करियर का 8वां शतक था।

मनीष पांडे

मनीष पांडे ने आईपीएल 2009 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से डेक्कन चार्जर्स (डीसी) के खिलाफ शतक लगाया था। यह आईपीएल और टी20 क्रिकेट में किसी भी भारतीय बल्लेबाज का पहला शतक था। मनीष ने ये शतक 73 गेंद में नाबाद 114 रन बनाकर लगाया। इसमें 10 चौके और 4 छक्के शामिल थे।

सचिन तेंदुलकर

मुंबई इंडियंस (एमआई) के पूर्व कप्तान और महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने आईपीएल में केवल एक ही शतक लगाया है। सचिन ने कोच्चि टस्कर्स केरल (केटीके) के खिलाफ 66 गेंद में शतक लगाया। इसमें उन्होंने 12 चौके और 3 छक्के लगाए। यह सचिन का टी20 क्रिकेट में पहला और आखिरी शतक था। .

केएल राहुल

बल्लेबाज केएल राहुल ने पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) की ओर से मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ 64 गेंदों में शतक लगाया था। यह उनके करियर का दूसरा शतक था। राहुल ने अपनी पारी में 6 चौके और 6 छक्के लगाए थे।

अंबाती रायुडू

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेलते हुए अंबाती रायुडू ने सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ 62 गेंद में शतक लगाया था। रायुडू ने इस मैच में 62 गेंद में 7 चौकों और 7 छक्कों की मदद से 100 रन बनाये।

20 अप्रैल के बाद ही खेल पायेंगे दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज स्टार्क

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिल्स टीम के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क अभी फिट नहीं हैं और ऐसे में वह अगले तीन मैचों में नहीं खेलेगे। दिल्ली कैपिटल्स के लिए ये करारा झटका है क्योंकि स्टार्क उसके सबसे अच्छे गेंदबाज हैं। दिल्ली को बुधवार को गुजरात टाइटंस से खेलना है जिसमें उसे स्टार्क की कमी खलेगी। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार स्टार्क इस समय कंधे और कोहनी की चोट से जूझ रहे है। माना जा रहा है कि वह 20 अप्रैल के बाद ही खेलने के लिए फिट हो पायेंगे। वहीं इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स को तीन मैच खेलने हैं जिसमें उसे इस तेज गेंदबाज के बिना उतरना होगा। उसे 8 अप्रैल को गुजरात टाइटंस, 11 अप्रैल को चेन्नई सुपर किंग्स और 18 अप्रैल को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का मुकाबला करना है। स्टार्क के बाहर होने के बाद भी दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स और मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपने शुरुआती दो मैच जीत लिए हैं जिससे उसका मनोबल मजबूत हुआ है।

टीम ने गेंदबाजी में मुकेश कुमार, लुंगी एनगिडी, टी नटराजन, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और विप्राज निगम को शामिल किया है। स्टार्क के टीम में जुड़ने से दिल्ली की गेंदबाजी की धार बढ़ेगी।

इससे पहले स्टार्क ने कहा था कि वह केवल फिटनेस के कारण बाहर हैं। इसका कोई और मतलब नहीं निकालें। स्टार्क ने लिखा कि मीडिया में उनकी प्रतिबद्धता पर सवाल उठाये जा रहे हैं पर ये गलत है वह केवल फिट नहीं होने के कारण टीम से बाहर हैं।

अश्विन ने आईपीएल से संन्यास के कारणों का खुलासा किया

चेन्नई । पूर्व क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने साल 2025 में अचानक ही इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से संन्यास की घोषणा कर सभी को हैरान कर दिया था। तब उन्होंने कहा था कि वह विदेशी लीग में खेलने के लिए ये कदम उठा रहे हैं। वहीं अब एक साल बाद अश्विन ने खुलासा किया है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में रहते हुए उन्हें मानसिक परेशानी के दौर से गुजरना पड़ा था जिसके कारण उन्हें सन्यास की घोषणा करनी पड़ी। अश्विन के अनुसार अगर उस तरह की परेशानी नहीं आती तो वह इतनी जल्दी आईपीएल नहीं छोड़ते और कुछ समय इस लीग में बने रहते। अश्विन ने साल 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इसके एक साल बाद उन्होंने आईपीएल से भी संन्यास की घोषणा कर दी थी। इस स्पिनर ने कहा कि उन्होंने फ्रेंचाइजी को उनके भविष्य के बारे में फैसला करने के संशय से बचाने के लिए स्वयं ही आईपीएल छोड़ दिया था।

अश्विन ने कहा, मेरा सीएसके के साथ सत्र अच्छा नहीं रहा था। यह मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से निराशाजनक सत्र था। सच कहूं तो मुझे लग रहा था कि मैं और खेल सकता हूं पर मैंने अचानक ही इसलिए संन्यास ले लिया क्योंकि मैं भावनात्मक रूप से कई अन्य चीजों को साथ लेकर नहीं खेल सकता था। अश्विन ने आईपीएल से संन्यास की घोषणा करने से पहले 2025 के सत्र में कम अवसर किए जाने के बाद सीएसके से कहा था कि उनकी भूमिका को स्पष्ट किया जाये। वह सीएसके के 14 मैचों में से केवल 9 मैच में ही खेले थे। सीएसके से ही उन्होंने अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी, इसलिए वह इस टीम से भावनात्मक रुप से जुड़े थे। उन्होंने कहा, मैं वहां नहीं जाना चाहता। यह मानसिक रूप से परेशान करने वाला है। यह मेरे लिए बहुत पीड़ादायक था। मैं वहां नहीं जाना चाहता था। मैंने थोड़ी चर्चा की और फिर फैसला किया कि मैंने चेन्नई से शुरुआत की है और मैं अपने गृहनगर में ही इसे समाप्त कर रहा हूं। अश्विन ने कहा, मैंने संन्यास लेने का फैसला इसलिए किया क्योंकि इससे उन्हें मुझे टीम में बनाए रखने या बाहर करने का फैसला लेने के लिए दुविधा में नहीं पड़ना पड़ा। इसके अलावा मेरे संन्यास लेने से उनकी 10 करोड़ रुपये की बचत भी हुई।

मद्रास हाई कोर्ट ने विधानसभा चुनाव के दौरान आईपीएल पर रोक से इंकार किया

चेन्नई । मद्रास हाई कोर्ट ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के दौरान आईपीएल रोकने से इंकार कर दिया है। मद्रास हाईकोर्ट ने चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में होने वाले आईपीएल मैच के जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान ये बात कही। इससे पहले मैचों की तारीखों को राज्य में होने वाले विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए पुनर्निर्धारित करने की मांग की गई थी।

हाई कोर्ट की पीठ ने कहा कि याचिका दायर होने के बाद से ही एक मैच पहले ही हो चुका है। इस मैच में किसी प्रकार से नियमों का उल्लंघन नहीं हुआ। कोर्ट ने यह भी कहा कि निर्वाचन आयोग आवश्यक कदम उठा रहा है और

अगर किसी प्राकर को कोई उल्लंघन होता है तो याचिकाकर्ता आयोग से संपर्क कर सकता है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा, आपकी याचिका के बाद भी एक मैच हुआ। आप इसमें नियमों का कोई उल्लंघन नहीं दिखा पाए। आपने भी मैच देखा होगा और आनंद लिया होगा। इसलिए अगले मैचों का भी आनंद लीजिए।

कोर्ट ने यह भी कहा कि जनहित याचिका आशंका और पूर्वानुमान के आधार पर दायर की गई थी जिससे कि मैच के समय कोई उल्लंघन न हो। कोर्ट ने कहा कि वह ऐसी आशंका और पूर्वानुमान के आधार पर याचिकाएं स्वीकार नहीं कर सकती। कोर्ट ने कहा, 卐हम यहां कुछ नहीं कर सकते। यह चुनाव आयोग का काम है। वे कदम उठा रहे हैं। अगर कोई उल्लंघन है तो आप चुनाव आयोग से संपर्क कर सकते हैं। यह याचिका टी प्रभाकरण ने चेपॉक स्टेडियम में प्रस्तावित आईपीएल मैचों की तारीखों को पुनर्निर्धारित करने के लिए दायर की थी।

आईपीएल में इस कारण होते हैं 14 मैच

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में आईपीएल में किस प्रकार से मुकाबले रखे जाते है। इसका राज अब खुला है। आईपीएल मे 10 टीमें खेल रही है। इसमें लीग स्तर पर हर टीम को 14 मैच खेलने होते हैं। इसमें 7 अपने घरेलू मैदान पर और 7 दूसरे मैदानों पर ये टीमें खेलती हैं। अगर हर टीम बची हुई 9 टीमों से दो-दो बार खेले, तो कुल मैच 18 होंगे। ऐसे में इतने लंबे कार्यक्रम से समय-सीमा, खिलाड़ियों पर पड़ने वाला बोझ और प्रसारण योजना पर भी विपरीत प्रभाव पड़ेगा। इसी कारण लीग में 18 की जगह 14 मैचों को रखा गया है। इससे टूर्नामेंट में संतुलन भी बना रहता है। इसमें इर टीम अपने ग्रुप की बची हुई 4 टीमों से एक-एक मैच खेलती है। वहीं दूसरे ग्रुप की सभी 5 टीमों से दो-दो मैच होते हैं। इसमें कुछ कमजोरी भी नजर आती है। इसमें किसी टीम को मजबूत विरोधी टीम के खिलाफ दो मैच खेलने पड़ सकते हैं, जबकि किसी अन्य टीम को कमजोर टीमों से ज्यादा मुकाबले खेलने को मिल सकते हैं। अगर किसी टीम का सत्र शानदार चल रहा है और उससे आपका दो बार सामना होता है, तो चुनौती बढ़ जाती है. वहीं, कमजोर फॉर्म वाली टीम से दो मुकाबले मिलना फायदे में बदल सकता है। लीग का संतुलनप केवल खेल तक सीमित नहीं है।

हमारी सरकार ने घुसपैठियों को चिह्नित किया... 4 मई के बाद उन्हें बाहर निकाला जाएगा

कांग्रेस अवैध घुसपैठियों के दम पर सत्ता पाना चाहती

गुवाहाटी। बीजेपी के चाणक्य और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने असम के श्रीभूमि जिले के पथारकंडी में चुनावी रैली को संबोधित कर कांग्रेस पार्टी पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि केवल भाजपा ही असम राज्य को अवैध घुसपैठ से बचा सकती है और इसकी सांस्कृतिक पहचान को बच सकती है। शाह ने कहा, भाजपा की सरकार बनने दें, हमारी सरकार ने घुसपैठियों को चिह्नित करके रखा है। अब बारी है एक-एक करके इन्हें चुन-चुन कर बाहर करने की। केवल भाजपा ही है जो करीमगंज का नाम बदलकर श्रीभूमि कर सकती है। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस है, जो अवैध घुसपैठियों के सहारे सत्ता हासिल करना चाहती है।

मैं आज यहां से कहकर जाता हूं, राहुल गांधी कान खोलकर सुन लीजिए, हम असम को घुसपैठिया बहुल नहीं बनने देने वाले है। जिनकी जड़ें इटली में हो, उन्हें श्रीभूमि का मतलब क्या मालूम होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असमिया और बांग्ला भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने का काम किया है।

केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा, हम सीएए की बात करते हैं, तब कांग्रेस इसका विरोध करती है। कांग्रेस पार्टी ने षड्यंत्र के साथ क्षेत्र को घुसपैठिया बहुल क्षेत्र बनाने का प्रयास किया। वोट बैंक की गंदी राजनीति कर उन्होंने 1950 के इमिग्रेंट एक्ट को समाप्त कर दिया। इसके बदले में गोपीनाथ यह एक्ट लेकर आए थे। कांग्रेस ने 1983 में आईएमडीटी एक्ट पास कर घुसपैठियों को यहां शरण देने का काम किया।

असम, बंगाल और त्रिपुरा तीनों जगह भाजपा-एनडीए सरकार बनने के साथ ही पूरी घुसपैठ बंद होगी। चुन-चुन कर हम घुसपैठियों को देश के बाहर करने वाले है। ये घुसपैठिये हमारे युवाओं के रोजगार, गरीबों के राशन और चाय बागान के मजदूरों की मजदूरी छीनने का प्रयास कर रहे हैं। इन्हें देश के बाहर निकालने का काम भाजपा सरकार करेगी।

केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा, जब से राहुल गांधी कांग्रेस के नेता बने हैं, सभी कांग्रेस नेताओं का सार्वजनिक स्तर नीचे हो गया है। अभी दो दिन पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि गुजरात और जो प्रांत भाजपा का समर्थन करते हैं वे अनपढ़ हैं। इस बात पर कांग्रेसियों को शर्म आनी चाहिए। जिस गुजरात ने दयानंद सरस्वती, महात्मा गांधी, सरदार पटेल, विक्रम साराभाई और पीएम मोदी जैसे नेता दिए, उस गुजरात को आप अनपढ़ कह रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा था कि आरएसएस और भाजपा सांप हैं, इन्हें मार देना चाहिए। मैं खड़गे को कहना चाहता हूं कि मंच पर चढ़कर देखिए, हजारों की संख्या में भाजपा और आरएसएस के लोग खड़े हैं। यह लोकतंत्र की भाषा नहीं है।

जम्मू-कश्मीर में 16 साल से फरार पाकिस्तानी आतंकी गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने लश्कर-ए-तैयबा टेरर मॉड्यूल से जुड़े कुल 5 लोगों को अरेस्ट किया है। इनमें से दो पाकिस्तानी आतंकी हैं, बाकी उनके मददगार हैं। एक आतंकी की पहचान अब्दुल्ला उर्फ अबू हुरेरा के रूप में हुई है। अब्दुल्ला 16 साल से फरार था। वहीं, दूसरा पाकिस्तानी आतंकी उस्मान उर्फ खुबैब है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ-साथ सेंट्रल एजेंसियां भी इस ऑपरेशन में शामिल थीं। जम्मू-कश्मीर, राजस्थान और हरियाणा समेत 19 जगहों पर सर्च ऑपरेशन चलाया गया। कुछ सामान भी बरामद किया। जांच में लश्कर-ए-तैयबा के एक नेटवर्क का पता चला, जो आतंकवादियों को लॉजिस्टिक्स और फाइनेंशियल मदद करता था।

बॉर्डर पार हैंडलर्स के संपर्क में थे तीन मददगार

अधिकारियों के मुताबिक, पकड़े गए पांच लोगों में श्रीनगर के तीन लोग शामिल हैं। उन्होंने बताया कि मोहम्मद नकीब भट, आदिल राशिद भट और गुलाम मोहम्मद मीर उर्फ मामा को आतंकवादियों को पनाह और खाना समेत लॉजिस्टिक मदद देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

2010 में भारत में घुसे थे दो पाकिस्तानी आतंकी

अधिकारियों ने कहा कि जांच से पता चलता है कि एक अन्य आतंकवादी दूसरे राज्यों में लश्कर-ए-तैयबा नेटवर्क की मदद से जाली कागजात और पहचान के आधार पर देश से बाहर जाने में कामयाब रहा। आतंकवादियों ने करीब 16 साल पहले भारत में घुसपैठ की थी, जिस दौरान वे कश्मीर घाटी के अलग-अलग जिलों में एक्टिव रहे। इन सालों में, उन्होंने करीब 40 आतंकवादियों को कमांड किया। इनमें से ज्यादातर को सुरक्षाबलों ने मार गिराया।

चुनाव बाद 22 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में होगा एसआईआर

नई दिल्ली। पांच राज्यों में चल रहे विधानसभा चुनाव के बाद चुनाव आयोग देशभर में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के तीसरे और अंतिम फेज को लागू करने की तैयारी में है। इसमें दिल्ली सहित 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को कवर किया जाएगा। चुनाव आयोग के अधिकारियों के मुताबिक, 29 अप्रैल को मतदान खत्म होने के बाद या नतीजों की घोषणा के बाद एसआईआर की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है। इस महीने केरल, असम, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। इन राज्यों में मतदान 29 अप्रैल तक पूरा होगा, जबकि रिजल्ट 4 मई को आएंगे। दरअसल, चुनाव आयोग ने 24 जून 2025 को पूरे देश में एसआईआर कराने का आदेश दिया था। 19 फरवरी 2026 को आयोग ने तीसरे चरण की तैयारियां जल्द पूरी करने के निर्देश दिए थे। अब तक 10 राज्य और 3 केंद्र शासित प्रदेश कवर हो चुके हैं। एसआईआर के पहले फेज में बिहार में एसआईआर कराया गया था। दूसरे चरण में 28 अक्टूबर 2025 से 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में यह प्रक्रिया शुरू हुई। इनमें उत्तर प्रदेश को छोड़कर बाकी 12 राज्यों में फाइल वोटर लिस्ट जारी हो चुकी है, जबकि यूपी में प्रक्रिया जारी है।

मोतिहारी मस्जिद हथियार मामला : पीएफआई की बड़ी साजिश का पर्दाफाश

नई दिल्ली । मोतिहारी मस्जिद से हथियार मिलने के मामले की जांच कर रही बिहार पुलिस और केन्द्रीय जांच एजेंसियों के हाथ बड़ी सफलता लगी है। मामले में पीएफआई की बड़ी साजिश का पर्दाफाश हो गया है। जांच एजेंसियों को आशंका है कि दो साल बाद फिर पीएफआई के स्लीपर सेल को बिहार झारखंड में सक्रिय करने की साजिश रची जा रही है। इस साजिश में अहम कड़ी आर्म्स रैकेट है, जिसका पर्दाफाश करने के लिए नेशनल इनवेस्टिगेशन एजेंसी बिहार में 10 जगहों पर छापेमारी कर रही है। केन्द्रीय जांच एजेंसी सूत्रों के मुताबिक इसकी संभावना है कि इसी मस्जिद से कुछ सालों पहले गिरफ्तारी किए गए पीएफआई मास्टर ट्रेनर याकूब के सहयोगी दो साल बाद फिर पीएफआई स्लीपर सेल को सक्रिय करने की योजना पर काम कर रहे थे। बात दें कि याकूब वहीं व्यक्ति है, जो कि इंटरनेट पर भड़काऊ पोस्ट कर अयोध्या में राम मंदिर स्थल पर बाबरी मस्जिद के निर्माण की वकालत कर युवाओं को आतंकवादी प्रशिक्षण देने का आरोप था।

मुख्य सचिव को फटकारते हुए सीजेआई ने कहा....

कृपया अपना पद इतना नीचे लाएं कि हम संपर्क कर सकें

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के मालदा कांड पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने राज्य के मुख्य सचिव को कड़ी फटकार लगा दी। शीर्ष अदालत ने कहा कि घटना वाले दिन कलकत्ता हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस का फोन तक नहीं उठाया गया, जो बंगाल में प्रशासन की गंभीर विफलता को दिखाता है। सुप्रीम कोर्ट ने तीखी टिप्पणी कर पूछा, क्या आप चीफ जस्टिस का फोन भी नहीं उठा सकते? और मुख्य सचिव से इस पर माफी मांगने को कह दिया। यह मामला 1 अप्रैल को स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) ड्यूटी के दौरान सात न्यायिक अधिकारियों को घंटों घेरकर रखने और बंधक बनाने की घटना से जुड़ा है। सुप्रीम कोर्ट ने बेहद गंभीर मानकर जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दी है।

मालदा कांड की जांच सुप्रीम कोर्ट ने एनआईए को सौंपी

सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति बागची ने टिप्पणी की, फोन शाम को आते। अगर आपने अपने मोबाइल नंबर दिया होता, तब मुख्य न्यायाधीश और उच्च न्यायालय प्रशासन को बहुत मदद मिलती। जब मुख्य सचिव ने कहा कि उनका नंबर उपलब्ध है, तब न्यायमूर्ति बागची ने तीखी प्रतिक्रिया देकर कहा कि आप इतने ऊंचे पद पर नहीं हो सकते कि मुख्य न्यायाधीश आपसे संपर्क न कर सकें। कृपया अपना पद इतना नीचे लाएं कि सीजेआई आपसे संपर्क कर सकें। मुख्य न्यायाधीश ने मुख्य सचिव और डीजीपी दोनों को उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से लिखित माफी मांगने का निर्देश दिया। न्यायालय ने कहा कि आपको माफी मांगनी चाहिए, यह आपके नागरिक प्रशासन और पुलिस अधिकारियों की घोर विफलता है कि हमें न्यायिक अधिकारियों को शक्तियां देनी पड़ीं। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने गौर किया कि मुख्य सचिव से संपर्क करने के लिए घंटों के प्रयासों के बावजूद कोई जवाब नहीं मिला, जबकि घटना के दौरान सात न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाया गया था। मुख्य न्यायाधीश ने टिप्पणी की, नौकरशाही इसी तरह काम करती है! इस राज्य में अराजकता फैली हुई है।

स्थिति की गंभीरता को रेखांकित कर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि घटना दोपहर करीब 3ः30 बजे शुरू हुई, लेकिन उन्हें इसकी सूचना रात 11ः30 बजे ही मिली। उन्होंने कहा, तब तक क्या-क्या हो सकता था? हजारों लोगों को इकट्ठा होने और इकट्ठा होते रहने की अनुमति दी गई थी। न्यायमूर्ति बागची ने कहा कि इससे भी गंभीर परिणाम को रोकने के लिए भारत के मुख्य न्यायाधीश के हस्तक्षेप की आवश्यकता पड़ी। अदालत ने घटनास्थल पर पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए। जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षक की मौजूदगी के बारे में दिए गए बयानों का हवाला देकर न्यायमूर्ति बागची ने कहा जब रजिस्ट्री ने एसपी से संपर्क किया, तब वे बस देख रहे थे।

शीर्ष अदालत ने निर्देश दिया कि गिरफ्तार आरोपियों से अब एनआईए पूछताछ करेगी और उनकी हिरासत एजेंसी को सौंपी जाए। राज्य पुलिस को सभी केस डायरी, जांच दस्तावेज और जरूरी लॉजिस्टिक सहायता एनआईए को सौंपने का निर्देश दिया।

एक जज को सुप्रीम कोर्ट में लाने की अनोखी कहानी, भावी सीजेआई...10 वरिष्ठ जजों को किया गया जब दरकिनार

नई दिल्ली। जस्टिस ज्योतिमॉल्य बागची के सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचने और भविष्य में भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बनने की संभावनाओं को लेकर अनोखे फैसले को उजागर करती है। वर्तमान में वे जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच में शामिल हैं, जो बंगाल में वोटर लिस्ट से जुड़े स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) मामले की सुनवाई कर रही है। यह संयोग भी है कि बागची, जो कलकत्ता हाईकोर्ट से आए हैं, उसी राज्य से जुड़े संवेदनशील मुद्दे की सुनवाई कर रहे हैं।

जस्टिस बागची का करियर सफल वकील के रूप में शुरू हुआ। उन्होंने बांग्लादेशी लेखिका तसलीमा नसरीन की किताब 卐द्विखंडितो卐 पर लगे प्रतिबंध के खिलाफ बंगाल सरकार को चुनौती देकर बड़ी जीत हासिल की थी। 2011 में जज बनने से पहले ही वे आपराधिक कानून के विशेषज्ञ माने जाते थे। वे अक्सर कहते हैं कि न्याय की असली समझ बारीकियों में छिपी होती है, लेकिन उसका आधार सही इरादा होता है।

2011 में जज बनने के बाद उनका कार्यकाल पश्चिम बंगाल की राजनीति और प्रशासन के साथ लगातार जुड़ा रहा। तभी ममता बनर्जी की अगुवाई में तृणमूल कांग्रेस सत्ता में आई। 2012 में जब ममता ने न्यायपालिका पर सवाल उठाए, तब उनके खिलाफ मानहानि का मामला लाने की मांग हुई। यह मामला जस्टिस बागची की बेंच में आया, लेकिन उन्होंने आगे बढ़ाने से इंकार किया। यह फैसला एक ओर मुख्यमंत्री के लिए राहत था, वहीं दूसरी ओर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में उनके विश्वास को दर्शाता है।

उनके करियर का महत्वपूर्ण मोड़ 2021 में आया, जब उनका तबादला आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट कर दिया गया। वहां भी उन्होंने अपनी साख मजबूत की। उनका शांत स्वभाव और संतुलित दृष्टिकोण उन्हें अन्य जजों से अलग बनाता है। सबसे अहम और असामान्य पहलू उनका सुप्रीम कोर्ट में चयन है। 6 मार्च 2025 को सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने एक दुर्लभ निर्णय लेकर उन्हें सुप्रीम कोर्ट का जज नियुक्त किया, जबकि वरिष्ठता सूची में वे 11वें क्रम पर थे। इस फैसले में 10 वरिष्ठ जजों को नजर अंदाज किया गया। आमतौर पर नियुक्तियां सीनियारिटी के आधार पर होती हैं, लेकिन इस मामले में दीर्घकालिक रणनीति को प्राथमिकता दी गई।

कॉलेजियम का मानना था कि जस्टिस बागची लंबे समय तक सुप्रीम कोर्ट में सेवा दे सकते हैं और भविष्य में सीजेआई बनने की दौड़ में सबसे आगे हैं। अनुमान है कि जस्टिस के. वी. विश्वनाथन के रिटायर होने के बाद मई 2031 में जस्टिस बागची देश के मुख्य न्यायाधीश बन सकते हैं। यह अपने आप में एक अनोखी बात है कि किसी जज का चयन इस दृष्टि से किया गया कि वह आगे चलकर सीजेआई बने। इसके अलावा, इस निर्णय के पीछे क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व का भी तर्क था। 2013 में जस्टिस अल्तमस कबीर के रिटायरमेंट के बाद से कलकत्ता हाईकोर्ट से कोई भी सीजेआई नहीं बना था। उस समय सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस दीपांकर दत्ता ही वहां से एकमात्र प्रतिनिधि थे। हालांकि 10 वरिष्ठ जजों में से 4 कलकत्ता हाईकोर्ट से थे, लेकिन वे सभी जल्द ही रिटायर होने वाले थे। इस तरह, जस्टिस बागची का चयन केवल वर्तमान योग्यता या वरिष्ठता के आधार पर नहीं, बल्कि भविष्य की नेतृत्व क्षमता, लंबी सेवा अवधि और न्यायपालिका में संतुलित प्रतिनिधित्व को ध्यान में रखकर किया गया एक रणनीतिक और दूरदर्शी फैसला था।

ताजा ओपिनियन पोल के मुताबिक असम में तीसरी बार खिलेगा कमल

असम में वोटर बीजेपी को जमकर वोट कर सकते

गुवाहाटी। असम विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी और कांग्रेस जोरों से प्रचार कर रही हैं। इस बीच असम चुनाव को लेकर ताजा ओपिनियन पोल सामने आया है। इस ओपिनियन पोल के अनुसार असम में तीसरी बार बीजेपी की सरकार बनने जा रही है। इस ओपिनियन पोल के मुताबिक, हिमंत बिस्वा सरमा की अगुवाई में असम में फिर से कमल खिलने वाला है, जबकि देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस पर प्रदेश की जनता ने भरोसा नहीं जताया है। ओपिनियन पोल के मुताबिक, बीजेपी असम चुनाव में सौ के करीब सीटें पा सकती है।

ओपिनियन पोल के मुताबिक, असम में बीजेपी को इस बार प्रचंड बहुमत मिल सकता है। पोल के अनुसार बीजेपी को 83-90 सीटें मिलने का अनुमान हैं। वहीं विपक्षी कांग्रेस के खाते में 30-36 सीटें जा सकती हैं। इसके अलावा अन्य के खाते में 3-6 सीटें जाने की संभावना है।

ओपिनियन पोल के मुताबिक, असम में वोटर बीजेपी को जमकर वोट कर सकते हैं। पोल के मुताबिक, असम में बीजेपी को 46 प्रतिशत वोट मिलने का अनुमान जाहिर किया गया है। इसके अलावा कांग्रेस के लिए 36 प्रतिशत वोट मिलने की संभावना है।

दरअसल 15वीं असम विधानसभा का कार्यकाल 20 मई 2026 को समाप्त हो रहा है। असम में कुल 2.5 करोड़ वोट है। इसमें 1.25 करोड़ पुरुष और 1.25 करोड़ महिला मतदाता हैं।

भारत के विश्व गुरु बनने का समय आ गया है-मोहन भागवत

मथुरा । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा है कि पश्चिम एशिया में जारी अशांति के बीच अब वह समय आ गया है जब भारत 'विश्व गुरु' बनकर दुनिया को सुख और शांति का नया मार्ग दिखाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि संतों के 'संतत्व', आध्यात्मिक प्रेरणा और सत्य के मार्ग पर चलकर ही एक सुंदर दुनिया का निर्माण संभव है। भागवत ने स्पष्ट किया कि संघ इस पावन लक्ष्य की प्राप्ति के लिए संतों के साथ मिलकर निरंतर प्रयास करेगा।

मंगलवार को वृंदावन के वंशीवट क्षेत्र स्थित मलूक पीठ में संत मलूकदास महाराज के 452वें जयंती महोत्सव को संबोधित करते हुये उन्होने कहा कि आज पूरी दुनिया को भारत के प्रकाश की आवश्यकता है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि हमारी रीति और नीति पूरी तरह से आध्यात्मिक परंपराओं पर आधारित होनी चाहिए। संघ प्रमुख भागवत ने कहा कि सत्य के आधार पर जीवन खड़ा होना चाहिए। हमें संतों का सानिध्य प्राप्त है और उनके शब्दों के पीछे छिपे भाव को आत्मसात कर हमें आगे बढ़ना है। मलूक पीठ ने 452 वर्षों से इस महान परंपरा को जीवंत रखा है, जो सभी के लिए प्रेरणापुंज है। समाज में एकता और संवेदनशीलता का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि सत्य और करुणा के बिना धर्म का कोई अस्तित्व नहीं है। उन्होंने कहा की करुणा जीवन में तब आती है जब हमें सबका दुख अपना दुख लगने लगे। हालांकि देश के 142 करोड़ लोगों का 'संत' बनना संभव नहीं है, लेकिन हर नागरिक का जीवन सुचिता पवित्रता पूर्ण हो, इसके लिए हमें प्रयास करने होंगे। मलूक पीठ के महंत राजेंद्र दास महाराज द्वारा गौ-हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग का समर्थन करते हुए संघ प्रमुख ने एक व्यावहारिक मंत्र दिया।

उन्होंने कहा कि कानून से ज्यादा समाज की शक्ति प्रभावी होती है। उन्होंने कहा, समाज को इतना गौ-भक्त बना दो कि गौ-हत्या अपने आप रुक जाए। लोगों को इसके लिए सामर्थ्यवान बनाना होगा। जिस तरह श्रीराम मंदिर के लिए पूरे देश में एक सशक्त जनभावना दिखी थी, वैसी ही भावना गाय के प्रति जगानी होगी। जब देश में ऐसी जनभावना खड़ी होगी, तो सरकार को भी इसे मानना होगा।

विवादित गाने 'सरके चुनर तेरी' को लेकर गीतकार, निर्देशक और निर्माता को कड़ी फटकार

नई दिल्ली । राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने बॉलीवुड फिल्म 'केडी द डेविल' के विवादित गाने 'सरके चुनर तेरी' को लेकर गीतकार, निर्देशक और निर्माता को कड़ी फटकार लगा दी है। महिला आयोग ने स्पष्ट कहा कि महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाले गाने रचनात्मकता के नाम पर स्वीकार नहीं किए जा सकते। गीतकार रकीब आलम, निर्देशक प्रेम, और निर्माता कंपनी केवीएन प्रोडक्शंस के प्रतिनिधि गौतम केएम और सुप्रीथ आयोग के समक्ष पेश हुए।

सुनवाई की अध्यक्षता विजया रहाटकर ने की, जिन्होंने कहा कि यह गाना महिलाओं की गरिमा के खिलाफ है और ऐसे सामग्री के प्रति मनोरंजन उद्योग को सामाजिक जिम्मेदारी का पालन करना होगा। उपस्थित मेकर्स ने गलती स्वीकार की और भविष्य में ऐसी सामग्री न बनाने का वादा किया। उन्होंने यह भी कहा कि गाना कन्नड़ भाषा में होने के कारण इसके आपत्तिजनक अर्थ का उन्हें पूरा ज्ञान नहीं था, जिसे आयोग ने आंशिक रूप से ही स्वीकार किया। सभी ने लिखित माफीनामा प्रस्तुत किया और अगले तीन महीनों में महिला सशक्तिकरण के लिए ठोस कदम उठाने का संकल्प लिया। हालांकि, मुख्य कलाकार नोरा फतेही और संजय दत्त आयोग के सामने उपस्थित नहीं हो पाए। नोरा की ओर से अधिवक्ता ने तर्क पेश करने की कोशिश की, लेकिन आयोग ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया। संजय दत्त ने शूटिंग के कारण अनुपस्थिति बताई। आयोग ने नोरा को 27 अप्रैल और संजय दत्त को 8 अप्रैल को पेश होने का अंतिम मौका दिया।

10 अप्रैल से टोल प्लाज़ा पर कैश बंद, फास्टैग अनिवार्य, यूपीएआई से भुगतान पर देना होगा ज्यादा शुल्क

पटना, । देश में राष्ट्रीय राजमार्गों पर सफर करने वालों के लिए एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है। सडक परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) ने घोषणा की है कि 10 अप्रैल 2026 से सभी नेशनल हाईवे टोल प्लाज़ा पर कैश पेमेंट पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा। इस फैसले का उद्देश्य टोल प्लाज़ा पर लगने वाली लंबी कतारों को खत्म करना और यात्रा को तेज व सुगम बनाना है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई)) के अनुसार, अब फास्टैग ही टोल वसूली का मुख्य माध्यम होगा। जिन वाहनों के पास फास्टैग नहीं होगा या वह वैध नहीं होगा, उनके लिए यूपीआई भुगतान का विकल्प दिया जाएगा।

ट्रंप की धमकी : 'आज रात पूरी सभ्यता खत्म होगी', ईरान ने कहा- 'ऐसा जवाब देंगे, जिसे भूल नहीं पाओगे'

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की आज रात पूरी सभ्यता खत्म करने की धमकी पर ईरान ने पलटवार किया है।

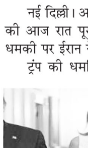

ट्रंप की धमकियों का जवाब देते हुए, दक्षिण अफ्रीका स्थित ईरानी दूतावास ने एक्स पर लिखा, 'आपको और आपके सहयोगियों को ईरान की प्रचीन सभ्यता से एक ऐसा करारा प्रहार झेलगा पड़ेगा जिसे आप कभी नहीं भूल पाएंगे।'

दूतावास ने फरवरी में अमेरिकी-इजरायली हमलों के दौरान मीनाब में मारे गए एक बच्चे की शोक संतप्त मां की तस्वीर भी साझा की। ये हमले अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या और एक प्राथमिक विद्यालय पर टार्गेटेड मिसाइल हमलों के बाद हुए थे। इन हमलों में लगभग 170 स्कूली छात्राएं मारी गईं थी।

आज रात एक सभ्यता नष्ट हो जाएगी- ट्रंप

इससे पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर बहुत बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि आज रात पता चल जाएगा। शायद कुछ क्रांतिकारी और अद्भुत घटित हो सकता है, कौन जाने? ट्रंप ने धमकी भरे अंदाज में कहा कि आज रात एक पूरी सभ्यता मिट जाएगी, जिसे फिर कभी वापस नहीं लाया जा सकेगा। मैं नहीं चाहता ऐसा हो, लेकिन ऐसा ही होगा।

उन्होंने कहा कि हमें आज रात पता चल जाएगा, यह दुनिया के लंबे और जटिल इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण पलों में से एक होगा।

डेडलाइन खत्म होने से पहले ट्रंप की चेतावनी

ट्रंप ने यह चेतावनी ईरान के लिए तय की गई डेडलाइन से करीब 12 घंटे पहले दी है। इस डेडलाइन के तहत ईरान को मंगलवार को एक समझौते पर राजी होना था, जिसमें होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलना शामिल था। ऐसा न करने पर उसे कड़े हमलों का सामना करना पड़ेगा।

ईरान के पास अभी भी सरेंडर करने का समय- ट्रंप

उन्होंने कहा कि आज रात एक पूरी सभ्यता खत्म हो जाएगी लेकिन वॉशिंगटन में रात 8 बजे की डेडलाइन से पहले ईरान के पास अभी भी सरेंडर करने का समय है।

तेहरान ने बंद किए बातचीत के दरवाजे

ईरान के लिए होर्मुज स्ट्रेट खोलने की ट्रंप की डेडलाइन के कुछ घंटे पहले, तेहरान ने बातचीत के सभी दरवाजे पूरी तरह बंद कर दिए हैं। ईरानी मीडिया आउटलेट 'तेहरान टाइम्स' ने मंगलवार को बताया कि ईरान ने अमेरिका के साथ बातचीत के सभी कूटनीतिक और अप्रत्यक्ष रास्ते बंद कर दिए हैं।

आउटलेट ने बताया, ईरान ने अमेरिका के साथ बातचीत के सभी कूटनीतिक और अप्रत्यक्ष रास्ते बंद कर दिए हैं।

हिमाचल सरकार को हाईकोर्ट के आदेशों की अनदेखी भारी पड़ी, 10 लाख का जुर्माना

शिमला। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को अदालतों के बुनियादी ढांचे में सुधार को लेकर जारी निर्देशों की अनदेखी पर कड़ी फटकार लगाकर 10 लाख रुपये का जुर्माना ठोंक दिया है। यह फैसला मुख्य न्यायाधीश गुरमीत सिंह संधावालिया की अगुवाई वाली खंडपीठ ने सुनाया।

मामला न्यायपालिका के लिए आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे नए कोर्ट भवन, जजों की नियुक्ति और जरूरी संसाधनों से जुड़ा है। हिमाचल हाईकोर्ट पहले भी कई बार राज्य सरकार को इस दिशा में ठोस कदम उठाने के निर्देश दे चुका था, लेकिन कांग्रेस सरकार की ओर से लगातार सिर्फ आश्वासन ही दिए गए, जमीन पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं दिखी। सुनवाई के दौरान अदालत ने पाया कि संबंधित अधिकारी जिम्मेदारी एक-दूसरे पर डाल रहे हैं, जिससे कार्य में और देरी हो रही है। सुक्खू सरकार द्वारा दाखिल हलफनामे में कहा गया था कि कुछ प्रस्ताव कैबिनेट के समक्ष रखे जाएंगे, लेकिन कोर्ट ने इस पर सवाल उठाया कि नियमित बैठकों के बावजूद इतने समय में कोई निर्णय क्यों नहीं लिया गया। करीब तीन महीने बीत जाने के बाद भी प्रगति न होना अदालत ने गंभीर लापरवाही माना। कोर्ट ने यह भी नोट किया कि जिन स्थानों पर अदालतों और जजों की आवश्यकता बताई गई थी, वहां काम करने के बजाय सरकार अन्य जगहों पर कोर्ट खोलने की योजना बना रही थी। इस पर अदालत ने आश्चर्य जताया और निर्णय प्रक्रिया की पारदर्शिता पर प्रश्न उठाए। इसके अलावा, एनडीपीएस (नशे से जुड़े) मामलों की बढ़ती संख्या पर भी चिंता व्यक्त की गई।

बालाघाट
बुधवार 08 अप्रैल 2026

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

एक महिला ने अपने घर में फांसी लगाकर की आत्महत्या

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले की बिरसा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम थूर्रेमेटा में इसी ग्राम की एक महिला साक्षी पति बलराम उइके 32 वर्ष ने अपने घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस महिला ने किस वजह से आत्महत्या की अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।बिरसा पुलिस ने इस महिला का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सोप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार साक्षी अपने परिवार के साथ खेती किसानी करती थी जिसके परिवार में सास ससुर जेठ जेठ जेठानी देवर देवरानी और बच्चे भी है साक्षी अपने परिवार के साथ अलग रहती थी जिसका पति अपनी दो भाइयों के साथ मजदूरी करने के लिए बाहर गया हुआ था। अपने दो बच्चों के साथ में ही रहती थी। 6 अप्रैल को 11ः00 बजे जब साक्षी का ससुर मानसिह महुआ चुनने के लिए खेत गया था उसे समय साक्षी घर में थी किन्तु शाम 5ः00 बजे जब वह वापस घर आया। तब उसे घर के बच्चों ने बताया कि चाचा गले में रस्सी बांधकर घर के अंदर खड़ी दिख रही है तब मानसिह ने मोहल्ले वालों के साथ जाकर देखा साक्षी ने खुद की चुनरी म्याल में बांधकर फांसी लगा ली थी और उसकी मौत हो चुकी थी। मानसिह मैं इस घटना के संबंध में अपने तीनों बेटों को फोन करके बताया और रिपोर्ट करने बिरसा पुलिस थाना पहुंचा बिरसा पुलिस थाने से उप निरीक्षक शिवलाल परते ने अपने स्टाफ के साथ ग्राम थूर्रेमेटा पहुंचे और मोके कार्रवाई की। 7 अप्रैल को साक्षी का शव बिरसा के अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया है। इस महिला ने किस वजह से फांसी लगाकर आत्महत्या की अभी पूर्ण रूप से स्पष्ट नहीं हो पाया है।बिरसा पुलिस धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

नपाध्यक्ष के वार्ड में शराब दुकान का विरोध, महिलाएं सड़क पर उतरीं

विरोध में शामिल हुई नपाध्यक्ष, रहवासी क्षेत्र में दुकान खोलने पर उठे सवाल,विभाग बोला सभी के समन्वय से खुल रही दुकान

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

मुख्यालय के रहवासी क्षेत्र में शराब दुकान को लेकर विरोध थमने का नाम नहीं ले रहा है। मंगलवार को वार्ड क्रमांक 25 में खुल रही शराब दुकान के खिलाफ वार्ड की महिलाएं और जागरूक नागरिक एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन करने लगे। महिलाओं ने विरोध के स्वर के साथ क्षेत्र में शराब दुकान खोले जाने का विरोध जताया और इसे सामाजिक वातावरण के लिए हानिकारक बताया। उनका कहना है कि रहवासी इलाके में शराब दुकान खुलने से क्षेत्र की शांति भंग होगी और परिवारों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। विरोध की जानकारी मिलते ही नपाध्यक्ष भारती ठाकुर भी मौके पर कुछ समय बाद पहुंचीं और महिलाओं के आंदोलन में शामिल होकर उनका समर्थन किया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि रहवासी क्षेत्र में शराब दुकान खोलना उचित नहीं है और इस विषय में प्रशासन को पुनर्विचार करना चाहिए। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने शासन-प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताते हुए कहा कि आम जनता की भावनाओं को नजरअंदाज कर ऐसे फैसले लिए जा रहे हैं। महिलाओं ने चेतावनी दी कि यदि शराब दुकान को यहां से नहीं हटाया गया, तो उनका आंदोलन आगे और भी चलते रहेंगा ।

जिले में हाल ही में शराब दुकानों के नवीन आवंटन के बाद से ही कई ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में विरोध के स्वर तेज हो गए हैं। खासतौर पर रहवासी क्षेत्रों में संचालित हो रही शराब दुकानों को लेकर वार्डवासियों में नाराजगी लगातार बढ़ती जा रही है। इसी क्रम में शहर के वार्ड क्रमांक 2 और वार्ड क्रमांक 24 में संचालित दुकानों का भी स्थानीय लोगों ने विरोध किया था। बताया जाता है कि वार्ड क्रमांक 2 की शराब दुकान का स्थान परिवर्तन पहले ही कर दिया गया था। वहीं वार्ड क्रमांक 24 के सुरभि नगर क्षेत्र में 1 अप्रैल से विरोध कर रही महिलाओं को भी सफलता मिली और 7 अप्रैल की सुबह प्रशासन एवं संबंधित विभाग द्वारा यहां संचालित दुकान को हटाकर शहर के मोती नगर चौक स्थित वार्ड क्रमांक 25 में गार्डन रोड पर स्थानांतरित करने की प्रक्रिया शुरू की गई। हालांकि जैसे ही वार्ड क्रमांक 25 के निवासियों को इस बात की जानकारी मिली कि उनके क्षेत्र में शराब दुकान खोली जा रही है, उन्होंने इसका कड़ा विरोध शुरू कर दिया। सुबह से ही बड़ी संख्या में वार्डवासी मौके पर एकत्र हो गए और दुकान खोलने का विरोध करने लगे। स्थानीय लोगों का कहना है कि वार्ड क्रमांक 25 पूर्णत: रहवासी क्षेत्र है, जहां गार्डन, स्कूल, हॉस्टल सहित कई शासकीय एवं अर्ध-शासकीय कार्यालय स्थित हैं। ऐसे में यहां शराब दुकान खोले जाने से बच्चों, महिलाओं और पूरे क्षेत्र का वातावरण प्रभावित होगा तथा सामाजिक और सुरक्षा संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं। विरोध के दौरान कुछ वार्डवासियों ने नगर पालिका अध्यक्ष पर फोन नहीं उठाने के आरोप भी लगाए। हालांकि कुछ समय बाद नगर पालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर, जो स्वयं वार्ड क्रमांक 25 की पार्षद भी हैं, मौके पर पहुंचीं। उन्होंने भी क्षेत्र में शराब दुकान खोले जाने पर नाराजगी जताई और वार्डवासियों से चर्चा करते हुए आश्वासन दिया कि वे इस मामले में संबंधित विभाग और अधिकारियों से बातचीत करेंगी। दिनभर मोती नगर क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति बनी रही और वार्डवासियों ने एक स्वर में दुकान हटाने की मांग की। विरोध के चलते दुकान का संचालन शुरू नहीं हो सका और पूरे क्षेत्र में असमंजस की स्थिति बनी रही। इधर संबंधित विभाग के अधिकारियों का कहना है कि दुकान खोलने की प्रक्रिया वरिष्ठ अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के समन्वय से की जा रही थी। अब देखना होगा कि वार्डवासियों के विरोध का क्या परिणाम निकलता है और क्या शराब दुकान का स्थान पुनः परिवर्तित किया जाता है या फिर प्रशासन इसे वार्ड क्रमांक 25 में ही संचालित करने का निर्णय लेता है।

सभी के समन्वय से खुल रही हैं दुकान

आबकारी अधिकारी अजीत इक्का ने बताया कि प्रभारी मंत्री के निर्देश पर प्रशासनिक अधिकारी कलेक्टर और एसपी और उन्होंने नाम ना लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधि के समन्वय से यह दुकान खोली जा रही है। जिससे नगरपालिका अध्यक्ष के शराब दुकान समन्वयक को लेकर खड़े हो रहे सवाल पर शराब दुकान हटाने के समर्थन में पहुंची नगरपालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर ने बताया कि यदि प्रशासन के पास हमारी कोई लिखित सहमति है तो वह दिखाए। उन्होंने बताया कि वह महिलाओं के साथ है, जब तक दुकान नहीं हटती, विरोध में वह शामिल रहेगी।

तेज रफ्तार का कहर-पेड़ से टकराई बाइक

17 वर्षीय युवक की मौत- एक गंभीर घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बिरसा थाना क्षेत्र अंतर्गत मंडई रोड स्थित देवटोला गोलाई में बीती रात एक भीषण सड़क दुर्घटना में 17 वर्षीय युवक की मौके पर मौत हो गई। जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों युवक शादी समारोह से लौट रहे थे। तभी यह हादसा हुआ। मृतक युवक पीयूष पिता रमेश ठाकरे 17 वर्ष ग्राम मंडई थाना बिरसा । वहीं घायल युवक सुमित पिता नैनप्रसाद चौधरी 18 वर्ष ग्राम करमसरा थाना मलाजखंड निवासी है। जिसका इलाज बालाघाट नगर के निजी अस्पताल में किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पीयूष ठाकरे और सुमित चौधरी आपस में रिश्तेदार हैं। 6 अप्रैल को दोनों युवक मोटरसाइकिल में ग्राम करौंदा बहरा में एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। देर रात करीब 1 बजे दोनों मोटरसाइकिल से वापस अपने गांव मंडई लौट रहे थे। इसी दौरान देवटोला नहर पुलिया के पास स्थित गोलाई में उनकी तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। हादसा इतना भीषण था कि टक्कर के बाद पीयूष ठाकरे उछलकर नहर पुलिया के नीचे जा गिरा और सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं सुमित चौधरी सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया।घटना के समय शादी से लौट रहे अन्य लोगों ने तुरंत दोनों को बिरसा अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने पीयूष ठाकरे को मृत घोषित कर दिया। वहीं सुमित चौधरी को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया। जहां से उसे बेहतर इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। 7 अप्रैल को। सुबह बिरसा थाना पुलिस के प्रधान आरक्षक संजय दमाहे ने पीयूष ठाकरे का शव पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

शांति भंग करने पर युवक गिरफ्तार

कोतवाली पुलिस की त्वरित कार्रवाई, पत्नी से विवाद कर हंगामा कर रहा था आरोपी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कोतवाली पुलिस लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में एक बार फिर लोकशांति भंग करने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। कोतवाली थाना प्रभारी कामेश धूमकेती ने जानकारी देते हुए बताया कि 7 अप्रैल को वार्ड क्रमांक 11, अस्पताल के पीछे बूढ़ी क्षेत्र में लोकशांति भंग करने की शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायत में बताया गया कि एक व्यक्ति अपनी पत्नी से विवाद कर रहा था और मारपीट पर उतारू होकर हंगामा कर रहा था। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर तत्काल कार्रवाई की और उपद्रवी को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद आरोपी को एसडीएम

बालाघाट के समक्ष पेश किया गया। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा द्वारा शहर में अपराध नियंत्रण और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष निर्देश दिए गए हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित उपाध्याय एवं नगर पुलिस अधीक्षक मयंक तिवारी के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। पुलिस ने आरोपी योगेश उम्र 31 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 4 नरसिंहटोला बैहर, जो वर्तमान में वार्ड क्रमांक 11 बूढ़ी क्षेत्र में किराए से रह रहा था, के खिलाफ धारा 170, 126(बी), 135(3) BNSS के तहत मामला दर्ज किया है। कोतवाली पुलिस ने स्पष्ट किया है कि शहर में शांति भंग करने वाले और सार्वजनिक स्थानों पर अनावश्यक विवाद करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

प्रथम पुण्य स्मरण

परम श्रृद्धेय...
दिवंगत कु. वर्षा घोड़ेश्वर दिव्यांग
जन्म 5 मई 1984, मृत्यु 08 अप्रैल 2025
आपको बिछड़े हुए एक वर्ष हो गया है किन्तु आपकी पावन स्मृतिया हमारे ह्दय में सजीव है। आपकी यादें व सादा मूक जीवन सबको प्रेरणा देते रहेगा।
आपके प्रथम पुण्यतिथि पर हमारी अश्रुपूरित श्रृद्धांजली
शोकाकुल परिवार-जी.आर. घोड़ेश्वर-पिता, गीता घोड़ेश्वर-माता, प्रमोद घोड़ेश्वर-बड़े भैया, आयु. रज्जू घोड़ेश्वर-बड़ी भाभी, संतोष घोड़ेश्वर-छोटा भाई, आयु. योगिता घोड़ेश्वर-छोटी भाभी, बरखा घोड़ेश्वर-बड़ी बहन, संप्रिता सिया घोड़ेश्वर-भतीजी एवं समस्त घोड़ेश्वर परिवार
निवास वार्ड नं. 13, वर्षा सदन, घोड़ेश्वर वादयंत्र संग्रहालय बूढ़ी बालाघाट (म.प्र.) 9424822320

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :**9425138710**, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट